केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले लालू एंड कंपनी सत्ता में आयी तो बनाएगी घुसपैठ घुसाओ बोर्ड - 7

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- देश को वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत - 10

हमने अपनी संप्रभुता का एक हिस्सा खो दिया... ममदानी की जीत पर ट्रंप - 11

चौथे टी-20 मुकाबले में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से हराया - 12

आज का मौसम

26.0° अधिकतम तापमान

14.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.22

सूर्यास्त 05.22

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष द्वितीया 11:05 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 7 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 278, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

पहले चरण में रिकॉर्ड 64.66% मतदान, उप मुख्यमंत्री पर हमला

पटना के बख्तियारपुर में एक मतदान केंद्र पर वोट डालने के लिए कतार में प्रतीक्षा करते मतदाता। ● एजेंसी

- डिप्टी सीएम विजय सिन्हा की कार पर राजद समर्थकों ने चप्पल और पत्थर फेंके
- चुनाव आयोग बोला सख्त एक्शन लेंगे

पटना/लखीसराय एजेंसी

बिहार संग्राम

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में गुरुवार को 121 सीट पर मतदान संपन्न हो गया। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विनोद सिंह गुंजियाल ने बताया कि शाम तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 3.75 करोड़ मतदाताओं में करीब 64.66 प्रतिशत ने मतदान किया, जो राज्य के इतिहास में सर्वाधिक मतदान प्रतिशत है।

उन्होंने बताया कि यह आंकड़ा कुल 45,341 मतदान केंद्रों में से 41,943 केंद्रों से प्राप्त सूचनाओं पर आधारित है। वहीं, लखीसराय में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने आरोप लगाया कि मतदान के दिन उनके वाहनों के काफिले पर मुख्य विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के समर्थकों ने हमला किया। ये लोग इलाके में मतदाताओं को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे थे। मामले में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने घटना पर संज्ञान लेते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी गुंजियाल ने कहा, यह अनंतिम आंकड़ा है, क्योंकि कुछ मतदान केंद्रों से सूचनाएं अभी आनी बाकी हैं। अंतिम मतदान प्रतिशत के आंकड़े के इससे अधिक रहने की संभावना है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान शांतिपूर्ण और निष्पक्ष माहौल में संपन्न हुआ। कुछ स्थानों पर छिटपुट घटनाओं के अलावा कहीं से कोई बड़ी गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली।

सीएम नीतीश, तेजस्वी, सम्राट चौधरी समेत दिग्गजों ने डाले वोट

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उनके दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव, वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह व राजीव रंजन सिंह 'ललन' सहित कई प्रमुख नेताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने गृह नगर बख्तियारपुर में मतदान किया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, "मतदान लोकतंत्र में नागरिकों का अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है।

आरजेडी में सिखाया जाता है 'ए' से अपहरण और 'फ' से फिरौती : मोदी

भागलपुर में प्रधानमंत्री बोले- जंगलराज लाने वालों को जनता देगी जवाब

- कहा- इनकी पाठशाला में 'घ' से घोटाला और 'प' से परिवारवाद की ट्रेनिंग

भागलपुर/अररिया, एजेंसी

भागलपुर में रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मान देते भाजपा नेता। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि बिहार की जनता, विशेषकर माताएं और बेटियां, बड़ी संख्या में मतदान कर रही हैं ताकि राजद के जंगलराज को वापस आने से रोका जा सके। उन्होंने कहा कि फिर एक बार बिहार में सुशासन की सरकार बननी चाहिए। बिहार के भागलपुर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने राजद और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इन दलों ने बिहार के गरीबों और महिलाओं के हितों के बारे में कभी नहीं सोचा।

राजद पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, जंगलराज की पाठशाला में 'ए' का मतलब होता है अपहरण और 'फ' का मतलब फिरौती सिखाया जाता है। इनकी पाठशाला में 'घ' से घोटाला और 'प' से परिवारवाद की ट्रेनिंग भी दी जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भागलपुर दंगा और सिख नरसंहार कांग्रेस के काले अध्याय हैं जिन्होंने देश को शर्मसार किया था। उन्होंने कहा, राजद और कांग्रेस ने कभी महिलाओं के खाते खोलने के बारे में नहीं सोचा। आज वे पोस्टरों में साथ तो दिखते हैं, लेकिन एक-दूसरे का चेहरा देखने को भी तैयार नहीं हैं। राजद के पोस्टरों में कांग्रेस के नामदार का चेहरा तक गायब है। राहुल गांधी पर अप्रत्यक्ष कटाक्ष करते हुए मोदी ने कहा, राजद ने कांग्रेस से मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी बंदूक की नोक पर छीन ली, और कांग्रेस को यह पसंद नहीं आया। दोनों दल सत्ता की लड़ाई में एक-दूसरे को खत्म करने पर उतारू हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) सरकार एक जिला, एक उत्पाद योजना के माध्यम से बिहार के हर जिले के स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित कर रही है।

टेक्नोलॉजी, टूरिज्म और टेक्सटाइल का हब बनाएंगे हम

बिहार के विकास के लिए राजग सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, हम बिहार को टेक्नोलॉजी, टूरिज्म और टेक्सटाइल का हब बनाना चाहते हैं। हमने रोजगार सृजन के लिए ठोस रोडमैप तैयार किया है और निवेशक बिहार में निवेश को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कांग्रेस पर छठ महापर्व का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा, कांग्रेस के नामदार ने छठ महापर्व का अपमान किया जो बिहार का अपमान है। वे तुष्टिकरण की राजनीति के चलते बिहार की आस्था का भी मजाक उड़ा रहे हैं। अब वही लोग घुसपैठियों की रक्षा करने में जुटे हैं। लोगों से अपील की कि वे बड़े पैमाने पर मतदान कर विकास, सुरक्षा और सुशासन की सरकार को फिर से सत्ता में लाएं।

ब्रीफ न्यूज

जुबिन की मौत के मामले में असम के सीआईसी का इस्तीफा

गुवाहाटी। असम के मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) भास्कर ज्योति महंत ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। भास्कर के भाई श्यामकानु को गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले में गिरफ्तार किया गया है। सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर एक लंबी पोस्ट में असम के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) भास्कर महंत ने अपने इस्तीफे की घोषणा की और कहा कि उन्होंने पहले ही राज्यपाल को इस संबंध में पत्र भेज दिया है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता फिर बहुत खराब

नई दिल्ली। दो दिनों तक मामूली सुधार के बाद गुरुवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता फिर खराब हो गई और यह 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गई। निकट भविष्य में इससे राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। वायु गुणवत्ता बिगड़ जाने का एक प्रमुख पराली जलाना बताया जा रहा है। सीपीसीबी की ओर से जारी किए गए आंकड़े के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में अपरान्ह चार बजे 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 311 दर्ज किया गया। सीपीसीबी के अनुसार दिल्ली सबसे प्रदूषित शहरों में चौथे स्थान पर है।

रैना और धवन की 11.14 करोड़ की संपत्ति अटैच

नई दिल्ली, एजेंसी

- ईडी ने सट्टेबाजी एप मामले में की कार्रवाई
- कई अन्य पूर्व क्रिकेटरों और अभिनेताओं से भी की पूछताछ

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत पूर्व भारतीय क्रिकेटरों सुरेश रैना और शिखर धवन की 11.14 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति कुर्क की। कुर्की में सुरेश रैना के नाम पर 6.64 करोड़ रुपये मूल्य के म्यूचुअल फंड निवेश और शिखर धवन के नाम पर 4.5 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्ति शामिल है।

ईडी ने जांच के तहत इन दोनों क्रिकेटर के अलावा युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा जैसे अन्य पूर्व क्रिकेटरों, अभिनेता सोनू सूद, उर्वशी रौतेला, मिमी चक्रवर्ती (तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद) और अंकुश हाजरा (बंगाली अभिनेता) से भी पूछताछ की है। कैरेबियाई द्वीप कुराकाओ में पंजीकृत '1एक्सबेट' को पोर्टल द्वारा सट्टेबाजी उद्योग में 18 वर्षों के अनुभव के साथ विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सट्टेबाज बताया गया है। ईडी ने दोनों क्रिकटरों की चल-अचल संपति की कुर्की की पुष्टि करते हुए कहा कि उसकी जांच विभिन्न राज्य पुलिस एजेंसियों द्वारा अवैध विदेशी सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म '1एक्सबेट' के खिलाफ दर्ज की गई कई प्राथमिकियों पर आधारित है।

'1एक्सबेट' एक ऑनलाइन जुआ कंपनी है। कंपनी की स्थापना 2007 में हुई थी और इसका मुख्यालय साइप्रस में है। ईडी की जांच से पता चला है कि वन एक्स बीईटी और उसके सरोगेट ब्रांड वन एक्स बीएटी और '1एक्सबेट' स्पोर्टिंग लाइन्स ने पूरे भारत में अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए के संचालन को बढ़ावा दिया। एजेंसी की जांच से पुष्टि हुई कि दोनों क्रिकेटरों ने जानबूझकर वन एक्स बीईटी के प्रतिनिधियों के माध्यम से उसे बढ़ावा देने के लिए विदेशी संस्थाओं के साथ विज्ञापन समझौते किए।

ईडी ने चार राज्यों के 16 ठिकानों पर मारा छापा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: ईडी ने गुरुवार को फर्जी मार्कशीट-डिग्री बनाने वाले गिरोह व संस्थानों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई। ईडी की 10 टीमों ने उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा व पंजाब के 16 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। उन्नाव के सरस्वती मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल के गोमतीनगर स्थित आवास पर भी छापेमारी की गई।

टीम ने हापुड़ के मोनाड यूनिवर्सिटी, सरस्वती मेडिकल कॉलेज उन्नाव के अलावा फरीदाबाद, गुरुग्राम, सोनीपत व दिल्ली में दस्तावेज खंगाले। ईडी के हाथ कई अहम दस्तावेज लगे हैं। लखनऊ जोन की टीम ने एसटीएफ की जांच में सामने कई तथ्यों के आधार पर कार्रवाई शुरू की। जांच में पता चला था कि मोनाड यूनिवर्सिटी से मेडिकल, इंजीनियरिंग और एमबीए की फर्जी डिग्री बांटने का नेटवर्क चल रहा है। उसके साथ यूपी, दिल्ली और हरियाणा के कई और कालेज भी इस फर्जीवाड़े में शामिल हैं।

- फर्जी मार्कशीट-डिग्री बनाने वाले गिरोह व संस्थाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई
- मोनाड विवि, सरस्वती मेडिकल कॉलेज, फरीदाबाद, गुरुग्राम, सोनीपत, दिल्ली में दस्तावेज खंगाले

सरस्वती मेडिकल कॉलेज व प्रिंसिपल के घर छापा

ईडी की टीम उन्नाव के कानपुर-लखनऊ हाईवे पर सोहरामऊ स्थित सरस्वती मेडिकल कालेज में गुरुवार पहुंची। प्रशासनिक भवन के कर्मचारियों और प्रिंसिपल समेत सभी के मोबाइल जब्त कर लिए। कालेज के सभी कम्प्यूटरों की हार्ड डिस्क कब्जे में लेने के साथ ही सर्वर रूम को सील कर दिया। उन्नाव के सरस्वती मेडिकल कालेज से कई तथ्य हाथ लगने के बाद प्रिंसिपल अखिलेश मौर्य के गोमतीनगर विस्तार में बने घर में भी छापा मारा, यहां से कई दस्तावेज जब्त किए।

मोनाड यूनिवर्सिटी के चेयरमैन के ठिकानों की तलाशी

ईडी ने मोनाड यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन विजेन्द्र हुड्डा के कई ठिकानों पर भी दबिश दी। विजेन्द्र का नाम फर्जी डिग्री मामले में सरगना के तौर पर सामने आया था। उस समय एसटीएफ ने उसे गिरफ्तार भी किया था। उसके ठिकानों से कई इलेक्ट्रानिक वस्तुएं ईडी ने जब्त की है। एसटीएफ ने वर्ष 2023 में मोनाड यूनिवर्सिटी में फर्जी डिग्री व मार्कशीट के बड़े नेटवर्क का खुलासा किया था। उस समय सामने आया था कि किसी भी विश्वविद्यालय के फेल विद्यार्थियों को 50 हजार से दो लाख रुपये लेकर नकली डिग्री व मार्कशीट यहां से मिल जाती थी। यह भी पता चला था कि पांच साल में इस फर्जीवाड़े से करीब 20 करोड़ रुपये की वसूली की गई थी।

इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर वर्ष 2027 तक छूट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बोले परिवहन मंत्री, भविष्य में इलेक्ट्रिक वाहन ही परिवहन का मुख्य आधार

अमृत विचार : प्रदेश में प्रदूषण नियंत्रण और स्वच्छ परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह के प्रयासों से अब इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर पंजीकरण शुल्क और रोड टैक्स में अक्टूबर 2027 तक शत-प्रतिशत छूट दी जाएगी।

परिवहन मंत्री ने बताया कि सतत एवं स्वच्छ गतिशीलता सुनिश्चित करने के लिए वर्ष 2022 में लागू उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण एवं गतिशीलता नीति-2022 में संशोधन किया गया है। इस संशोधन को पांच नवंबर 2025 की अधिसूचना के तहत प्रभावी किया गया है। इसके अनुसार 14 अक्टूबर 2025 से 13 अक्टूबर 2027 के बीच खरीदे गए और पंजीकृत शुद्ध विद्युत वाहनों को पंजीकरण शुल्क और रोड टैक्स से पूर्णतः मुक्त किया गया है। यह छूट प्रदेश में दोपहिया, तीनपहिया, चारपहिया वाहनों, ई-बसों और ई-गुड्स कैरियर पर लागू होगी। मंत्री ने बताया कि शुद्ध विद्युत वाहनों की बिक्री को और प्रोत्साहित करने के लिए एग्रीगेटर या फ्लिट ऑपरेटरों को भी सब्सिडी का लाभ दिया गया है। अब वे अधिकतम दो, तीन या चार पहिया वाहनों के 10 यूनिट, तथा ई-बस अथवा ई-गुड्स कैरियर के 25 यूनिट तक पर सब्सिडी प्राप्त कर सकेंगे। दयाशंकर सिंह ने कहा कि सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन और उपयोग को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे रही है ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ परिवहन व्यवस्था को भी सुचारु बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जीवाश्म ईंधन की उपलब्धता कम होती जाएगी।

सम्मान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम से मुलाकात की। जिसमें कप्तान हरमनप्रीत कौर ने उन्हें सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली टीम जर्सी भेंट की। (विस्तृत खेल पेज पर)

फांसी घर विवाद में केजरीवाल व सिसोदिया तलब

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा ने 'फांसी घर' विवाद मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, तत्कालीन उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल को तलब किया है।

आम आदमी पार्टी के तीनों नेताओं को 13 नवंबर को विशेषाधिकार समिति के समक्ष पेश होना होगा। यह समिति पिछली सरकार के 'फांसी घर' संबंधी दावों की जांच कर रही है। विस अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने अगस्त में मानसून सत्र के दौरान सदन को बताया था कि जिस तथाकथित ब्रिटिशकालीन 'फांसी घर' का उद्घाटन केजरीवाल ने 2022 में नवीनीकरण के बाद बड़े धूमधाम से विधानसभा परिसर में किया था, वह मूल रूप से एक 'टिफिन' रूम था।

जनसभा

मुख्यमंत्री ने बिहार के लौरिया, बेतिया और परिहार विधानसभा क्षेत्र में भरी हुंकार

जो राम का नहीं, वह किसी काम का नहीं : योगी

बेतिया, एजेंसी

- सीएम ने कहा, यूपी की तरह बिहार में भी खानदानी माफिया की उलटी गिनती शुरू

बिहार के बेतिया में एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बिहार के लौरिया, बेतिया और परिहार विधानसभा क्षेत्र में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में ताबड़तोड़ सभाएं कर विपक्ष पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जो राम का नहीं, वह हमारे किसी काम का नहीं। अब बिहार में भी यूपी की तरह माफिया राज समाप्त होगा। जो खानदानी माफिया हैं, उनकी उलटी गिनती शुरू हो चुकी है।

जनसभाओं में योगी ने चेतावनी दी कि जैसे यूपी में माफिया पस्त हुआ, वैसे ही बिहार में भी एनडीए की सरकार बनते ही माफिया का अंत निश्चित है। उन्होंने कहा कि पहले चरण के मतदान में रुझान बता रहे हैं कि 14 नवंबर को परिणाम आने पर फिर एनडीए सरकार का नारा बुलंद होगा। नौजवान, किसान, माताएं, बहनें सब एनडीए के साथ हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद की दलाली रोक दी गई है, इसलिए वे मोदी जी को गाली देते हैं। बिजली एनडीए देगी, लालटेन की लाइट में मोबाइल-लैपटॉप नहीं चार्ज हो सकता। योगी ने कमल और तीर के निशान पर बटन दबाकर बिहार को विकास के पथ पर अग्रसर करने का आह्वान करते हुए कहा कि अयोध्या में श्रीराम के भव्य मंदिर के बाद अब सीतामढ़ी में मां जानकी धाम पर भी भव्य मंदिर का निर्माण होगा। यह कार्य केवल एनडीए ही कर सकता है।

मोदी-नीतीश की जोड़ी से बदला भारत और बिहार

योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश की जोड़ी ने देश और बिहार का चेहरा बदल दिया है। पिछले 11 वर्षों में भारत की तस्वीर और तकदीर दोनों बदली हैं। सड़क, बिजली, पानी, रेलवे, एयर कनेक्टिविटी, मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज हर क्षेत्र में विकास हुआ है। एनडीए सरकार ने 80 करोड़ को मुफ्त राशन, 50 करोड़ को स्वास्थ्य बीमा, 12 करोड़ को उज्ज्वला गैस, 4 करोड़ को आवास व 3 करोड़ को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिए।

मुख्यमंत्री बोले- सड़क और पुल तक का होता था अपहरण

बेतिया में योगी ने कहा कि राजद शासन में सड़क और पुल तक का अपहरण हो जाता था। वर्ष 1990 से वर्ष 2005 के बीच 60 से अधिक जातीय नरसंहार और 30 हजार से ज्यादा अपहरण हुए। इंजीनियर, डॉक्टर, बच्चे, व्यापारी तक सुरक्षित नहीं थे। योगी ने कहा कि जब भी माफिया और अपराधियों को सत्ता का स्वाद चखाओगे, जनता को कीमत चुकानी पड़ेगी। दंगाइयों और अपराधियों को सत्ता का स्वाद नहीं चखने देना है।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 7 नवंबर 2025

वाद्ययंत्रों की खरीद में सामने आई 25 लाख रुपये की गड़बड़ी

शासन ने घटाई आवंटित धनराशि, जांच के बाद पुराने आदेश रद्द, संस्कृति विभाग से चयनित गांवों में खरीदे गए हैं 825 वाद्ययंत्र सेट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : संस्कृति विभाग से चयनित ग्राम पंचायतों के लिए 825 वाद्ययंत्र सेटों की खरीद में गड़बड़ी की जांच के बाद शासन ने पहले स्वीकृत लगभग तीन करोड़ रुपये की धनराशि में कटौती करते हुए नया आदेश जारी किया है। 2,95,11,100 रुपये की प्रशासकीय व वित्तीय स्वीकृति को रद्द करते वास्तविक व्यय के आधार पर 2,70,73,002 रुपये की स्वीकृति दी गई है।

दैनिक अमृत विचार ने सबसे पहले इस गड़बड़ी को 4 अप्रैल, 2025 को उजागर किया था। भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने मामले की जांच का आदेश दिया। प्राथमिक जांच में सहायक निदेशक डॉ. राजेश अहिरवार और वैयक्तिक सहायक कुलदीप सिंह को निलंबित कर दिया गया था। साथ ही, शासन ने किट के वितरण और भुगतान पर रोक लगा दी थी। अब नए शासनादेश के बाद सामने आया है कि करीब 25 लाख रुपये हड़पने की तैयारी थी। नए शासनादेश में कहा गया है कि वर्ष 2024-25 में चयनित ग्राम पंचायतों के लिए 825 वाद्ययंत्र सेट क्रय किए गए थे। इसके लिए शासनादेश संख्या 385/2024 दिनांक 27 नवंबर 2024 के तहत 2,95,11,100 रुपये की प्रशासकीय व वित्तीय स्वीकृति दी गई थी। मगर खरीद प्रक्रिया में अनियमितताओं की शिकायत पर जांच शुरू होने से भुगतान रोक दिया गया था। अब जांच पूर्ण होने के बाद संस्कृति अनुभाग द्वारा जारी नवीन शासनादेश संख्या 323/2025 में पुराने आदेश को निरस्त करते हुए वास्तविक व्यय के आधार पर 2,70,73,002 रुपये की स्वीकृति दी गई है।

संस्कृति विभाग की संयुक्त सचिव उमा द्विवेदी की ओर से जारी शासनादेश में यह भी स्पष्ट किया है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल वाद्ययंत्र खरीद के लिए ही किया जाएगा और किसी अन्य मद में खर्च नहीं किया जा सकेगा। साथ ही वित्तीय नियमों और नीतिगत दिशा-निर्देशों के सख्त अनुपालन के निर्देश दिए गए हैं।

अमृत विचार में 4 अप्रैल, 2025 के अंक में प्रकाशित खबर।

12 हजार की किट 32,800 में खरीदने का था आरोप

लोक कल्याण वाद्य यंत्र योजना के तहत लोक कलाकारों को पांच वाद्ययंत्रों– हारमोनियम, तबला, घुंघरू, मजीरा और ढोलक की किट दी जानी थी। पिछले दिनों प्रदेश सरकार के आठ वर्ष पूर्ण होने पर 825 किट की खरीद और वितरण के निर्देश दिए गए थे। शिकायत के बाद पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह के आदेश पर हुई जांच में सामने आया कि संस्कृति विभाग ने सहायक निदेशक की अध्यक्षता में एक क्रय समिति गठित की थी, जिसने बाजार मूल्य से लगभग तीन गुना अधिक दर पर खरीद की संस्तुति दी। औसतन 12 हजार की किट कुछ जगह 32,800 में खरीदी गईं, जिससे लगभग 25 लाख की गड़बड़ी उजागर हुई।

ओपीडी बंद है तो मरीज के मोबाइल पर आएगा मैसेज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- केजीएमयू प्रशासन जल्द शुरू करेगा नई व्यवस्था

अमृत विचार: किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) ने मरीजों की सुविधा के लिए एक नई व्यवस्था शुरू करने की तैयारी की है। अब अगर ओपीडी बंद होगी तो उसकी जानकारी सीधे मरीज के मोबाइल नंबर पर मैसेज के जरिए दी जाएगी। इससे दूर-दराज के जिलों जैसे गोरखपुर, जौनपुर, बाराबंकी, देवरिया आदि से आने वाले मरीजों को अनावश्यक परेशानियों से राहत मिलेगी।

केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि कई बार मरीजों को ओपीडी बंद होने की जानकारी समय पर नहीं मिलती। ऐसे में वे सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा कर लखनऊ पहुंचते हैं और यहां आकर पता चलता है कि ओपीडी बंद है। इस वजह से उन्हें समय और पैसे दोनों का नुकसान झेलना पड़ता है। नई व्यवस्था से इस समस्या का समाधान होगा। उन्होंने बताया कि मरीज जब ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेते हैं या पंजीकरण कराते हैं, तब अपना मोबाइल नंबर दर्ज करते हैं। इसी नंबर पर ओपीडी बंद होने की सूचना भेजी जाएगी। उम्मीद है कि यह व्यवस्था अगले एक महीने के भीतर लागू कर दी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

पीजीआई में बच्चों के दिल का उपचार शुरू

अमृत विचार, पीजीआई/लखनऊ: एसजीपीजीआई में जन्मजात हृदय रोगों से जूझ रहे बच्चों के लिए राहत की खबर है। अब संस्थान में बच्चों के दिल के छेद और वॉल्व संबंधी सर्जरी शुरू हो गई है। इसके लिए पीजीआई में बच्चों के लिए छह बेड का विशेष आईसीयू, 30 बेड का वार्ड और एक ऑपरेशन थिएटर आरक्षित किया गया है। पहले जहां ऐसे मामलों में बच्चों को इलाज के लिए दिल्ली या अन्य बड़े शहरों के अस्पतालों में जाना पड़ता था, अब यह सुविधा लखनऊ में ही उपलब्ध हो गई है। सीवीटीएस विभागाध्यक्ष डॉ. एसके अग्रवाल ने बताया कि अब पीजीआई में हर माह 10 से अधिक बच्चों के ऑपरेशन किए जा रहे हैं। पीजीआई में बच्चों के हृदय रोगों के समग्र उपचार के लिए 200 बेड का अत्याधुनिक केंद्र स्थापित किया जा रहा है। इसमें 100 बेड आईसीयू के होंगे। नवजात से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए यह सेंटर एक बड़ा सहारा बनेगा।

डी. फार्मा की काउंसिलिंग की तिथि बढ़ाई गई

अमृत विचार, लखनऊ: संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित डिप्लोमा इन फार्मेसी (डी. फार्मा) पाठ्यक्रम की पांचवें चरण की ऑनलाइन काउंसिलिंग में विकल्प चयन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। परिषद के सचिव संजीव कुमार सिंह ने गुरुवार को बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विकल्प चयन की अंतिम तिथि 4 से 6 नवंबर थी, जिसे अब 7 नवंबर दोपहर 12 बजे तक के लिए बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी काउंसिलिंग से जुड़ी विस्तृत जानकारी परिषद की वेबसाइट www.jeecup.admissions.nic.in पर प्राप्त कर सकते हैं या सहायता के लिए परिषद के दूरभाष 0522-2630106, 2630695, 2630667, 2636589 पर संपर्क कर सकते हैं।

रालोद का राष्ट्रीय अधिवेशन 16 को

अमृत विचार, लखनऊ: राष्ट्रीय लोकदल का राष्ट्रीय अधिवेशन 16 नवंबर को मथुरा में आयोजित किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक अधिवेशन में उत्तर प्रदेश के 2000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे। अधिवेशन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की घोषणा होगी। रालोद का यह अधिवेशन संगठन की मजबूती और आगामी राजनीतिक दिशा तय करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अधिवेशन में प्रदेश भर से आए पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, वरिष्ठ नेता, युवा प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ एवं किसान प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि भाग लेंगे। राष्ट्रीय अधिवेशन में वर्ष 2026 के पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनावों की रूपरेखा एवं रणनीति पर व्यापक चर्चा की जाएगी।

50 लाख डुप्लीकेट नाम बने चुनौती

मतदाता सूची से काटे जाएंगे नाम, 15 तक सत्यापन का कार्य पूरा करने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में पंचायत चुनाव की मतदाता सूची से 52 लाख डुप्लीकेट नाम कटेंगे। तमाम जिलों को राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से भेजे गए पत्र में 15 नवंबर तक सत्यापन का काम पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। 15 जनवरी को अंतिम वोटर लिस्ट जारी होगी।

इस बीच सामने आ रहीं त्रुटियों के मद्देनजर 15 जनवरी को अंतिम मतदाता सूची जारी करने से पहले यह काम पूरा होना बड़ी चुनौती बना हुआ है। दरअसल, नामों की डुप्लीकेसी को देखते हुए नाम काटने के निर्देश जिलाधिकारियों को अगस्त में ही दिया गया था, लेकिन माना जा रहा है कि अधीनस्थ अधिकारी ढुलमुल रवैया दिखाते रहे। फिलहाल मात्र 13.28 लाख डुप्लीकेट मतदाताओं का सत्यापन किया गया है और इसमें से 1.63 लाख मतदाता गलत मिले हैं।

वहीं, 2.14 करोड़ मतदाताओं का सत्यापन किया जाना बाकी है। अकेले पीलीभीत के पूरनपुर ब्लॉक में ही 97 हजार डुप्लीकेट मतदाता हैं। सैदपुर गाजीपुर में 71 हजार, पडरौना के 63 हजार और हापुड़ में 61 हजार डुप्लीकेट मतदाता हैं। ऐसे ही वाराणसी, बिजनौर, आजमगढ़, जौनपुर व अंबेडकरनगर इत्यादि जिलों में बड़ी संख्या में डुप्लीकेट वोटर हैं।

अप्रैल तक संपन्न हो जाएंगे पंचायत चुनाव : प्रदेश में वर्ष 2026 में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत स्तर पर होने हैं, जो हर 5 वर्ष में होते हैं। माना जा रहा है कि चुनाव अप्रैल तक संपन्न हो जाएंगे। राज्य में लगभग 58000 पंचायतें, 8000 पंचायत वार्ड और 800 से जिला पंचायत वार्ड हैं, जिनमें 50 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। इन पंचायत चुनाव के लिए जनवरी 2026 में अधिसूचना जारी हो सकती है और फरवरी-मार्च 2026 में कई चरणों में चुनाव हो सकते हैं। एससी/एसटी आरक्षण निर्धारण की प्रक्रिया पूरी होते ही आयोग चुनाव कार्यक्रम घोषित करेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा।

- चुनाव से पहले मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी आई सामने
- राज्य चुनाव आयोग की जांच में पीलीभीत, वाराणसी, बिजनौर और हापुड़ सहित कई जिलों में नामों के बड़े पैमाने पर दोहराव का पता चला
- अकेले पीलीभीत के पूरनपुर ब्लॉक में ही लगभग 97,000 नाम दोहराए गए

खर्च सीमा में बढ़ोतरी

पंचायत चुनाव की तैयारियों के बीच आयोग ने प्रत्याशियों के लिए खर्च सीमा में भी बढ़ोत्तरी की है। ग्राम प्रधान अब अधिकतम 1.25 लाख रुपये खर्च कर सकेंगे, जबकि जिला पंचायत सदस्य के लिए यह सीमा 2.5 लाख रुपये है। सर्वाधिक 7 लाख रुपये जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए तय किए गए हैं। आयोग ने पारदर्शिता बनाए रखने और खर्च पर नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए यह फैसला लिया है। सूत्रों के मुताबिक, बैलेट पेपर की छपाई का काम भी शुरू हो चुका है।

लापरवाही पर कठोर कार्रवाई तय

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण को लेकर गुरुवार की बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी, शामली के बिना सूचना के अनुपस्थित रहने पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनका स्पष्टीकरण मांगे जाने के निर्देश दिये। साथ ही सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान किसी भी स्तर पर कार्य में लापरवाही तथा दिये गये निर्देशों की अवहेलना पाये जाने पर कठोर कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों और मतदाताओं से विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील की है।

मतदाताओं के लिए बुक ए कॉल विद बीएलओ की सुविधा

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा गुरुवार को सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक कर प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जानकारी दी कि मतदाताओं की सुविधा के मद्देनजर बुक ए कॉल विद बीएलओ की सुविधा प्रदान की गई है, जिसके तहत कोई भी मतदाता voters.eci.gov.in पोर्टल के माध्यम से अपने बीएलओ से बात करने की रिक्वेस्ट डाल सकता है। जिसे बीएलओ को अगले 48 घंटों के भीतर आवेदक से संपर्क कर निस्तारण करना है। बुक ए कॉल सुविधा का वोटर हेल्पलाइन 1950 की ही भांति प्रचार-प्रसार करते हुए क्रियाशील रखने के निर्देश सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिए गए। समीक्षा बैठक में सामने आया कि सभी जिलों में गणना प्रपत्र की छपाई का कार्य पूरा कर लिया गया है। वितरण में धीमी प्रगति वाले जिलों को वितरण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में जिन मतदाताओं के नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में शामिल है उनकी वर्तमान मतदाता सूची से मैपिंग के कार्य को अगले तीन दिनों के भीतर पूरे किए जाने के निर्देश मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा दिये गये।

प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावित शुक्रवार के दौरे को लेकर वाराणसी में रेलवे स्टेशन पर तैयारी का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : मुख्यमंत्री

योगी ने बनारस रेलवे स्टेशन पर की तैयारी की समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी दौरे से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार सुबह बनारस रेलवे स्टेशन पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। अधिकारियों से स्टेशन परिसर के सुंदरीकरण, सुरक्षा व्यवस्था, यात्री सुविधाओं, और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल से जुड़ी तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आगमन के दौरान सभी व्यवस्थाएं सुचारु, व्यवस्थित और उच्च गुणवत्ता की होनी चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अपने वाराणसी प्रवास के दूसरे दिन धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद मुख्यमंत्री ने रेलवे और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली और सभी व्यवस्थाओं को सर्वोच्च स्तर पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बाबा विश्वनाथ व काल भैरव के किए दर्शन : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय वाराणसी प्रवास के दूसरे दिन गुरुवार को बाबा काल भैरव और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की।

प्रधानमंत्री मोदी का काशी दौरा आज

अमृत विचार, लखनऊ: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार शाम को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचेंगे। वहां पीएम मोदी का स्वागत राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इस दौरे पर प्रधानमंत्री वाराणसी से रेल यातायात को बड़ी सौगात देंगे। वहीं, बनारस से लेकर बेंगलुरु तक को चार नई वंदे भारत ट्रेन भी मिलेंगी। इस कड़ी में प्रधानमंत्री बनारस-खजुराहो, लखनऊ-सहारनपुर, फिरोजपुर-दिल्ली और एर्नाकुलम-बेंगलुरु वंदे भारत को हरी झंडी दिखाएंगे। कुल मिलाकर यात्री सुविधाओं और पर्यटन को बढ़ावा मिलने जा रहा है। वहीं पीएम मोदी वाराणसी में प्रबुद्धजनों से भी संवाद करेंगे। इस दौरान सीएम योगी भी साथ रहेंगे।

आबकारी राजस्व लक्ष्य हासिल न करने पर होगी कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 63 हजार करोड़ रुपये का लक्ष्य आबकारी मंत्री ने दी चेतावनी

अमृत विचार : आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने कहा है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में आबकारी विभाग को 63 हजार करोड़ रुपये राजस्व अर्जित करने का लक्ष्य मिला है। इसके लिए निर्धारित मासिक राजस्व लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त करना होगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन जिलों ने अक्टूबर माह में निर्धारित आबकारी राजस्व लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया है और लगातार उनकी परफारमेंस खराब चल रही है, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी।

बैठक में आबकारी मंत्री ने बताया कि इस वर्ष माह अप्रैल से अक्टूबर तक निर्धारित लक्ष्य 32,500 करोड़ के सापेक्ष प्राप्ति 30,657.54 करोड़ (94.33 प्रतिशत) रही। प्रदेश में गत वर्ष इसी अवधि में 26,330.87 करोड़ की आबकारी राजस्व प्राप्त हुआ था। इस तरह गत वर्ष के सापेक्ष प्राप्त 4326.67 करोड़ (116.43 प्रतिशत) का अधिक राजस्व अर्जित किया गया है। मंत्री ने मदिरा की संभावित नई दुकानों के लिए सर्वे कराकर 15 दिन के अंदर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

आगरा में बनेगा प्रदेश का तीसरा साइंस पार्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/आगरा

- 39 करोड़ 62 लाख की लागत वाले साइंस पार्क और नक्षत्रशाला की रखी गई नींव

अमृत विचार: लखनऊ और गोरखपुर के बाद अब आगरा में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त साइंस पार्क और नक्षत्रशाला की स्थापना होगी। कोठी मीना बाजार मैदान के सामने, एसीपी लोहा मंडी कार्यालय के पीछे आयोजित कार्यक्रम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और केंद्रीय राज्य मंत्री (सांसद) प्रो. एसपी सिंह बघेल ने संयुक्त रूप से शिलान्यास किया।

कार्यक्रम के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन एवं हवन कर 39.62 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले साइंस पार्क व नक्षत्रशाला की नींव रखी गई। आगरा का साइंस पार्क प्रदेश का तीसरा उच्च सुविधा युक्त पार्क होगा, जहां छात्र-छात्राएं और आमजन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक साइंस और साइबर सुरक्षा जैसी आधुनिक तकनीकों से रूबरू होंगे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार ने बताया कि अब प्रदेश के हर मंडल मुख्यालय पर साइंस पार्क की स्थापना की जाएगी।

आगरा में साइंस पार्क व नक्षत्रशाला का शिलान्यास करते मंत्री अनिल कुमार, मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, साथ में अन्य।

पटेल जयंती पदयात्राओं की तैयारी को लेकर कसी कमर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मंत्रियों, सांसदों, विधायकों व भाजपा नेताओं के साथ प्रदेश अध्यक्ष ने की वर्चुअल बैठक

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी ने लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित होने वाली विधानसभा स्तरीय पदयात्राओं की तैयारियों को लेकर पूरी ताकत झोंक दी है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने गुरुवार को प्रदेश सरकार के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, प्रदेश पदाधिकारियों और जिला प्रभारियों के साथ वर्चुअल संवाद किया।

बैठक में प्रदेश सरकार के मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, सूर्य प्रताप शाही, एके शर्मा, नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', बेबी रानी मौर्य, जेपीएस राठौर, धर्मवीर प्रजापति, अनिल राजभर और दारा सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में मंत्री, सांसद, विधायक और प्रदेश पदाधिकारी शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि पदयात्राएं सरदार पटेल के विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेंगी। प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बताया कि इन पदयात्राओं की तैयारियां विधायक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मिलकर करेंगे।

कवायद | छह शैक्षणिक संस्थानों की मदद से बनेगी वार्षिक ग्राम पंचायत विकास योजना

जरूरतों को पूरा कर गांवों को मॉडल बनाने की तैयारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- हर जिले की 10 ग्राम पंचायत चयनित, 1.50 करोड़ बजट

अमृत विचार : पंचायती राज विभाग ने प्रदेश की ग्राम पंचायतों को शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से मॉडल बनाने की कवायद शुरू कर दी है। इस कवायद में शामिल लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, डॉ. बीआर आम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस व डॉ. भीमराव आम्बेडकर यूनिवर्सिटी आगरा के पीएचडी स्कॉलर ग्राम सचिवों के साथ क्षेत्रों में जाकर वार्षिक ग्राम पंचायत विकास योजना बनाने में लगे हैं। 31 जनवरी तक प्लान तैयार करके अपलोड किया जाएगा।

विभाग ने पहले चरण में सभी 75 जिलों की 10-10 ग्राम पंचायतें वार्षिक योजना बनाने के लिए चयनित की हैं। पीएचडी स्कॉलर गांव में शोध करके ग्रामीणों की जरूरतों को समझकर प्लान में शामिल करेंगे, जो विकास कार्यों के लिए बेहद जरूरी होगा। इसके अलावा बजट के हिसाब से जो कार्य नहीं होते हैं, उन पर विशेष फोकस रहेगा, क्योंकि विभाग द्वारा जो विकास की योजना बनाई जाती है, उनमें इंफ्रास्ट्रक्चर कार्य ज्यादा होता है। गांव में किन चीजों की जरूरतें हैं, उनकी जानकारी कर प्लान में दर्शाया जाएगा और आने वाले वित्तीय वर्ष में वही कार्य कराए जाएंगे। ताकि अच्छे से अच्छा कार्य कराकर ग्रामों को मॉडल बनाया जा सके। पहले चरण में कुल 1.50 करोड़ रुपये बजट प्रस्तावित किया गया है। इसमें प्रति ग्राम पंचायत पर 20 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे।

वार्षिक योजना में शामिल मुख्य कार्य

- तकनीकी, प्रबंधन, योजना निर्माण संबंधी सहायता देना
- निर्माण में गुणवत्ता एवं सहभागी दृष्टिकोण तय करना
- ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों और सचिवों का क्षमता विकास
- स्थिति विश्लेषण एवं आवश्यकता मूल्यांकन, सर्वे, बैठक
- ग्राम सभाओं और योजना बैठक की सुविधा, मॉनिटरिंग एवं प्रगति रिपोर्टिंग

विश्वविद्यालयों को आवंटित जिले

- लखनऊ विश्वविद्यालय – 13 जिले
- डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी – 12 जिले
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी – 12 जिले
- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी – 13 जिले
- डॉ. बीआर आम्बेडकर इंस्टीट्यूट – 12 जिले
- डॉ. भीमराव आम्बेडकर यूनिवर्सिटी आगरा – 13 जिले

लखनऊ में कोठी नहीं, फिर भी घोषित कर दिया भूमाफिया: आजम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अचानक लखनऊ पहुंचे आजम खां, बढ़ा सियासी तापमान
- प्रधानमंत्री के कट्टा वाले बयान पर कसा तंज, कहा- कट्टा बेचने वाले का बेटा विधायक बना

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री मो. आजम खां गुरुवार को अचानक लखनऊ पहुंचे। उन्होंने कहा कि 50 साल की सियासत के बावजूद लखनऊ में मेरी कोई कोठी नहीं है, फिर भी मुझे भूमाफिया घोषित किया गया। उन्होंने तंज भरे अंदाज में कहा, "अगर मैं भूमाफिया होता तो लखनऊ में मेरे पास भी कोठी होती। रामपुर में जहां रहता हूं, बारिश में पानी भर जाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री के बिहार में कट्टा वाले बयान पर तंज कसा कि कट्टा बेचने वाले का बेटा विधायक बना और उसे कमांडो मिले हैं।

आजम खां का यह दौरा पूरी तरह गोपनीय रखा गया था। शहर के एक होटल में ठहरने की सूचना मिलने के बाद राजनीतिक हलकों में सरगर्मी बढ़ गई। दिनभर सपा नेताओं का होटल में आना-जाना लगा रहा। हालांकि सपा मुखिया लखनऊ में नहीं हैं। इस दौरान पहुंचे पत्रकारों के सवालों पर आजम खां ने कई राजनीतिक और समसामयिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी बात रखी। आजम खां ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर व्यंग्य कसते हुए कहा कि बहुत बेहतर है। बिहार की कानून-व्यवस्था पर बोलते हुए कहा कि वहां आज भी जंगलराज कायम है। इसी वजह से वह चुनाव प्रचार के लिए बिहार नहीं गए। जिनके पास हथियार हैं, वही वहां जा रहे हैं, मेरे पास सुरक्षा नहीं, इसलिए उस जंगल तक नहीं गया।

न्यूज ब्रीफ

चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार : आज पुलिस लाइंस में उत्तर प्रदेश पुलिस वेलफेयर एसोसिएशन व वामा सारथी के तत्वावधान में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें पुलिस कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में जिले के विभिन्न अस्पतालों के चिकित्सकों ने पुलिस कर्मियों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, ब्लड प्रेशर, शुगर, आंख, दांत आदि की जांच की गई। शिविर में अधिकांश लोगों ने लाभ उठाया। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अभिषेक महाजन ने बताया कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य व कल्याण को प्राथमिकता दी जा रही है।

राज्यपाल के आगमन को लेकर किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार : आगामी 10 नवम्बर को राज्यपाल का सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में आगमन प्रस्तावित है।इसे देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और विभिन्न बिंदुओं यथा हेलिपैड व कार्यक्रम स्थल को बारीकी से देखा।उन्होंने अधीनस्थों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया तथा विश्वविद्यालय परिसर को देखा।ताकि कार्यक्रम के दौरान कोई व्यवधान न आये।इस अवसर पर एएसपी, सीओ, एसओ व अन्य लोग उपस्थित रहे।

गैरहाजिर रहने का वीडियो वायरल

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार : विकास खण्ड उसका बाजार अन्तर्गत कम्पोजिट विद्यालय बकैनिहा के सहायक अध्यापक का रजिस्टर में अनुपस्थित रहने का वीडियो फोटो वायरल हुआ है। वहीं सूत्रों की माने तो कम्पोजिट विद्यालय के सहायक अध्यापक राघवेन्द्र कुमार तिवारी अक्सर विद्यालय से गायब रहते हैं। 28 अक्टूबर से 6 नवम्बर तक बिना सूचना अनुपस्थित थे, जिसका फोटो वीडियो सोसल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सहायक अध्यापक जून में 16 जून से 30 जून तक भी बिना अनुमति गैरहाजिर रहे थे।

अभियान की सफलता के लिए दिए निर्देश

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार : भाजपा जिला कार्यालय पर उप्र सरकार के गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ला ने जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान की अध्यक्षता में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर सभी अभियानों की समीक्षा की। उन्होंने कार्यक्रम में लगे अभियान संयोजकों को सभी अभियान को सुचारू रूप से चलाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर निशांत पाण्डेय, विपिन सिंह, दीपक मौर्य, विनीत कमलापुरी, घनश्याम मिश्र, सुरेंद्र पांडे, मुन्नी देवी, ओमप्रकाश यादव आदि मौजूद रहे।

नवाचार से चमके बाल वैज्ञानिकों के मॉडल

एचआर इंटर कॉलेज में 53वीं जनपद स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

संवाददाता, संतकबीरनगर

एचआर इंटर कॉलेज में 53वीं जनपद स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में आकृति बनातीं छात्राएं। अमृत विचार

अमृत विचार: शहर के हीरालाल रामनिवास (एचआर)इंटर कॉलेज में 53वीं जनपद स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के बाल वैज्ञानिकों ने अपने क्रियाशील और अक्रियाशील मॉडल प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य अरुण कुमार ओझा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में नवाचार की भावना जगाते हैं और उन्हें अपने परिवेश की समस्याओं का वैज्ञानिक समाधान खोजने के लिए प्रेरित करते हैं। जीव विज्ञान प्रवक्ता डॉ. आरके सिंह ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों और उनके मार्गदर्शक शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। प्रदर्शनी के निर्णायक मंडल में डॉ. आर. के. सिंह, विनय स्वरूप मिश्र और हीरालाल रामनिवास इंटर कॉलेज के भौतिकी प्रवक्ता डॉ. अभिषेक कुमार सिंह शामिल थे। निर्णायकों ने मॉडलों का मूल्यांकन वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, सामाजिक उपयोगिता और प्रस्तुतीकरण के आधार पर किया। जूनियर वर्ग के कार्यशील मॉडल में रितेश कुमार का "मल्टी टास्किंग रोबोट" प्रथम और विकास बर्नवाल का "कटर मशीन" द्वितीय स्थान पर रहा। जूनियर वर्ग के अकार्यशील मॉडल में गोविंद सिंह और रामप्रीत का "सर्वाइवल हाउस" प्रथम, जबकि शिवम का "सोलर पावर टैक्सी" द्वितीय स्थान पर रहा। सीनियर वर्ग के अकार्यशील मॉडल में आयरिश शेख का "स्मार्ट पेन" प्रथम और प्रियांशु कुमार का "स्मार्ट मच्छर नेट" द्वितीय स्थान पर रहा। वहीं, सीनियर वर्ग के कार्यशील मॉडल में सुव्रत का "स्मार्ट डस्टबिन" प्रथम और अनुराग गुप्ता का "सेव वाटर सिस्टम" द्वितीय स्थान पर चयनित हुआ। समापन सत्र में जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा नामित जनपद संयोजक डॉ. अभिषेक कुमार सिंह की उपस्थिति में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। मंच संचालन और पुरस्कार घोषणा का कार्य डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने कुशलतापूर्वक संपन्न कराया। इस अवसर पर अभय शंकर शुक्ला, बृजलाल, अखिलेश कुमार मौर्य, अर्घ्य दे, ललित कुमार, वीरेंद्र गोपाल शुक्ला आदि मौजूद रहे।

भारत स्काउट-गाइड स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर: स्थानीय शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सभागार में गुरुवार को भारत स्काउट-गाइड स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर महाविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य प्रो. अरविन्द कुमार सिंह ने मां सरस्वती जी की चित्र के सम्मुख दीप जलाकर किया। इस अवसर पर रोवर्स रेंजर्स प्रभारी डॉ0 प्रवीण कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो0 अरविन्द कुमार सिंह को बैज लगाकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में भारत स्काउट-गाइड एवं रोवर्स-रेंजर्स को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया। प्राचार्य ने भारत स्काउट-गाइड के इतिहास पर विस्तार से चर्चा करते हुए जीवन में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा सर्व धर्म सद्भाव पर अपने वक्तव्य दिये। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आप सभी का इस तरह के कार्यक्रमों से मानसिक, बौद्धिक आध्यात्मिक एवं चारित्रिक रूप से परिपक्व विकास होता है। सभी छात्र- छात्राओं को भारत स्काउट और गाइड के स्थापना दिवस स्टिकर प्रदान किया गया, जिसे उन्होंने महाविद्यालय की ड्रेस पर बायें ओर जेब के ऊपर लगाकर सैल्यूट का चिन्ह बनाकर स्काउट के नियम और प्रतिज्ञा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य प्रो0 अरविन्द कुमार सिंह द्वारा की गई।

निर्वाचन प्रक्रिया लोकतंत्र की आधारशिला: कन्हैया

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार: मतदाता पुनरीक्षण केवल एक निर्वाचन प्रक्रिया नहीं बल्कि लोकतंत्र की आधारशिला को मजबूत करने का अभियान है। लोकतंत्र की मजबूती जागरूक और जिम्मेदार मतदाताओं से होती है। यदि सूची में घुसपैठिए या अवांछित नाम जुड़ जाते हैं तो लोकतंत्र की नींव कमजोर पड़ती है। ये बातें भाजपा के जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने कही। वह गुरुवार को भाजपा जिला कार्यालय व नगर पंचायत कपिलवस्तु अंतर्गत सिद्धार्थ महाविद्यालय 3-3 मंडलों की भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित कपिलवस्तु विधानसभा की मतदाता गहन पुनरीक्षण कार्यशाला को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चुनावों की पारदर्शिता और विश्वसनीयता इस प्रक्रिया पर निर्भर करेगी। इसलिए संगठन के हर स्तर पर सामूहिक प्रयास और समन्वय जरूरी है। उन्होंने विपक्ष द्वारा एसआईआर का विरोध किए जाने को निराधार बताया और कहा कि यह किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में कदम है।

राजनीतिक दलों के साथ की बैठक

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार : एडीएम गौरव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अफसरों संग कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई। बैठक में कहा कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी उप्र लखनऊ के निर्देश के क्रम में जनपद के समस्त विधानसभा क्षेत्रों में मतदेय स्थलों का सम्भाजन का कार्य प्रारम्भ हो गया है। वर्तमान समय में प्रत्येक मतदेय स्थल पर अधिकतम 1200 मतदाता होगे प्रस्तावित हैं। संबंधित उपजिलाधिकारी द्वारा पूर्व में मतदेय स्थलों पर भौतिक सत्यापन कर 1200 मतदाता के अनुसार प्रस्तावित किया गया है। 302-शोहरतगढ़ वर्तमान में 410 मतदेय स्थल-452 मतदेय स्थल किया जाना प्रस्तावित है।

बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता कुशीनगर

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के साथ अतिथि व शिक्षकगण। अमृत विचार

अमृत विचार: हाटा नगर के जूनियर हाईस्कूल प्रांगण में गुरुवार को ब्लाक स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता संपन्न हुई। इसमें बालक वर्ग की टीम विजेता रही। टीम को शील्ड व मेडल देकर सम्मानित किया गया।

गुख्य अतिथि विधायक मोहन वर्मा, नपा अध्यक्ष रामानंद सिह व हाटा प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव ने ध्वज फहराकर व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।विधायक मोहन बर्मा ने कहा कि खेल से शारीरिक व मानसिक क्षमता का विकास होता है।खेल के माध्यम से खिलाड़ी राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान दे रहे हैं। बेटियों ने विश्व कप जीतकर दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाया है। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वही कबड्डी, खो-खो, रंगोली, मशाल दौड़ आदि कार्यक्रम हुए। प्रतियोगिता की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद अध्यक्ष रामानंद सिंह और संचालन शिक्षक अमिताभ त्रिपाठी ने किया। बीईओ अखिलेश कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया।स्कोर व रिकार्ड कीपिंग टीम में बृजेन्द्र सिंह व भगवान नाथ तिवारी रहे।इस अवसर पर शिक्षक संघ के अध्यक्ष राम दिनेश सिंह, देवानंद धर दूबे,सुनील कुमार सिंह,मदन गोपाल पाठक,रामायन चौरसिया, सुनील चौहान, राजन तिवारी, अमिताभ पटेल, सहित अन्य मौजूद रहे।

पूल कैंपस ड्राइव का आयोजन

गोरखपुर , अमृत विचार : रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट लिमिटेड एवं टाटा मोटर्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी कंपनियों द्वारा एक पूल कैंपस ड्राइव का आयोजन महाराणा प्रताप पॉलीटेक्निक गोरखपुर में किया गया। इस पूल कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में गोरखपुर और आसपास के क्षेत्र के मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल,इंस्ट्रूमेंटेशन तथा इलेक्ट्रोनिक्स विभाग के डिप्लोमा एवं आईटीआई पासआउट एवम अंतिम वर्ष में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने पंजीकरण किया और साक्षात्कार दिया। संस्था प्रधानाचार्य डॉ. अनिल प्रकाश सिंह ने विभिन्न विद्यालयों से आये सभी छात्र छात्राओं तथा कंपनी के प्रतिनिधि का स्वागत करते हुए छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं और सेवायोजन के इन अवसरों का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया। सेवायोजन एवं प्रशिक्षण अधिकारी अनुराग कुमार ने बताया कि यह पूल ड्राइव कई स्थानीय सरकारी एवं गैर सरकारी पालीटेक्निक एवं आई टी आई संस्थानों के साथ मिल कर आयोजित किया गया थ। सहयोगदायी संस्था इनोवेशन कम्स जॉइंटली के प्रतिनिधि अतुल पांडेय ने बताया कि यह भर्ती रिलायंस कंपनी सूरत तथा टाटा मोटर्स मोबिलिटी अहमदाबाद स्थित इकाईयों के लिए कर रही है।

पीएम मोदी कल दिखाएंगे चार नई वंदे भारत ट्रेनों को झंडी

गोरखपुर, अमृत विचार: पीएम मोदी आठ नवंबर की सुबह करीब 8:15 बजे वाराणसी का दौरा करेंगे। इस दौरान वह चार नई वंदे भारत ट्रेन को झंडी दिखाएंगे। नई वंदे भारत ट्रेनें बनारस-खजुराहो, लखनऊ-सहारनपुर, फिरोजपुर-दिल्ली और एर्नाकुलम-बेंगलुरु मार्गों पर चलेंगी। बनारस-खजुराहो वंदे भारत एक्स. इस रूट पर सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। बनारस-खजुराहो वंदे भारत भारत के प्रतिष्ठित धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों वाराणसी, प्रयागराज, चित्रकूट और खजुराहो को जोड़ेगी।

लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत करीब 7 घंटे 45 मिनट में यात्रा पूरी करेगी जिससे यात्रा समय में लगभग एक घंटे की बचत होगी। लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस से लखनऊ, सीतापुर, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, बिजनौर और सहारनपुर के यात्रियों को लाभ होगा। फिरोजपुर-दिल्ली वंदे भारत इस रूट पर सबसे तेज़ चलने वाली ट्रेन होगी जो अपनी यात्रा मात्र 6 घंटे 40 मिनट में पूरी करेगी। फिरोजपुर-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस राष्ट्रीय राजधानी और पंजाब के प्रमुख शहरों, जैसे फिरोजपुर, बठिंडा और पटियाला, के बीच संपर्क को सुदृढ़ करेगी। इस ट्रेन से व्यापार, पर्यटन और रोज़गार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा।

कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक बनाएंगे सशक्त: काजी सुहेल

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार : जिला कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेस पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष काजी सुहेल अहमद की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन अनिल सिंह अन्नू ने किया। बैठक में जनपद में प्रारम्भ हुए एसआईआर कार्य की निगरानी के लिए जनपद के सभी बूथों पर अतिशीघ्र बीएलए नियुक्त करने एवं बूथ कमेटियों के गठन पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष काजी सुहेल अहमद ने कहा कि कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाना ही हमारी प्राथमिकता है। प्रत्येक बूथ पर बी0एल0ए0 की नियुक्ति और बूथ कमेटियों के गठन से संगठन की जड़ों को और मज़बूती मिलेगी। सभी पदाधिकारी टीम भावना से काम करें।

संदिग्ध हालात में घर में मिला युवक का शव

कुशीनगर, अमृत विचार : हाटा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम टिकरी में गुरुवार सुबह 25 वर्षीय युवक संजय तिवारी पुत्र स्व रामचन्द्र तिवारी का संदिग्ध परिस्थितियों शव घर मे खुटी से फंदे से लटका मिला। इस दौरान मृतक की मां वह भाई पूर्णिमा स्नान पर रिश्तेदारी में गए थे। अगल-बगल के लोगों ने शव देख परिजनों को सूचना दी। सूचना के बाद परिजनों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी और घर पहुंचे। हाटा कोतवाली प्रभारी रामसहाय चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पीएम हेतू भेज दिया। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंच साक्ष्य जुटाए।शव मिलने की सूचना पर क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस का कहना है मौत के कारणों का अभी स्पष्ट रूप से पता नहीं चल सका है। प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है।

खोई चेकबुक से 15 लाख का फर्जी चेक लगाकर ठगी का प्रयास

संतकबीरनगर, अमृत विचार: कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के फरेंदिया गांव निवासी एक व्यक्ति के खोई हुई चेकबुक का दुरुपयोग करते हुए 15 लाख की ठगी करने के प्रयास का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर आरोपी शिवशंकर पांडेय पर केस दर्ज किया गया। फरेन्दिया गांव निवासी संतोष मिश्र ने दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनके पास एसबीआई शाखा विकास भवन खलीलाबाद, पीएनबी शाखा बेतियाहाता, एसबीआई शाखा आईटीएम गीडा तथा यूनियन बैंक शाखा नौसढ़ की चेकबुक थीं। ये सभी 26 जुलाई 2022 को एक झोले सहित फरेंदिया से खलीलाबाद के बीच कहीं गायब हो गईं। खोजबीन के बाद जब झोला नहीं मिला, तो उन्होंने तत्काल चारों बैंकों में चेक बुकों पर भुगतान रोक लगवा दी। लेकिन इसके बाद भी 28 जुलाई 2025 को दोपहर 12:44 बजे उनके मोबाइल पर एसएमएस आया कि चेक संख्या 771414 के माध्यम से 15 लाख के भुगतान के लिए चेक प्रस्तुत किया गया जो डिसऑनर हो गया। इस प्रक्रिया में बैंक ने उनके खाते से 590 का शुल्क भी काट लिया। शिकायतकर्ता के अनुसार, 4 अगस्त 2025 को वही चेक दोबारा जमा किया गया, जिससे स्पष्ट हुआ कि किसी ने चोरी हुई चेकबुक का फर्जी तरीके से इस्तेमाल कर बड़ी ठगी करने की कोशिश की है।

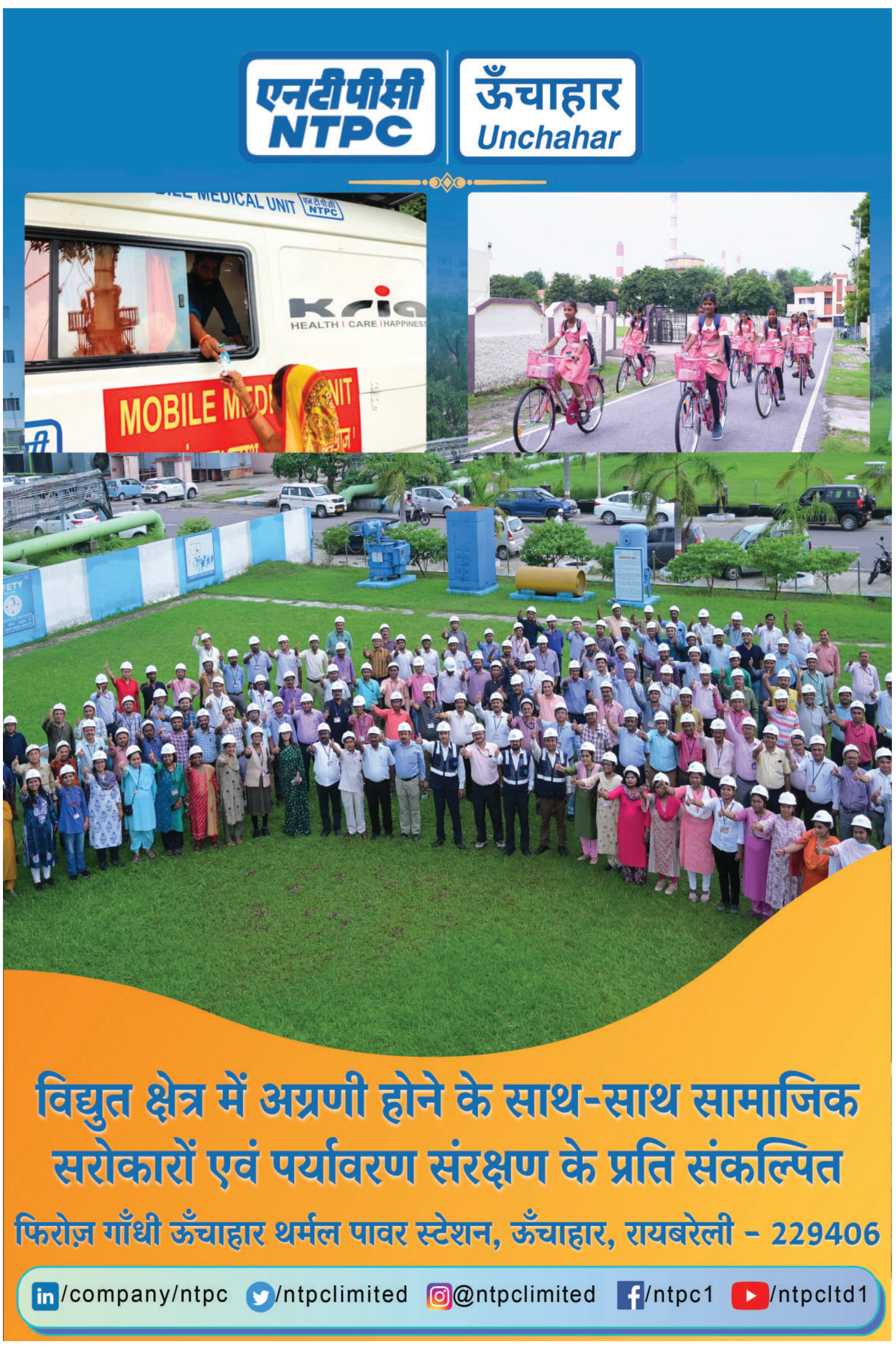

अमृत विचार
लखनऊ, शुक्रवार, 7 नवंबर 2025
लखनऊ-देहात

न्यूज ब्रीफ

नशेड़ियों ने महिलाओं को पीटा

अमृत विचार, गोसाईंगंज : क्षेत्र के महुरा खुर्द गांव में नशे में धुत लोगों ने महिलाओं को पीट दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।महुरा खुर्द गांव की रहने वाली किरन देवी ने बताया कि मंगलवार की शाम गांव के ही रहने वाले सहजराम व उनकी पत्नी शशी बाला नशे में दरवाजे पर पहुंचकर गालियां देने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने लात घूसों व डंडों से पिटाई कर दी। मारपीट देख बेटी रेशम व मां रामावती बीच बचाव करने लगी तो आरोपियों ने उन्हें भी पीटा। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले।

भाषा विवि : परीक्षा फार्म भरने की तिथि बढ़ी

अमृत विचार, लखनऊ : ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय ने परीक्षा फार्म भरने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 6 से 10 नवम्बर किया गया है। लेकिन 500 रुपए विलंब शुल्क के साथ फार्म जमा करने की सुविधा प्रदान की गई है। उप परीक्षा नियंत्रक डॉ. अताउर रहमान आजमी ने बताया कि यह निर्णय विद्यार्थियों के हित में लिया गया है, ताकि कोई भी विद्यार्थी परीक्षा से वंचित न रह जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित अवधि के बाद किसी भी स्थिति में परीक्षा फार्म स्वीकार नहीं किए जाएंगे और इसकी पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित छात्र की होगी।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे के लिए 79.71 करोड़ मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए 79 .71 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की है। यह राशि उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) को जारी की जाएगी। इसमें यूपीडा द्वारा परियोजना के निर्माण कार्य के लिए वित्तीय संस्थानों से लिए गए ऋण के मूलधन की अदायगी के लिए 46 .87 करोड़ रुपये की राशि भी शामिल है। यूपीडा ने इस परियोजना को लेकर वर्ष 2019 में भूमि अधिग्रहण का काम शुरू किया था और 10 फरवरी 2020 में निर्माण कार्य शुरू किया था। 91.35 किलोमीटर लंबे चार लेन एक्सप्रेसवे का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसी वर्ष 20 जून को किया था। भविष्य में इसे छह लेन तक विस्तारित किया जा सकता है।

तीन दोस्तों के शव पहुंचे, जेहटा गांव में पसरा मातम

बुधवार शाम उन्नाव में सड़क दुर्घटना में चार दोस्त हुए थे घायल, तीन की मौत, 13 को होनी थी एक दोस्त मोहित की शादी

संवाददाता, काकोरी

शव पहुंचने के बाद उमड़ी ग्रामीणों की भीड़।

गमजदा नजर आया हर कोई, बंधाते रहे एक-दूसरे को ढांढस।

अमृत विचार: उन्नाव औरास स्थित आगरा एक्सप्रेस-वे की सर्विस लेन पर बुधवार शाम हुए सड़क हादसे में तीन दोस्तों की मौत हो गई थी। गुरुवार दोपहर तीनों के शव एम्बुलेंस से दुबग्गा के जेहटा गांव पहुंचे। एक साथ तीन दोस्तों के शव पहुंचने पर हजारों की संख्या में ग्रामीण और रिश्तेदार इकट्ठा हो गए थे। एम्बुलेंस से शव उतरते ही परिवारवालों और ग्रामीणों आंसू छलक उठे। ग्रामीण यही बात कर रहे थे कि चारों दोस्तों में गहरी मित्रता थी। हादसे में घायल सनी का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

दुबग्गा के जेहटा गांव निवासी मोहित गौतम (24) की 13 नवंबर को शादी होनी थी। तीन दिन पहले तिलक समारोह हुआ था। गुरुवार को मोहित का शव घर पहुंचने पर मंगेतर और उसके घरवाले भी पहुंच गए। होने वाले पति का शव देखकर मंगेतर बदहवास हो गयी। जिस हाथ में 4 दिन बाद मेहंदी लगनी थी, उस लड़की के सारे अरमान खत्म हो गए। मोहित की सास और उसकी होने वाली पत्नी को वहां मौजूद महिलाएं लगातार समझाती रहीं। बड़े भाई कल्लू ने बताया कि शादी की तैयारियां जोरों पर थी। शुक्रवार से 6 दिन की एक रस्म (छटिया) शुरू होने वाली थी।

मृतक धीरेंद्र

मृतक मोहित

मृतक मोनू

परिवारवालों से मिले सपा सांसद आर के चौधरी

- जेहटा निवासी तीन दोस्तों की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद मृतकों के शव गांव पहुंचने पर मोहनलालगंज से सपा सांसद आरके चौधरी भी गांव पहुंचे। मृतकों के परिवारवालों से ढांढस बांधते हुए हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया।

मोहित अपनी पसंद की शेरवानी समेत शादी के अन्य कपड़े खरीदकर लाया था। बुधवार को मोहित बिना किसी को बताए ही दोस्तों धीरेंद्र यादव (28), मोनू कश्यप (18) और सनी के साथ दो बाइकों से औरास में आयोजित बनारसी मेला देखने निकल गया था। शाम करीब साढ़े छह बजे पुलिस ने कॉल कर हादसे की सूचना दी। मोहित सहित दो दोस्तों की मौत की खबर मिलने से परिवार में कोहराम मच गया। पिता सुरेश गौतम, मां जानकी, बहन सविता का रो रोकर बुरा हाल था। मोहित और मोनू के घर अगल-बगल हैं। मृतक धीरेंद्र का घर 10 किलोमीटर दूर है। वह पकरिया चौराहा जेहटा पर दुकान में काम करता था।

कार्तिक पूर्णिमा पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अमृत विचार, बख्शी का तालाब: कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बख्शी का तालाब अंतर्गत इन्दिरा जल सेतु, देवरी में शुक्रवार दोपहर 12 बजे भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में लोकप्रिय बिरहा कलाकार गुड्डन यादव द्वारा प्रस्तुत जवाबी बिरहा ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके साथ ही रायबरेली से आए प्रसिद्ध लोकगायक पन्ना सिंह चौहान के सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय और मनोरंजक बना दिया। मेले के संयोजक सुरेश यादव और संरक्षक राजेंद्र यादव, पूर्व विधायक, ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा स्नान मेला न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक परंपरा का भी संगम है। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान विलास यादव, राधेश्याम यादव, रामस्वरूप यादव, राम भरोसे, राजेश यादव, अवधेश यादव, अश्वनी, विनोद यादव, हरनाम यादव (बीडीसी), रामनरेश केवट मौजूद रहे।

प्रदेश के सात जिलों की सीमा पर हाई अलर्ट

बिहार चुनाव के पहले चरण के चुनाव के दिन यूपी पुलिस व अर्धसैनिक बल सीमा पर मुस्तैद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

197 एफआईआर, 209 गिरफ्तार, 24.50 लाख की शराब बरामद

- उत्तर प्रदेश पुलिस ने इस दौरान शराब व मादक पदार्थों की बिक्री करने के साथ परिवहन व तस्करी करने वालों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया। अब तक अवैध शराब के संबंध में 197 केस में 209 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई और 7409 लीटर शराब (कीमत करीब 24 लाख 50 हजार रुपये की बरामदगी की गई है। अवैध मादक पदार्थ के संबंध में चार केस में चार को गिरफ्तारी किया गया और करीब ढाई लाख रुपये की कीमत का पांच किलो मादक पदार्थ बरामद किया गया।

अमृत विचार: बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण में गुरुवार को मतदान हुआ। इस दौरान यूपी के सात जिलों की सीमा पर सुरक्षा के बंदोबस्त किये गये थे। चुनाव को लेकर सीमा पर पुलिस हाई अलर्ट पर थी। यह जानकारी आईजी कानून-व्यवस्था ने गुरुवार को दी।

उन्होंने बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जनपदों में स्थापित 94 नाका/बैरियर (51 मिरर चेकपोस्ट व सीसीटीवी सहित चेकपोस्ट-45) पर 188 एसआई, 187 हेडकांस्टेबल व 227 कांस्टेबल को तैनात किया गया है। इनकी मदद से बिहार की सीमा को सील करते हुए चेकिंग सुनिश्चित कराई जा रही है।

सभी नाका और बैरियर मतदान समाप्ति तक प्रभावी रहें। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए उत्तर प्रदेश से 40 कंपनी पीएसी के साथ आवश्यक संसाधन एवं उपकरण उपलब्ध कराये गए हैं। बिहार की सीमा से उत्तर प्रदेश राज्य के देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज, गाजीपुर, चन्दौली, बलिया एवं सोनभद्र के 40 थानों की लगभग 524 किमी सीमा लगती है। प्रथम चरण का मतदान गुरुवार को था। इस चरण में बिहार की उत्तर प्रदेश के चार जनपदों कुशीनगर, देवरिया, बलिया व गाजीपुर से लगने वाली 15 विधानसभा क्षेत्रों में सम्पन्न हो रहा है।

इसके बाद द्वितीय चरण का मतदान 11 नवंबर को होगा, तब बिहार की उत्तर प्रदेश राज्य के महराजगंज, कुशीनगर, गाजीपुर, चन्दौली व सोनभद्र से लगने वाली पांच विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होना है।

बेकाबू कार की टक्कर से मासूम की मौत

संवाददाता, बख्शी का तालाब

अमृत विचार : लखनऊ-सीतापुर हाइवे पर न्यू फौजी ढाबा के पास गुरुवार शाम बेकाबू कार ने सड़क पार कर रहे आठ वर्षीय मासूम को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बच्चा करीब दस फीट हवा में उछलकर जमीन पर गिरा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

- **टक्कर से हवा में दस फीट उछलकर गिरा तोड़ा दम**

मूल रूप से सीतापुर के खैराबाद निवासी मूलचंद्र पत्नी रिंकी के साथ बीकेटी के नन्दना के पास झोपड़ी में रहकर मजदूरी करता है। उनका बेटा कृष्ण (08) अचानक सड़क पार करने लगा, तभी तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में सिर पर गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। परिवार के एकमात्र बेटे की मौत से दंपति और तीनों बेटियां सोनी, मोनी व राधा का रो-रोकर बुरा हाल है। पिता ने अंतिम संस्कार के लिए रुपये न होने की बात कही, जिस पर पुलिसकर्मियों रचना शर्मा, अमरीश यादव और आशीष कुमार सिंह ने आर्थिक मदद की। इंस्पेक्टर बीकेटी संजय कुमार सिंह के अनुसार, आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

ट्रक का टायर फटने से बाइक से गिरी महिला, मौत

- **अमृत विचार, बख्शी का तालाब :** महिंगवा थाना क्षेत्र के पहाड़पुर-कुम्हरावां मार्ग पर सरैया के पास ओवरलोड ट्रक का टायर फटने से हादसा हो गया। पास से गुजर रहे बाइक सवार दंपति घबरा गए, जिससे महिला नीचे गिर गई और सिर में चोट लगने से उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, मड़ियांव के अल्लूनगर डिगोइया गांव निवासी रामप्रवेश पत्नी मुन्नी (38) के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। टायर फटने की आवाज से दोनों हड़बड़ा गए और मुन्नी गिर पड़ी। घायल महिला को सौ शैया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित किया। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया है।

घायल सिक्योरिटी गार्ड ने तोड़ा दम

- **अमृत विचार, लखनऊ :** काकोरी के दोना गांव के पास कार की टक्कर से घायल सिक्योरिटी गार्ड अजय कुमार यादव (32) ने दस दिन इलाज के बाद दम तोड़ दिया। मलिहाबाद के बखियार नगर निवासी अजय 27 अक्टूबर को बाइक से आलमबाग स्थित एटीएम ड्यूटी जा रहे थे, तभी रास्ते में कार की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गए। बुधवार रात उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। परिवार में पत्नी उर्मिला, दो बेटियां और एक बेटा है।

एसओ पारा के विरुद्ध प्रकीर्ण वाद का आदेश

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : अदालत के आदेश का अनुपालन न करने पर एसीजेएम अनुपम दुबे ने थानाध्यक्ष पारा के खिलाफ प्रकीर्ण वाद दर्ज करने का आदेश देते हुए मामले की सुनवाई एवं थानाध्यक्ष की उपस्थिति हेतु 17 दिसंबर की तारीख निर्धारित की है।

पत्रावली के अनुसार महिला हेड कांस्टेबल उमा पाठक ने स्वयं एवं अपनी पुत्री की ओर से पति शैलेंद्र त्रिवेदी, ससुर जयशंकर त्रिवेदी एवं सास प्रमिला त्रिवेदी के विरुद्ध 26 अक्टूबर 2018 को शिकायती वाद दायर किया था। इस शिकायती वाद में सुनवाई करते हुए तत्कालीन पीठासीन अधिकारी द्वारा 3 जून 2019 को अंतरिम आदेश पारित कर उमा पाठक को प्रतिमाह दो हजार एवं उनकी पुत्री को एक हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाने का आदेश दिया था। अदालत द्वारा आदेश पारित करने के उपरांत पति एवं ससुराल वाले न्यायालय समक्ष उपस्थित नहीं हुए, तत्पश्चात भरण-पोषण की धनराशि जब बढ़ने लगी, तब पांच फरवरी 2020 को अदालत ने पति शैलेंद्र त्रिवेदी के खिलाफ वसूली वारंट जारी करने का आदेश दिया था। यद्यपि पुलिस पति शैलेंद्र त्रिवेदी पर वसूली वारंट की तामीला न कर सकी, लेकिन इसी बीच 29 दिसंबर 2022 को उमा पाठक की एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई। उसके पश्चात इस मुकदमे की पैरवी उमा पाठक के पिता गिरीश चन्द्र पाठक कर रहे हैं। भरण पोषण की धनराशि जमा न करने व अदालत में उपस्थित न होने कारण पिछले 2 वर्ष से शैलेंद्र त्रिवेदी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंटी जारी किया जा रहा है लेकिन पारा पुलिस न तो शैलेन्द्र त्रिवेदी को गिरफ्तार कर रही है और न ही वसूली वारंट की तामीला कर रही है।

हजरतगंज क्षेत्र में मच्छरों की भरमार

अमृत विचार, लखनऊ : हजरतगंज क्षेत्र में मच्छरों का आतंक बढ़ता जा रहा है और स्थानीय लोग इसके चलते चिंतित हैं। गर्मी और बारिश के मौसम में जलजमाव और गंदगी के कारण मच्छरों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। खासकर शाम के समय लोग घर से बाहर निकलने में भी हिचकिचा रहे हैं क्योंकि मच्छरों के काटने से बच्चों और बुजुर्गों में खुजली, एलर्जी और कई बार डेंगू जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

स्थानीय निवासी पूजा शर्मा ने बताया कि रोज़ कीड़े मारने वाली दवाओं का इस्तेमाल करने के बावजूद मच्छरों की संख्या कम नहीं हो रही। उन्होंने कहा, "बच्चों को बार-बार मच्छरों ने काटा, जिससे उन्हें नींद भी नहीं आती।" स्वास्थ्य विभाग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्र में एडीज मच्छरों की निगरानी और निवारण अभियान चलाने की योजना बनाई है। विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे पानी के खुले बर्तनों को ढकें और गंदगी को समय पर नष्ट करें। क्षेत्रीय पार्षद ने भी मच्छर निवारण अभियान के तहत नियमित सफाई और दवाओं के छिड़काव का आश्वासन दिया है।

पूर्व मदरसा शिक्षक के खिलाफ जांच करेगी ईडी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **ब्रिटेन की नागरिकता हासिल कर मदरसों में कट्टरवाद के लिए जुटाए करोड़ों के फंड**

अमृत विचार: ब्रिटेन की नागरिकता प्राप्त करने वाले पूर्व मदरसा शिक्षक शमशुल हुदा खान के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जांच करेगी। टीम ने संतकबीरनगर में उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर और अन्य दस्तावेज पुलिस से मंगाए हैं। शमशुल के खातों में विदेशों से चार करोड़ रुपये से अधिक की फंडिंग आने का पता चला था।

एटीएस ने शमशुल की गतिविधियों पर संदेह होने पर जांच शुरू की थी। इसमें पता चला कि वह कई बार पाकिस्तान, अफ्रीकी देशों और अन्य देशों में गया और जम्मू-कश्मीर के संदिग्ध लोगों के संपर्क में रहा। शमशुल ने मदरसों के नाम पर विदेशी फंडिंग जुटाई और संतकबीरनगर के खलीलाबाद में निजी मदरसा भी शुरू कराया।

ईडी शमशुल के खिलाफ विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम-1999 (फेमा) के तहत केस दर्ज करने की तैयारी में है। एटीएस की जांच में यह भी सामने आया कि वर्ष 2013 में शमशुल ने ब्रिटेन की नागरिकता ली थी और वर्ष 2007 से 2017 तक पेंशन और वेतन वृद्धि प्राप्त करता रहा। शमशुल 12 जुलाई 1984 को मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत अशरफिया मुबारकपुर, आजमगढ़ में सहायक अध्यापक आलिया के पद पर नियुक्त हुआ था। वर्ष 2007 से वह ब्रिटेन में रह रहा था। उसके खिलाफ संतकबीरनगर के जिला अल्पसंख्यक अधिकारी द्वारा दर्ज एफआईआर में भी फेमा एक्ट के तहत कार्रवाई का उल्लेख है।

ईडी अब शमशुल के अन्य करीबियों और फंडिंग के स्रोतों की भी जांच कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि यह जांच मदरसों में कट्टरवाद फैलाने और गैरकानूनी तरीके से विदेशी फंडिंग जुटाने से जुड़े मामलों में की जा रही है।

सिटी डायरी

इलेक्ट्रॉनिक सिटी बसों का संचालन बंद

अमृत विचार, मोहनलालगंज : मोहनलालगंज कस्बे से दुबग्गा डिपो की इलेक्ट्रानिक सिटी बसों का संचालन अचानक बंद हो जाने से यात्रियों में रोष है। ये बसें बीते कई वर्षों से अवध हॉस्पिटल चौराह, बंगला बाजार, तेलीबाग, उतरठिया और पीजीआई होते हुए मोहनलालगंज तक आती थीं। प्रतिदिन डेढ़ दर्जन बसों से लगभग पांच हजार लोग सफर करते थे। सोमवार को उच्च अधिकारियों के आदेश के तहत परिवहन विभाग ने मोहनलालगंज तक बसों का संचालन बंद कर नगरीय क्षेत्र तक सीमित कर दिया। यात्रियों को नगर पंचायत सीमा पर उतरना पड़ता है और मोहनलालगंज आने के लिए अतिरिक्त खर्च करना पड़ रहा है। क्षेत्रीय लोग सीएम, परिवहन मंत्री और स्थानीय विधायक से बस संचालन मोहनलालगंज तक करने की मांग करेंगे। नगरीय परिवहन सेवा के एमडी आरके त्रिपाठी ने बताया कि कस्बा नगरीय सीमा से बाहर होने के कारण बस संचालन बंद किया गया है।

खड़ी इलेक्ट्रिक बस।

भागवत कथा में मौजूद भक्त।

पुलिस की गिरफ्त में फर्जी किसान।

श्रीमद भागवत कथा का समापन

अमृत विचार, काकोरी : दशहरी रायपुर ग्राम पंचायत में आयोजित पांच दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का समापन शुक्रवार को हवन और भंडारे के साथ हुआ। आस-पास के गांवों के ग्रामीणों ने कथा श्रवण के साथ भंडारे में भी भाग लिया। श्रीप्रेम मंदिर के पास ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मनोज यादव द्वारा आयोजित इस कथा में कथावाचक हेमराज यादव ने बताया कि भगवान भाव के भूखे होते हैं और जो प्राणी अपनी अंतरात्मा से उन्हें स्मरण करता है, उनकी सदा रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि भागवत कथा का श्रवण मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग है। कथा वाचन की अपनी विशेष शैली से हेमराज यादव ने ग्रामीणों को हंसाया और सच्ची भक्ति का महत्व समझाया। कथा समापन के बाद हवन यज्ञ का आयोजन किया गया और उसके बाद विशाल भंडारे में आस-पास के ग्रामीणों ने हिस्सा लिया।

फर्जी किसान मालिक बनकर जमीन की रजिस्ट्री करने वाला गिरफ्तार

अमृत विचार, मोहनलालगंज : फर्जी किसान मालिक बनकर करोड़ों की जमीन बेचने वाले जालसाज को मोहनलालगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि किसान अरुण कुमार शुक्ला, निवासी करोरा नगराम और वर्तमान में जालौन के जगम्मनपुर में रह रहे हैं, उनकी नानी गंगोत्री देवी ने 11 दिसंबर 1998 को अपनी जमीन उनके नाम वसीयत कर दी थी। 16 अप्रैल 2000 को नानी का निधन हो गया। वसीयत के आधार पर नायब तहसीलदार के आदेश पर किसान का नाम खतौनी में दर्ज किया गया।

अवसर

15 नवंबर से 5 दिसंबर तक ऑनलाइन करें आवेदन

योगी सरकार ने शुरू की अध्यापक पुरस्कार चयन प्रक्रिया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **पांच मिनट का वीडियो अपलोड करना अनिवार्य**

अमृत विचार : राज्य सरकार ने बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों के उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए राज्य अध्यापक पुरस्कार और मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार की चयन प्रक्रिया शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए शुरू कर दी है। बेसिक शिक्षा विभाग ने इस बार आवेदन की पूरी प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से कराने का निर्णय लिया है। शिक्षक 15 नवंबर से 5 दिसंबर 2025 तक आवेदन कर सकेंगे, जबकि किसी भी स्तर पर ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पांच मिनट का वीडियो अपलोड करना अनिवार्य होगा।

पहले के वर्षों में यह प्रक्रिया जून में शुरू होती थी, लेकिन इस बार समय-सारणी बदली गई है, ताकि अधिक शिक्षक इसमें भाग ले सकें। हालांकि, अंक निर्धारण और चयन के मानदंड पूर्ववत रहेंगे। संशोधित समय-सारणी के अनुसार, जिला समिति 6 से 15 दिसंबर तक प्राप्त आवेदनों की जांच कर पात्र शिक्षकों का चयन करेगी और प्रस्ताव मंडलीय समिति को भेजेगी। मंडलीय समिति 16 से 25 दिसंबर के बीच नामों का परीक्षण कर रिपोर्ट निदेशालय स्तरीय समिति को सौंपेगी। निदेशालय समिति 26 दिसंबर से 4 जनवरी 2026 तक पात्र नामों की सूची राज्य समिति को भेजेगी। राज्य स्तरीय समिति 5 से 14 जनवरी के बीच अंतिम चयन करेगी। चयनित शिक्षकों को 14 जनवरी 2026 के बाद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इस वर्ष आवेदन करने वाले शिक्षकों को अपने सभी अभिलेखों के साथ-साथ अपने उत्कृष्ट कार्यों का विवरण और पांच मिनट का वीडियो अपलोड करना अनिवार्य होगा।

जांच और सत्यापन के सख्त निर्देश

- अपर मुख्य सचिव पार्थसारथी सेन शर्मा ने सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और शिक्षा निदेशकों को निर्देश दिए हैं कि चयन प्रक्रिया निर्धारित समयसीमा में पूरी की जाए। जिला विद्यालय निरीक्षकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रस्तावित शिक्षकों के चरित्र, सामान्य ख्याति प्रमाणपत्र और पृष्ठभूमि की जांच स्थानीय अभिसूचना इकाई (एलआईयू) से कराई जाए।

अब करिए ऐतिहासिक धरोहर सतखंडा की सैर

अमृत विचार, लखनऊ : नवाबों की नगरी लखनऊ की ऐतिहासिक धरोहर सतखंडा अब पर्यटकों के लिए खोल दी गई है। लंबे समय से बंद इस लाल ईंटों से बनी संरचना को पर्यटन विभाग और पुरातत्व संरक्षण इकाई के संयुक्त प्रयासों से संरक्षित कर तैयार किया गया है। भवन की विशिष्ट स्थापत्य शैली और ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए अंदर प्रकाश व्यवस्था, मार्गदर्शन पट्टिकाएं और दर्शकों के लिए सुरक्षा बैरियर लगाए गए हैं।

सतखंडा की सैर करने पहुंचे पर्यटक।

न्यूज ब्रीफ

हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने पर प्रतियोगिता आज

उन्नाव। हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने पर उत्सव की तैयारी की जा रही है। स्पोर्ट्स स्टेडियम में 7 नवंबर को कार्यक्रम के साथ ही जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। जिला क्रीड़ाधिकारी मुकेश कुमार सब्बरवाल ने बताया कि कार्यक्रम में भारतीय हॉकी के सुनहरे 100 साल की गौरवगाथा को याद किया जाएगा। इसमें हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद्र जैसे खिलाड़ियों को नमन किया जाएगा।

क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए चयन 10 नवंबर को

उन्नाव। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के महामंत्री पीके मिश्रा ने बताया कि जालौन क्रिक्रेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर-16 राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता हेतु जिला क्रिकेट एसोसिएशन की टीम का चयन 10 नवंबर को राजा शंकर सहाय इंटर कॉलेज में होगा। पंजीकरण की अंतिम तिथि 9 नवंबर है।

दहेज हत्या के दोषी को 7 साल की सजा

उन्नाव। दहेज हत्या के मामले में कोर्ट ने अंतिम सुनवाई के बाद पति को दोषी ठहराते हुए 7 साल की सजा सुनाई है। बांगरमऊ कोतवाली पुलिस ने 9 जनवरी-2021 को क्षेत्र के अतरधनी गांव निवासी तालिब पर डीपी एक्ट में रिपोर्ट दर्ज की थी। 12 जनवरी को पुलिस ने उसे पकड़कर जेल भेजा था। सीओ गौरव त्रिपाठी ने साक्ष्य एकत्र कर 9 अप्रैल-2021 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। तभी से केस एडीजे-7 की कोर्ट में विचाराधीन था। गुरुवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने शासकीय अधिवक्ता हरीश अवस्थी की दलील व साक्ष्य के आधार पर तालिब पुत्र अब्दुल सत्तार को 7 साल की सजा सुनाई।

ट्रैक्टर चालक की मौत

उन्नाव। हरदोई जिले के माधवगंज थाना क्षेत्र के मुडिया खेड़ा गांव निवासी कृष्णा (26) पुत्र बलराम बुधवार देर रात लखनऊ से नया ट्रैक्टर लेकर बांदा जा रहा था। तभी बिहार थाना क्षेत्र के पाटन - पुरवा मार्ग पर पनहन गांव के पास के ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे गड्ढे में जाकर पलट गया। जिसके नीचे दबने से कृष्णा गंभीर घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर उसे पुरवा सीएचसी लाया गया। जहां से उसे जिला अस्पताल भेजा गया। लेकिन इलाज शुरू होने के कुछ देर में उसकी मौत हो गई।

आशा कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

बिछिया, उन्नाव। सीएचसी बिछिया परिसर में आशा कार्यकर्ताओं व संगिनियों ने गुरुवार को प्रदर्शन कर सरकार पर शोषण करने का आरोप लगाया। साथ ही मांगे पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी। आशा अध्यक्ष सुनीता ने कहा कि शासन-प्रशासन आशा कार्यकर्ताओं का शोषण कर रहा है। उन्हें कई विभागों के कामों में लगाया जाता है। मानदेय के नाम पर मात्र 2000 रुपये दिया जाता है। बीते अप्रैल से नवम्बर माह तक का मानदेय नहीं मिला है। लगातार मांग के बाद भी सरकार ध्यान नहीं दे रही है। आशाओं ने सामूहिक रूप से सीएचसी अधीक्षक डॉ. नरेंद्र कुमार को मांगपत्र सौंपा है। इसमें आशाओं का 18 व संगिनियों का 24 हजार मानदेय करने की मांग की गई। इस दौरान रोली, पुष्पा, सरिता, किरण, पूजा आदि आशाबहू मौजूद रहीं।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की गई जान

नवाबगंज। सोहरामऊ थानाक्षेत्र के जैतीपुर गांव के मजरा गणेश खेड़ा निवासी संजय (35) पुत्र जगदीश गुरुवार को खेत जाने के लिए घर से निकला था। वह गांव के बाहर से निकले लखनऊ-कानपुर रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। तभी उसकी ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर मौत हो गई। एसओ संदीप शुक्ला ने बताया कि पंचनामा भर कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सरस्वती मेडिकल कॉलेज में ईडी का छापा

नवाबगंज। फर्जी डिग्री प्रकरण को लेकर बड़ी कार्रवाई सामने आई है। सोहरामऊ थानांतर्गत टोल प्लाजा के पास स्थित सरस्वती मेडिकल कॉलेज में गुरुवार सुबह ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की टीम ने छापेमारी की। यह छापेमारी सुबह करीब 8 बजे शुरू होकर शाम तक जारी रही। ईडी के 15 अधिकारी 4 गाड़ियों से कॉलेज पहुंचे और प्राचार्य आरएन श्रीवास्तव को साथ लेकर प्रशासनिक परिसर को कब्जे में ले लिया। हालांकि, अकाउंट सहित अन्य विभाग बंद मिले और कोई जिम्मेदार मौजूद नहीं मिला। टीम रजिस्ट्रार प्रभाकर के ऑफिस में बैठी रही और एचआर धर्मेंद्र कुमार से पूछताछ करती रही। कालेज के प्रशासनिक डायरेक्टर गुलाब सिंह से जब बात की गई तो वे कुछ भी कहने से बचते रहे। इस दौरान कई कर्मचारियों के मोबाइल फोन भी जब्त किए जाने की बात सामने आई है।

गगनी खेड़ा में वृद्ध की गोली मारकर हत्या

पूर्व सभासद समेत 9 पर मुकदमा, अजीत हत्याकांड के मुख्य आरोपी के पिता को मारी गई गोली

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गगनी खेड़ा गांव में 3 माह पहले हुए अजीत हत्याकांड की रंजिश में बुधवार देररात फिर खूनी खेल हुआ। हत्या के मुख्य आरोपी अशोक निषाद के 80 वर्षीय पिता हीरालाल उर्फ मुनीम की उनके घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने पत्नी महादेई की तहरीर पर पूर्व सभासद समेत 9 के विरुद्ध हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

हीरालाल (फाइल फोटो)

हत्या के बाद बिलखती पत्नी, बेटी व अन्य। अमृत विचार

जानकारी के मुताबिक, हीरालाल उर्फ मुनीम अपनी गगनी खेड़ा गांव में रहने वाली बेटी सरला के घर पत्नी महादेई के साथ रहते थे। सरला ने बताया कि मंगलवार रात खाना खाने के बाद पिता हीरालाल आंगन में चारपाई पर सो रहे थे। इसी बीच गांव के ही सोनू निषाद, राजकुमार, जितेंद्र, महेश निषाद, गोविंद, संतोष, अमन, मंटानी और मनोज घर में घुस आए और फायरिंग कर दी। एक गोली हीरालाल के गले में लगी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। फायरिंग की आवाज सुनकर गांव में अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही डायल पुलिस, एसओजी, सर्विलांस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। रिपोर्ट में गर्दन पर गनशॉट की पुष्टि हुई और छर्रे फंसे मिले। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि मृतक की पत्नी की तहरीर पर नौ आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। छह संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मृतक के घर पर ग्रामीणों की भीड़ जुटी रही। मौके पर पहुंचे पुलिस लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस को तैनात किया गया है।

तीन माह पहले हुई थी अजीत की हत्या

31 अगस्त को गगनी खेड़ा गांव में पुरानी रंजिश के चलते फायरिंग की घटना हुई थी, जिसमें गांव के सोनू निषाद के दस वर्षीय बेटे अजीत की गोली लगने से मौत हो गई थी। पुलिस ने उस मामले में मुख्य आरोपी अशोक निषाद को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। वहीं साकेत पाल को मुठभेड़ में घायल कर पकड़ा गया था। शुभम गौतम उर्फ सत्या, धनंजय सिंह, सुनील, दीपक सविता, राकेश कनौजिया, को भी पुलिस जेल भेज चुकी है। मुख्य आरोपी अशोक अभी भी जेल में है। वहीं आरोपी अमित और सूरज ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था।

दाह संस्कार को लेकर पुलिस से हुई नोकझोंक

पोस्टमार्टम के बाद पुलिस शव को मिश्रा कॉलोनी श्मशान घाट लेकर पहुंची, जहां मृतक के दोनों बेटे अशोक और विनोद जेल में बंद होने के कारण परिजनों ने अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया। परिवार की महिलाओं ने पुलिस से तीखी नोकझोंक की और आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ जेल में बंद बेटों को बुलाने की मांग पर अड़ गईं। इसके बाद शव को लेकर परिजन घर लौट गए।

बीएसए ने 3 शिक्षकों को किया निलंबित

- 2 शिक्षामित्रों का रोका मानदेय
- बीएलओ ड्यूटी से इंकार करने पर हुई कार्रवाई

उन्नाव, अमृत विचार। बीएलओ ड्यूटी करने से मना करने पर विकास खंड सफीपुर के दो व विकास खंड मियागंज के 1 शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है। जबकि दो शिक्षामित्रों का मानदेय अगले आदेशों तक रोक दिया गया है।

खंड शिक्षाधिकारी अनीता शाह ने बताया कि विकासखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय नौबतपुर में तैनात शिक्षामित्र शिवकांती ने बीएलओ ड्यूटी लेने से मना कर दिया। प्राथमिक विद्यालय अतहा की सहायक शिक्षिका नेहा गुप्ता, उच्च प्राथमिक विद्यालय सफीपुर के सहायक शिक्षक चंद्रभूषण की ड्यूटी बीएलओ में लगाई गई थी। उन्होंने ड्यूटी लेने से मना कर दिया। कंपोजिट विद्यालय बड़ादेव बह्मना की शिक्षामित्र सुमन देवी की भारत निर्वाचन आयोग के महत्वपूर्ण मतदाता पुनरीक्षण के लिए ड्यूटी लगाई गई थी। उन्होंने भी ड्यूटी लेने से मना कर दिया। कई बार चेतावनी देने के बाद भी ड्यूटी करने से मना करते थे। एसडीएम द्वारा अवगत कराने के बाद भी आदेश की अवहेलना करने वाले सहायक शिक्षकों चंद्रभूषण, नेहा गुप्ता को निलंबित कर खंड शिक्षाधिकारी कार्यालय सफीपुर से संबद्ध कर दिया गया। जबकि शिक्षामित्र शिवकांती व सुमन देवी का मानदेय अग्रिम आदेशों तक रोकने के निर्देश दिए। साथ ही मियागंज, बांगरमऊ व फतेहपुर चौरासी बीईओ को जांच के निर्देश दिए गए हैं। बीएलओ ड्यूटी न लेने पर विकासखंड मियागंज के प्राथमिक विद्यालय केशवपुर के शिक्षक गोविंद गोपाल को भी निलंबित किया गया है।

साले ने परिजनों के साथ मिलकर बहनोई को पीट-पीटकर मार डाला

संवाददाता, उन्नाव

- पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर शुरू की कार्रवाई
- आरोप है कि नशे में ससुराल पहुंच कर युवक ने की थी अभद्रता

अमृत विचार। अचलगंज थानाक्षेत्र के बड़ौरा गांव में आपसी विवाद में एक युवक की उसके साले ने बेटे के साथ मिलकर पीट-पीटकर हत्या कर दी। पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने कार्रवाई शुरू की है।

बता दें कि बड़ौरा गांव निवासी नारेंद्र उर्फ लाला (45) पुत्र रामलाल ने गांव की सजातीय युवती से 18 साल पहले शादी की थी। इसके बाद वह पत्नी के साथ लखनऊ में रह रहा था। मामला शांत होने पर वह गांव लौट आया। बताते हैं कि वह शराब का लती व अपराधी प्रवृत्ति का था। गुरुवार दोपहर वह ससुराल पहुंचा जहां रुपए के लेनदेने को लेकर उसकी साले गंगाराम पुत्र बद्री से कहासुनी हो गई। आरोप है कि उसने साले की पत्नी से अभद्रता करते हुए मारपीट की। इससे गुस्साए गंगाराम

ने परिजनों की मदद से उसे घर के बाहर बरामदे में खंभे से बांध दिया। जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। हालांकि, अमृत विचार ऐसे किसी भी वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

उधर, गंगाराम उसके बेटे कमलेश व अन्य लोगों ने नारेंद्र की जमकर लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। उसकी हालत बिगड़ने पर लोगों ने उसे किसी तरह छुड़ाया। पीआरवी व एंबुलेंस से उसे बिछिया सीएचसी लाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताते हैं कि ससुराल वाले ही उसे सीएचसी लाए थे। लेकिन उसकी मौत होने पर सभी मौके से भाग निकले।

एसओ राजेश पाठक ने जांच कर शव मोर्चरी भेजा और गांव पहुंच कर घटना स्थल की जांच कर लोगों के बयान दर्ज किए। लोगों में चर्चा है कि गंगाराम की जमीन एक्सप्रेस-वे निर्माण में गई थी। इसका उसे मुआवजा मिला था। इससे नारेंद्र साले से रुपये मांगता था। पति की मौत से पत्नी नन्ही, बेटा नितिन व बेटी संगीता बेहाल हैं। सीओ मधुपनाथ मिश्रा ने बताया कि युवक की हत्या हुई है।0 पत्नी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर हत्या के कारणों की जांच की जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगाई गई है।

बाइक और स्कूटी में हुई टक्कर, युवतियों ने युवकों को जड़े थप्पड़

शुक्लागंज। बुधवार देररात फोरलेन स्थित अंबिकापुरम के पास बाइक व स्कूटी की टक्कर हो गई। इसके बाद गुस्साई युवतियों ने बाइक सवार दो युवकों को पीट दिया। घटना का वीडियो किसी ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस ने युवतियों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रात करीब दस बजे मगरवारा से दो युवतियां स्कूटी पर सवार होकर शुक्लागंज की ओर आ रही थीं। तभी पीछे से आ रहे बाइक सवार युवकों ने स्कूटी में टक्कर मार दी, जिससे दोनों वाहन गिर गए। टक्कर के बाद हुई नोकझोंक में युवतियों ने दोनों युवकों को थप्पड़ जड़ दिए। राहगीरों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। वायरल वीडियो की पुष्टि 'आपका अमृत विचार अखबार' नहीं करता है। पुलिस ने बाइक के नंबर के आधार पर युवकों की तलाश शुरू कर दी है।

कार की टक्कर से युवक की गई जान

नवाबगंज, उन्नाव, अमृत विचार। शहर से मजदूरी कर लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में चीखपुकार मच गई।

मीनू (फाइल फोटो)

अजगैन कोतवाली क्षेत्र के मकूर गांव निवासी मीनू (35) पुत्र स्व. रामऔतार मजदूरी करता था। बुधवार रात वह उन्नाव से काम कर लौट रहा था। तभी गांव से 1 किमी पहले अजगैन-मोहान मार्ग पर तेज रफ्तार कार ने उसकी साइकिल में टक्कर मार दी। सड़क पर गिरने से वह कार के पहिए के नीचे आ गया और उसकी साइकिल भी चकनाचूर हो गई। राहगीरों की सूचना पर परिजन उसे सीएचसी लाए जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी खबर मिलते ही मां शिव देवी बेहाल हो गई। भाई लाखन ने बताया कि मीनू 5 भाइयों सूघड़, लाखन, बद्री व साहबलाल में छोटा था। इसमें साहबलाल की भी बाराबंकी में सड़क हादसे में जान चली गई थी। भाई ने बताया कि मीनू की शादी हुई थी। लेकिन 7 साल पहले उसकी पत्नी बेटी गुड़िया को ससुराल में छोड़कर मायके चली गई थी। बाद में आपसी रजामंदी से दोनों ने संबंध विच्छेद किए थे। पिता की मौत से बेटी भी बेहाल है। एसएचओ सुरेश सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा गया है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक्सप्रेस-वे से नीचे पलटी बस, 20 यात्री घायल

हसनगंज। बुधवार देररात आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर बड़ा सड़क हादसा हो गया। यात्रियों से भरी एक डबल डेकर बस गोभी लदे लोडर से टकराकर अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए एक्सप्रेस-वे के नीचे पलट गई। हादसे में 20 यात्री गंभीर घायल हो गए।

दिल्ली से बनारस जा रही डबल डेकर स्लीपर बस तेज रफ्तार में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से जा रही थी। तभी सामने चल रही एक गोभी लदी लोडर अचानक धीमी हो गई। रफ्तार तेज होने से बस चालक वाहन को नियंत्रित नहीं कर सका और पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए नीचे जा गिरी। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, यूपीडा कर्मी व एंबुलेंस टीम मौके पर पहुंची और खिड़कियां तोड़कर यात्रियों को बस से बाहर निकाला और घायलों को तत्काल सीएचसी औरास भेजा गया। जहां से गंभीर घायल यात्रियों को लखनऊ के लोकबंधु अस्पताल रेफर किया गया। बस यात्री लखनऊ, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, अंबेडकरनगर व जौनपुर के बताए जा रहे हैं। घायल यात्रियों में कई महिलाएं व बच्चे भी हैं। यात्रियों ने बताया कि हादसे से ठीक पहले चालक मोबाइल पर बात कर रहा था और वाहन की रफ्तार काफी तेज थी। घटना की सूचना पर सीओ हसनगंज अरविंद चौरसिया व थाना पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने राहत-बचाव कार्य कर ट्रैफिक को सुचारु कराया।

अनियंत्रित होकर दुकान में घुसी ट्रेलर चेचिस, चालक घायल

शिवगढ़, रायबरेली

अमृत विचार। शिवगढ़ थाना थाना क्षेत्र के बांदा-बहराइच राजमार्ग पर स्थित कुम्भी में ट्रेलर की नई चेचिस इंजन अनियंत्रित होकर शीशम के पेड़ को उखाड़ते हुए पुलिया पर चढ़कर परचून की दुकान में घुस गया। रामविशाल त्रिवेदी के पुत्र दुकानदार दीपू त्रिवेदी ने बताया कि शाम को अचानक ट्रेलर अनियंत्रित होकर शीशम के पेड़ में टकराने के बाद पुलिया पर चढ़कर उनकी दुकान में घुस गया। हादसे में उनके चाचा शिवशरन त्रिवेदी की गाय घायल हो गई। पुलिस ने घायल ड्राइवर को सीएचसी पहुंचाया। पुलिस के अनुसार ड्राइवर अनिल कुमार निवासी थाना जैदपुर जनपद बाराबंकी का बताया जा रहा है। इमरजेंसी ड्यूटी में तैनात चिकित्साधिकारी डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि ड्राइवर को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

ट्रैक्टर से टकरा कर बाइक सवार युवक की मौत, कोहराम

संवाददाता, अमावां (रायबरेली)

- मिल एरिया थाना क्षेत्र में रायबरेली-महाराजगंज रोड पर हुई मार्ग दुर्घटना

अमृत विचार। मिल एरिया थाना क्षेत्र में रायबरेली-महाराजगंज रोड पर बुधवार की रात एक बाइक सवार सड़क के किनारे खड़े ट्रैक्टर से भिड़ गया। घटना में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। चिकित्सक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम में भेज दिया है।

अमन पांडे की फाइल फोटो।

मिल एरिया थाना क्षेत्र पूरे काजी मजरे परिगवां गांव निवासी अमन पांडे (32) पुत्र लाल जी बुधवार की रात रायबरेली से वापस अपने घर लौट रहा था। तभी रायबरेली-महाराजगंज रोड पर नौ बजे शारदा नहर पुल के पास विपरीत दिशा से आए किसी वाहन की लाइट से आंखों की चकाचौंध से सड़क के किनारे खड़े ट्रैक्टर से बाइक सवार अमन पांडे टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया। रोड से गुजरे लोगों ने घायल अमन पांडे को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां जिला अस्पताल में उपचार के दौरान चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम में भेज दिया है। इस संबंध में इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह ने बताया कि सड़क के किनारे खड़े ट्रैक्टर से बाइक सवार टकरा गया था। जिसकी जिला अस्पताल में मौत हो गई है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पीड़ित परिजनों से तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्कूली बस से टकराई बाइक, बालिका घायल

महराजगंज, रायबरेली, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के मोन स्थित पानी टंकी के पास कुशमहुरा गांव की तरफ छात्रों को छोड़ने जा रही एक स्कूली बस से मऊ की ओर से आ रहे बाइक सवार सराय दुरौली टिकैत नगर बाराबंकी निवासी विमल की टक्कर हो गई। दुर्घटना में बाइक पर बैठी युवक की 18 वर्षीय बहन कुमकुम घायल हो गई। ग्रामीणों की मदद से उसे सीएचसी पहुंचाया गया, जहां से चिकित्सक ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इस संबंध में कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। तहरीर आने पर कार्रवाई की जाएगी।

आखिरी बार मिलने के बहाने प्रेमिका को बुलाकर बांका से काट डाला गला

प्रेम में मिली बेवफाई से दुखी था प्रेमी राजू, 24 घंटे के अंदर हत्यारोपी गिरफ्तार

संवाददाता, बछरावां (रायबरेली)

अमृत विचार Follow UP

अमृत विचार। प्यार में सबकुछ दांव पर लगाना तो सुना होगा, लेकिन जिससे बेपनाह मुहब्बत हो उसकी बेरहमी से हत्या यदा कदा ही सामने मामला आया होगा। बछरावां थाना क्षेत्र में कुछ ऐसा ही सामने आया है। प्रेमिका की बेवफाई से नाराज होकर प्रेमी ने आखिरी बार मिलने के बहाने बुलाकर उसकी बांका से काटकर निर्ममता से हत्या कर दिया। बछरावां पुलिस ने मात्र 24 घंटे के अंदर ब्लाइंड मर्डर का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने आरोपी प्रेमी को हत्या में प्रयोग किए गए हथियार के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

थाना बछरावां क्षेत्र अंतर्गत शेखपुर समोधा गांव के पास पांच नवंबर 2025 को धान के खेत में एक महिला का सिर कटा शव मिलने से हड़कंप मच गया था। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी निरीक्षक बछरावां मय फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस के अनुसार मृतक महिला की पहचान सोनी (उम्र करीब 25 से 30 वर्ष) पत्नी गुरु प्रसाद ग्राम इचौली थाना बछरावां के रूप में की गई थी। मृत्यु का सही कारण ज्ञात करने हेतु शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मृतका की माता द्वारा मृतका के पति पर हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए दी गई तहरीर के आधार पर स्थानीय थाने में मुकदमा अपराध संख्या 583/2025 धारा 103(1), 238(A) बीएनएस बनाम गुरु प्रसाद (पति) अभियोग पंजीकृत किया गया था।

विवेचना के क्रम में महिला व राजू पासी पुत्र कल्लू निवासी सिक्का खेड़ा थाना बछरावां के मध्य प्रेम प्रसंग होने के तथ्य प्रकाश में आए। साक्ष्य संकलन, बयानों के आधार पर राजू पासी पुत्र कल्लू निवासी सिक्का खेड़ा थाना बछरावां को आलाकत्ल एक अदद बांका के साथ थाना

महिला की हत्या के आरोप में पकड़ा गया प्रेमी राजू। अमृत विचार

क्षेत्र के झारखंडेश्वर मंदिर रोड के पास से गिरफ्तार किया गया। जिसके विरुद्ध थाना स्थानीय पर विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान अभियुक्त राजू पासी उपरोक्त द्वारा बताया गया कि उसके और महिला के मध्य प्रेम प्रसंग था तथा महिला ने उससे शादी करने का वादा किया था।

राजू उपरोक्त को आशंका हुई की महिला द्वारा अब किसी और से बात की जाने लगी है, तथा उसे धोखा दिया जा रहा है और उसके द्वारा जब महिला से पुनः शादी करने को कहा गया तो वह मना करने लगी और मुकदमा लिखवाकर राजू को जेल भेजने की धमकी देती थी। इसी बात को लेकर अभियुक्त राजू ने महिला को आखिरी बार मिलने के लिए बुलाया और बांका से गर्दन पर कई बार वार किया। जिससे उसकी मृत्यु हो गई तथा शव को धान के खेत में फेंक दिया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने में प्रभारी निरीक्षक राजीव सिंह, उपनिरीक्षक हरिमोहन सिंह, आरक्षी शिवचरण, आरक्षी सुरजीत, आरक्षी आशीष यादव, महिला आरक्षी रेनू देवी की महती भूमिका रही।

ठेकेदार और यात्रियों के बीच कहासुनी का वीडियो वायरल

बछरावां, रायबरेली। थाना क्षेत्र के कस्बा अंतर्गत लखनऊ-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित बछरावां रेलवे स्टेशन परिसर में पार्किंग ठेकेदार की दबंगई एवं यात्रियों के साथ गरमा गरम बहस का एक वीडियो बड़ी तेजी के साथ सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

वायरल वीडियो के विषय में जब पड़ताल की गई, तो यह पता चला कि उक्त वायरल वीडियो बीते मंगलवार की देर शाम का है। गंगा स्नान के लिए गंगा गोमती ट्रेन से प्रयागराज जा रहे कुछ यात्रियों से पार्किंग ठेकेदार की गरमा गरम बहस हो गई। उक्त यात्री जो अपने निजी ई-रिक्शा से अपने गांव से स्टेशन पहुंचे थे।

उनका ई रिक्शा स्टेशन परिसर में जैसे ही दाखिल हुआ वैसे ही ठेकेदार ने उनसे पार्किंग का चार्ज मांगना शुरू कर दिया। जिस पर यात्रियों ने ठेकेदार के ऊपर अवैध वसूली करने का आरोप लगाते हुए विरोध किया। वायरल वीडियो के दौरान यात्रियों का कहना है कि यह उनका निजी ई-रिक्शा था, वह किसी भाड़े पर नहीं लेकर आए थे और न ही वह पार्किंग परिसर में उसे खड़ा कर रहे थे।

नाली के विवाद में दो पक्षों में खूनी संघर्ष, 13 लोग घायल

संवाददाता, महराजगंज (रायबरेली)

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के जिहवा गांव में नाली को लेकर दो पक्षों में विवाद इतना बढ़ गया कि लाठी-डंडों और कुल्हाड़ियों से हमला हो गया। घटना में एक पक्ष के आठ, जबकि दूसरे पक्ष के पांच लोग घायल हो गए।इसमें दो लोगों को हालत नाजुक देख सीएचसी से चिकित्सक ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

गांव में नाली को लेकर पूर्व में भी कई बार विवाद हो चुका है लेकिन प्रशासन द्वारा कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कदम न उठाए जाने के कारण एक बार फिर सुबह पानी निकलने को लेकर दो पक्षों में जमकर खूनी संघर्ष हुआ। एक पक्ष से राम सजीवन पुत्र राम मनोहर, संत सेवक पुत्र राम मनोहर ,संतलाल पुत्र रतिपाल, सुनीता पत्नी राम सजीवन शांति देवी पत्नी संतलाल, प्रियंका पुत्री राम सजीवन, रतिपाल पुत्र महावीर, राम दुलारी पत्नी रतिपाल, दूसरे पक्ष से शत्रोहन पुत्र रामप्रसाद ,आशीष पुत्र शत्रुहन, कृष्णावती पत्नी शत्रुहन, शशि पुत्री शत्रुहन, शिवानी पुत्री शत्रुहन्त्र ,सहित कुल 13 लोग घायल हो गए। इसमें रती पाल पुत्र महावीर व राम दुलारी पत्नी रतिपाल की हालत नाजुक देख चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव का कहना है कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस बल भेजकर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाकर मेडिकल परीक्षण कराया गया। दोनों पक्षों से तहरीर मिलते ही मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

पैसे को लेकर भाइयों में हुई मारपीट

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के शोभवापुर गांव में पैसे के लेनदेन को लेकर दो सगे भाइयों में मारपीट हो गई। मोहम्मद मोबीन पुत्र इकबाल ने लालगंज पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि पैसे को लेकर उसके सगे भाई मुकीम उर्फ फत्ते ने उसे फंटी से मारा है और सिर पर ईंटा मार दिया है जिससे उसे चोट आई है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। उप निरीक्षक निखिल यादव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 7 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : गुरुवार की भोर ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। सुबह उधर से गुजरे लोगों ने शव देख पुलिस को सूचना दी। गुरुवार सुबह लोनीकटरा थाना क्षेत्र में ग्राम लदाई का पुरवा के पास से गुजर रहे लोगों ने लाइन के पास शव पड़ा देखा। पुलिस मौके पर पहुंची और पहचान के प्रयास शुरू किए। इसी बीच खबर पाकर ग्रामीण भी वहां एकत्र हो गए। शव की पहचान कमलेश कुमार (34) पुत्र स्व. नंदलाल के रूप में की गई। परिजनों ने बताया कि कमलेश मानसिक रूप से बीमार चल रहा था।

घरेलू विवाद में महिला समेत दो लोगों की पिटाई

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : मुरारपुर शाहपुर में घरेलू विवाद को लेकर रविवार रात एक परिवार पर हमला कर दिया गया। पीड़ित संजय शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि आलोक सिंह उर्फ दिवाकर सिंह, लालबाबू सिंह व आलोक सिंह की मां दरवाजे पर आकर गाली-गलौज करने लगे और लाठी-डंडों से मारपीट की। जब लक्ष्मी शर्मा बीच-बचाव करने पहुंची तो उसे भी पीटा गया। घटना के बाद आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एसबीआई ने कब्जे में लिया जमीन व मकान

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : एसबीआई देवा शाखा ने कर्ज की अदायगी न करने पर सलारपुर निवासी हरेंद्र बहादुर सिंह की संपत्ति अपने कब्जे में ले ली है। बैंक के अनुसार उधारकर्ता पर 40,62,686 रुपये की बकाया राशि थी। बैंक ने 31 अगस्त 2025 को नोटिस जारी कर 60 दिन के भीतर भुगतान करने का निर्देश दिया था, लेकिन राशि जमा न होने पर 6 नवम्बर को कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की गई। कब्जे में ली गई संपत्ति ग्राम सलारपुर, परगना की भूमि और उस पर बने भवन से संबंधित है, जिसका क्षेत्रफल लगभग 15,269 वर्गफुट है। बैंक ने नोटिस चस्पा कर लोगों को चेतावनी दी है कि उक्त संपत्ति से किसी भी प्रकार का लेनदेन न करें, क्योंकि अब यह भारतीय स्टेट बैंक के अधिकार में है।

फार्मर रजिस्ट्री में तेजी लाने के निर्देश

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : फार्मर रजिस्ट्रीकरण कार्य में तेजी लाने के उद्देश्य से उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह की अध्यक्षता में तहसील सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक का संयोजन तहसीलदार बालेन्दु भूषण वर्मा ने किया, जिसमें खंड विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान और उचित दर विक्रेता शामिल हुए। उपजिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि फार्मर रजिस्ट्री का कार्य निर्धारित लक्ष्य के अनुसार शीघ्र पूरा किया जाए।

महिलाओं की शिकायतों पर तत्परता से हो कार्रवाई

राज्य महिला आयोग सदस्य अंजू प्रजापति ने सुनीं समस्याएं, कस्तूरबा विद्यालय हरख का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : राज्य महिला आयोग की सदस्य अंजू प्रजापति ने गुरुवार को जिले का दौरा कर महिलाओं की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने सबसे पहले कस्तूरबा विद्यालय, हरख का निरीक्षण किया और छात्राओं से संवाद किया। शिक्षण कार्य व विद्यालय की व्यवस्थाओं पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। इसके बाद डीआरडीए सभागार में आयोजित जनसुनवाई के दौरान उन्होंने महिलाओं की समस्याओं को सुना। इस दौरान उन्हें 10 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिन पर तत्काल समाधान के निर्देश दिए गए। अंजू प्रजापति ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं और बालिकाओं को त्वरित न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी भी महिला या बालिका को न्याय के लिए भटकना न पड़े, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान के लिए 1090 और 181 हेल्पलाइन नंबर संचालित किए जा रहे हैं। महिलाएं किसी भी प्रकार की परेशानी या उत्पीड़न की स्थिति में इन टोल-फ्री नंबरों पर शिकायत दर्ज करा सकती हैं। यदि समय से न्याय न मिले तो राज्य महिला आयोग सीधे हस्तक्षेप कर पीड़िताओं को न्याय दिलाएगा।

महिला की शिकायत सुनतीं राज्य महिला आयोग की सदस्य। ● अमृत विचार

छात्राओं की प्रतिभा देख दी शाबाशी

बाराबंकी, अमृत विचार : राज्य महिला आयोग की सदस्या अंजू प्रजापति ने गुरुवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, हरख का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कक्षा 6, 7 और 8 की छात्राओं से पठन-पाठन संबंधी जानकारी ली और विद्यालय में चल रही स्मार्ट क्लास व टीएलएम स्टॉल का अवलोकन किया। छात्राओं का बेहतर प्रदर्शन देखकर उन्होंने शाबाशी दी। इस मौके पर बीईओ फिजा मिर्जा, वार्डेन अंकिता वर्मा, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) राज कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर संगम कुमार, एसीएमओ डॉ. डी.के. श्रीवास्तव, बाल संरक्षण अधिकारी हरीश मोहन पांडेय, महिला थानाध्यक्ष मुन्नी सिंह एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कोतवाली रामसनेहीघाट का औचक निरीक्षण : राज्य महिला आयोग की सदस्य अंजू प्रजापति ने गुरुवार को कोतवाली रामसनेहीघाट का दौरा कर महिला सुरक्षा और थाने की कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया। उन्होंने महिला हेल्प डेस्क, शिकायत रजिस्टर और आगंतुक रजिस्टरों की जांच की और फरियादियों से बातचीत कर उनकी संतुष्टि का आकलन किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की शिकायतों पर तुरंत और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की जानी चाहिए।

इंटरसिटी एक्सप्रेस के पहिये से धुआं निकलने पर हड़कंप

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : गोण्डा से लखनऊ जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन के पहियों से अचानक धुआं उठने पर यात्रियों में हड़कंप मच गया। चेन पुलिंग होने पर चालक ने ट्रेन रोक दी। वहीं डर के मारे यात्री उतरकर दूर खड़े गए। हालांकि पहियों में चिपके ब्रेक शू को अलग कर ट्रेन को रवाना कर दिया गया।

गोरखपुर से लखनऊ जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस गुरुवार को गोंडा स्टेशन से लखनऊ की ओर जा रही थी। ट्रेन अभी बुढ़वल रेलवे स्टेशन के पास रामनगर-फ़तेहपुर मार्ग पर बने ओवरब्रिज के निकट पहुंची ही थी कि अचानक पहियों के पास के पास धुआं उठने लगा। धुआं देख किसी यात्री ने चेन पुलिंग कर दी। इस पर चालक ने ट्रेन को रोक दिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे रेलकर्मियों ने पहिये में चिपके ब्रेक शू को ठीक किया, तब तक बड़ी संख्या में यात्री उतकर नीचे आ गए थे। खराबी दूर होने के बाद ट्रेन लखनऊ के लिए रवाना हो गई।

ट्रेन से नीचे उतरे यात्री।

व्यापारी की पिटाई कर नकदी मोबाइल छीना

बाराबंकी, अमृत विचार : शहर में बुधवार की शाम दुकान बंद कर घर लौट रहे सब्जी व्यापारी समेत दो को पिटाई कर नकदी व मोबाइल छीन लिया गया। आरोप आटो सवार लोगों पर लगाते हुए पुलिस से शिकायत की गई है।

बढ़ियन टोला कटरा बारादरी निवासी मोहम्मद इकराम की पल्हरी चौराहे पर सब्जी की दुकान है। उसने पुलिस को बताया कि 5 नवंबर की देर रात वे दोस्त नफीस के साथ दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। जब वे गुलिस्तान शेर कॉलोनी पहुंचे, तभी करीब 8-10 लोग ऑटो खड़ा कर रास्ता बंद करते दिखे। रास्ता देने को लेकर कहासुनी हुई और बदमाशों ने दोनों पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। बदमाशों ने इकराम का मोबाइल फोन, दुकान की चाबी और नफीस की जेब से करीब 12 से 15 हजार रुपये नकद लूट लिए और ऑटो में बैठकर फरार हो गए। घायल इकराम ने बताया कि वह मंडी चौकी पहुंचे, लेकिन वहां सुनवाई नहीं हुई। पीड़ितों ने रात में जिला अस्पताल में उपचार कराया और गुरुवार सुबह नगर कोतवाली में तहरीर दी।

सगाई से दो दिन पूर्व युवती प्रेमी संग फरार

बाराबंकी, अमृत विचार : सगाई से दो दिन पहले युवती प्रेमी संग फरार हो गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है। मामला थाना सतरिख क्षेत्र का है। एक व्यक्ति ने आरोप लगाया कि रंजीत कुमार यादव 4 नवंबर को उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर कहीं ले गया। परिजनों ने युवती की काफी खोजबीन की लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। बताया कि बेटी की सगाई 7 नवंबर को और शादी 9 मार्च 2026 को तय थी। आरोप है कि आरोपी दबंग प्रवृत्ति का है, जिससे अप्रिय घटना की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस मुठभेड़ में शातिर गिरफ्तार

- शहर कोतवाली के बाहर खड़ी सिपाही की बाइक चुरायी थी

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : शहर कोतवाली के बाहर खड़ी सिपाही की बाइक चोरी करने वाले शातिर को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के हाथ इसका एक साथी भी लगा है। इन शातिरों ने चोरी की बाइक का एक लूट की घटना में इस्तेमाल किया था।

शहर कोतवाली पुलिस, स्वाट व सर्विलांस टीम की कार्रवाई सोमैया नगर के पास हुई। पुलिस गश्त कर रही थी। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। शुगर मिल के पास बाइक गिर गई। भागने के प्रयास में बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी। घायल बदमाश की पहचान रघुवीर पाण्डेय के रूप में हुई। दूसरे बदमाश का नाम अजय दीक्षित है।

मुठभेड़ में घायल आरोपी। ● अमृत विचार

ई-रिक्शा पलटने से एक की मौत

सूरतगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : क्षमता से अधिक भार लादकर जा रहा ई-रिक्शा पलट गया। जिसके नीचे दबकर एक व्यक्ति की मौत हो गई, वहीं चालक मौके से फरार हो गया। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के हेतमापुर निवासी नईम के बेटे की शादी 18 नवंबर को है। वह गुरुवार को सूरतगंज से किराने का सामान ई-रिक्शा पर लेकर घर आ रहा था। ई-रिक्शा सुंदरनगर तटबंध चढ़ते ही पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा के नीचे दबकर नईम की मौके पर मौत हो गई। वहीं हादसे के बाद ई-रिक्शा चालक मौके से फरार हो गया। वाहन सूरतगंज का बताया जा रहा।

अदालत के लगा रहे चक्कर, दो साल बाद भी अधर में न्याय

संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : चाचा हमेशा अपने भतीजे के साथ एक मित्र की तरह पेश आते हैं। वह उनकी बातों को समझते हैं, उन्हें मार्गदर्शन देते हैं और हर पल उनके साथ होते हैं, पर चाचा सुमित सालों से उदास है। चेहरे पर न शिकन न मुस्कराहट। दबे मन से यही कहते हैं कुशाग्र मेरा भतीजा भले आज इस दुनिया में नहीं, पर वो मेरे आंखों के सामने हैं। और वो अपनी पीड़ा बयां नहीं कर पा रहा, मैं उससे यही कहता हूं कि जब तक तुम्हारे कातिलों को फांसी नहीं दिलवा दूंगा, तब तक मैं चैन की नींद नहीं सोऊंगा। कानपुर के रायपुरवा थाना क्षेत्र में दो वर्ष पूर्व 30 अक्टूबर 2023 की शाम जो वारदात हुई, उसने न सिर्फ एक परिवार की दुनिया उजाड़ी बल्कि पूरे परिवार की आत्मा को हिलाकर रख दिया। जयपुरिया स्कूल में पढ़ने वाला 11वीं का शांत स्वभाव का छात्र कुशाग्र को तीन बेरहम आरोपियों ने चंद पैसों की लालच में मौत के घाट उतार दिया। इससे कुशाग्र के पिता मनीष कनोडिया सदमे में परिवार समेत सूरत शिफ्ट हो गए। चाचा सुमित भाई-परिवार को संभालते हुए लगातार अदालतों के चक्कर लगा रहे हैं। मनीष बताते हैं कि हमारा बेटा हमसे छिन गया, अब अदालत से फैसले की उम्मीद है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट आदेश दिया था कि इस प्रकरण का एक वर्ष भीतर निस्तारण किया जाए। लेकिन न्यायिक प्रक्रिया की सुस्ती के चलते तारीख पर तारीख मिल रही, पर न्याय की अंतिम सीढ़ी नहीं मिल रही। हर तारीख इंसाफ की उम्मीद लेकर आती हैं। वे कहते हैं कि दो साल बीत चुके हैं, कारोबार संकट में है। मानसिक स्थिति खराब है और हर पेशी पर सूरत से कानपुर आना किसी दंड से कम नहीं। कुशाग्र तो वापस नहीं आएगा, लेकिन उसके हत्यारों को फांसी मिलनी ही चाहिए, ताकि कोई और बच्चा ऐसे दरिंदों की हैवानियत का शिकार न बने।

राहुल प्रकरण में सुनवाई 17 को

सुलतानपुर, अमृत विचार : केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि के मामले में गुरुवार को सुनवाई नहीं हो सकी। बार संघ के शोक प्रस्ताव के कारण कार्यवाही स्थगित कर दी गई। परिवादी पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया कि गवाह रामचंद्र दूबे अदालत में हाजिर हुए थे, लेकिन शोक प्रस्ताव के चलते उनकी गवाही दर्ज नहीं हो पाई। इस पर एमपी-एमएलए कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने अगली सुनवाई की तारीख 17 नवम्बर निर्धारित की है। यह मामला वर्ष 2018 का है, जब 4 अगस्त को परिवादी भाजपा नेता विजय मिश्र ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का वाद दायर किया था।

दंपति पर हत्या का मुकदमा दर्ज

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के बनी गांव के एक बाग में युवक का शव मिलने के मामले में पड़ोस में रहने वाले दंपति के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। बताते चलें कि एक दिन पूर्व बनी गांव स्थित सागौन के बाग में गांव के ही 35 वर्षीय पेशकार रावत का शव मिला था। मौके पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस के सामने कुछ दिन पूर्व हुए विवाद को लेकर हत्या की आशंका जताई थी। भाई सुशील रावत ने पड़ोस में रहने वाले संजू रावत और उसकी पत्नी पर हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। कहा कि दो माह पहले पड़ोसी से विवाद हुआ था, उसी रंजिश में भाई की गला घोंटकर हत्या की गई। बुधवार सुबह उसका शव लाल गमछे से बंधा मिला था। कोतवाल अंकित त्रिपाठी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

नामचीन कलाकारों को लाने की तैयारी

महादेवा महोत्सव

संवाददाता, रामनगर, बाराबंकी

अमृत विचार : लोधेश्वर महादेवा में 17 नवंबर से शुरू होने वाले महादेवा महोत्सव को भव्य स्वरूप देने के लिए प्रशासन पूरी तैयारी में जुट गया है।

डीएम शशांक त्रिपाठी के निर्देशन में मेला प्रशासन द्वारा प्रख्यात कवि, बॉलीवुड व भोजपुरी के नामचीन कलाकारों से संपर्क साधा जा रहा है। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गुंजिता अग्रवाल, तहसीलदार विपुल कुमार और नायब तहसीलदार विजय प्रकाश तिवारी महोत्सव की तैयारियों में तन्मयता से जुटे हैं। महोत्सव में चार दिनों तक वॉलीबॉल, कबड्डी और दंगल जैसी क्रीड़ा प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिसमें अंतरराष्ट्रीय पहलवानों के आने की संभावना है। कवि सम्मेलन में अनामिका अंबर और विष्णु सक्सेना जैसे चर्चित कवियों से संपर्क किया गया है, वहीं भोजपुरी सितारे अक्षरा सिंह, शिल्पी राज और समर सिंह के नामों पर भी चर्चा चल रही है। शांतनु महाराज और सत्यम के कार्यक्रमों पर भी विचार किया जा रहा है।

बैठक में दिशा निर्देश देतीं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गुंजिता अग्रवाल। ● अमृत विचार

आरपीएफ के 2 सब इंस्पेक्टर और सिपाही निलंबित

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार : रेलवे सुरक्षा बल की हिरासत में हुई युवक की मौत के मामले में 2 आरोपी सब इंस्पेक्टर व एक सिपाही समेत 3 को निलंबित कर दिया गया है। परिजनों की शिकायत पर हत्या की एफआईआर दर्ज होने के बाद रेल अफसरों ने यह कार्रवाई की है। निलंबित पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर करते हुए गोंडा पोस्ट से कार्यमुक्त कर दिया गया है।

मोतीगंज थाना क्षेत्र के किनकी गांव के रहने वाले संजय सोनकर की मंगलवार की शाम आरपीएफ की हिरासत में मौत हो गयी थी। मृतक के परिजनों ने इस मामले में आरपीएफ के सब इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार, करण सिंह यादव तथा कांस्टेबल अमित कुमार यादव पर संजय की पिटाई करने और थर्ड डिग्री देने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया था। मामले में मृतक के भाई राजू सोनकर की तरफ से बुधवार की देर शाम नगर कोतवाली में तीनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज करायी गयी थी। रेलवे सुरक्षा बल के प्रभारी निरीक्षक अनिरुद्ध राय ने बृहस्पतिवार को बताया कि एफआईआर दर्ज होने के बाद आरोपी सब इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार, करण सिंह यादव तथा कांस्टेबल अमित कुमार यादव को विभाग के उच्च अधिकारियों ने निलंबित कर दिया है।

सिटी डायरी

बैठक करतीं जिला जज। अमृत विचार

लोक अदालत को लेकर बैठक, प्रचार-प्रसार पर जोर

बाराबंकी : अमृत विचार : राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 13 दिसंबर को सफल बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष प्रतिमा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में प्रशासनिक भवन स्थित मीटिंग हाल में विचार-विमर्श बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जनपद न्यायाधीश राकेश कुमार सिंह (नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत) और अपर जनपद न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्रीकृष्ण चन्द्र सिंह सहित विभिन्न विभागों, बैंकों और बीमा कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बीईओ का स्वागत करते एआरपी। अमृत विचार

नवागत बीईओ का किया गया स्वागत

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : नवागत खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) आराधना अवस्थी का ब्लॉक संसाधन केंद्र हैदरगढ़ पर एकेडमिक रिसोर्स पर्सन और महिला शिक्षक संघ द्वारा पुष्पगुच्छ व मालाओं से स्वागत किया गया। इस अवसर पर एकेडमिक रिसोर्स पर्सन मदन मोहन वर्मा, धर्मेंद्र मिश्रा, रमाकांत गुप्ता और देवी शंकर पांडेय उपस्थित रहे। बीईओ आराधना अवस्थी ने दिसंबर 2025 में आयोजित होने वाली निपुण आकलन परीक्षा के लिए विकास खंड हैदरगढ़ को निपुण बनाने हेतु समीक्षा बैठक की और शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की अपील की। कार्यक्रम में महिला शिक्षक संघ की अध्यक्ष प्रियंका सिंह, महामंत्री रीता राणा, कोषाध्यक्ष बाला जायसवाल आदि थे।

कोटवाधाम मेले में गुलजार पशु बाजार। अमृत विचार

मेले में पशु बाजार गुलजार

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : कोटवाधाम में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लगने वाले मेले में पशु बाजार में रौनक देखने को मिल रही है। दूर-दराज से आए श्रद्धालु प्रसाद के रूप में साहीवाल और जर्सी गायें, अच्छी नस्ल की भैंसें और पड़िया खरीदकर अपने घर ले जा रहे हैं। भैंस और पड़िया 20 हजार से 75 हजार रुपये तथा अच्छी नस्ल की गायें 30 हजार से 60 हजार रुपये में उपलब्ध हैं। नवाब चौधरी ने बताया कि पशुओं की बिक्री आज से शुरू हुई है। नान्हूं मुजफ्फरनगर में एक काली जर्सी गाय 28 हजार रुपये और एक पड़िया 85 हजार रुपये में बिकी।

प्रत्येक बूथ पर नए मतदाताओं के नाम जोड़ने की अपील

संवाददाता, लखनऊ

कार्यशाला को संबोधित करते आनंद द्विवेदी व मंच पर मंचासीन अतिथि। ● अमृत विचार

अमृत विचार : पश्चिम विधानसभा के अंतर्गत मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान के संदर्भ में बीएलए-टू की विशेष महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन कैंपवेल रोड जेएस लॉन में किया गया। इस कार्यशाला में बीएलए-2 को प्रत्येक बूथ स्तर पर मृतक एवं स्थान बदल चुके व्यक्तियों के फर्जी नाम हटाना, नए योग्य मतदाताओं के नाम जोड़ना, डुप्लीकेट प्रविष्टियों को ठीक करना बात बताई गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे भाजपा महानगर के यशस्वी अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, महानगर संयोजक चेतन बिष्ट, पश्चिम विधानसभा के पूर्व विधायक प्रत्याशी अंजनी कुमार श्रीवास्तव, पश्चिम विधानसभा अभियान के संयोजक पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री प्रकाश मिश्रा, संयोजक सत्येंद्र सिंह, महानगर उपाध्यक्ष जया शुक्ला, महानगर मंत्री डॉ यू.एन. पांडे, अवध क्षेत्र व्यापार प्रकोष्ठ संयोजक पुरुषोत्तम पुरी, मंडल अध्यक्ष दीप प्रकाश सिंह, विमल चौधरी, सोमेंद्र पांडे, संदीप तिवारी, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष राजेश मिश्रा (राजन), अजय सोनी, महेंद्र राजपूत, पार्षद अनूप कमल सक्सेना, शिवकुमार यादव (गुड्डू), धर्मेंद्र सिंह, रजनी विजय भुर्जी, अजय दीक्षित, पूर्व पार्षद नागेंद्र सिंह, राजीव कृष्ण त्रिपाठी, नोटेश किशोर दीक्षित, अंकित राजपूत, रमेश कन्नौजिया, विभोर अवस्थी सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मां प्रकृति के संरक्षण का लिया संकल्प

बाराबंकी, अमृत विचार : पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से संगठन ग्रीन डोनर ईईआरसी, भारत के तत्वावधान में ग्राम इंधौलिया में बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर मां प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में प्रार्थना, वृक्षारोपण और शपथ के साथ हरित वीर लिटिल चैंप्स को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सम्मानित किये गए बच्चे। अमृत विचार

लालू एंड कंपनी सत्ता में आई तो बनाएगी घुसपैठिए घुसाओ बोर्ड : गृहमंत्री

अमित शाह बोले- यह विधानसभा चुनाव घुसपैठियों से राज्य को मुक्त करने का है

बेतिया/मोतिहारी (बिहार), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठिए देश की नौकरियां छीनते और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। शाह ने कहा कि यह चुनाव राज्य को घुसपैठियों से मुक्त कराने का है।

प. चंपारण और मोतिहारी जिले में चुनावी सभाओं में शाह ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के शासनकाल में नरसंहार और दुष्कर्म की घटनाएं आम थीं, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार में बाहुबली के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मखाना बोर्ड की स्थापना की, लेकिन अगर लालू एंड कंपनी सत्ता में आई तो 'घुसपैठिए घुसाओ बोर्ड' बना दिया जाएगा।

शाह ने दावा किया कि केवल नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार की जोड़ी ही बिहार में जंगलराज को लौटने से रोक सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि लालू प्रसाद और राहुल गांधी बिहार में घुसपैठियों का रास्ता साफ करने की कोशिश कर रहे हैं। महागठबंधन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अगर ठगबंधन सत्ता में आया तो चंपारण मिनी चंबल में बदल जाएगा। शाह ने कहा कि बिहार ने कभी इंदिरा गांधी के भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी और आपातकाल का विरोध किया था, लेकिन अब कांग्रेस राजद के साथ मिलकर राज्य में शासन करने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने कहा कि राजग सरकार के बरकरार रहने पर चंपारण में एक नया हवाई अड्डा बनाया जाएगा, क्षेत्र की सभी बंद चीनी मिलों को सहकारिता मॉडल के तहत फिर से चालू किया जाएगा और थारू समुदाय के लिए विशेष योजनाएं शुरू की जाएंगी। शाह ने यह भी घोषणा की कि मोतिहारी में एक नया मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जाएगा और अरेराज स्थित बाबा सोमेश्वरनाथ मंदिर का 100 करोड़ रुपये की लागत से जीर्णोद्धार कराया जाएगा।

भाजपा कर रही चुनाव चोरी की कोशिश : राहुल

पूर्णिया/अररिया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भाजपा पर बिहार चुनाव चोरी करने के प्रयास का आरोप लगाया और कहा कि प्रदेश के युवाओं और 'जेन जेड' को इसे रोकने के लिए मुस्तैद रहना होगा। उन्होंने पूर्णिया और अररिया में चुनावी सभाओं में प्रधानमंत्री मोदी पर नफरत बांटने का आरोप लगाया और दावा किया कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अमित शाह ने देश में जंगल राज लागू कर रखा है। कांग्रेस नेता ने पूर्णिया की सभा में कहा, हमने ऐसा सबूत दिया कि भाजपा और निर्वाचन आयोग उसका कोई जवाब नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने दावा किया, भाजपा ने हरियाणा, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ का चुनाव चोरी किया, लोकसभा का चुनाव चोरी किया। अब ये बिहार का चुनाव चोरी करने की कोशिश कर रहे हैं, इन लोगों ने महागठबंधन के मतदाताओं के नाम काटे हैं और फर्जी लोगों के नाम जोड़े हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, बिहार के युवाओं और जेन जेड की जिम्मेदारी है कि संविधान को बचाएं।

मोदी निष्पक्ष चुनाव कराएं, देखते हैं कि कौन जीतता : प्रियंका गांधी

मोतिहारी/सीतामढ़ी/मधुबनी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) हरियाणा की तरह बिहार में भी चुनाव चोरी करने की तैयारी में है। उन्होंने पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी और मधुबनी जिलों में चुनावी सभाओं में दावा किया कि निर्वाचन आयोग संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने के लिए सरकार के साथ काम कर रहा है। प्रियंका ने राहुल गांधी के हरियाणा में कथित वोट चोरी का हवाला देते हुए कहा, जिस तरह राजग ने हरियाणा में पूरा चुनाव चुरा लिया, उसी बिहार में भी 65 लाख वोटों को नामावली से हटाकर ऐसा ही करने की तैयारी में हैं। प्रियंका ने जनता का आह्वान किया, आप बिहार में एक ऐसी सरकार बनाइए, जो महिलाओं, युवाओं, किसानों, गरीबों के लिए काम करे- वोट चोरी न करे। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो निर्वाचन आयुक्तों एसएस सिंधू और विवेक जोशी का उल्लेख करते हुए दावा किया, ये तीन लोग आपके अधिकार छीन रहे हैं। इनको पद और आयोग के पीछे छिपने मत दीजिए। कांग्रेस महासचिव ने कहा, जो लोग देश के साथ विश्वासघात कर रहे हैं, उन्हें देश भूलेगा नहीं। मोदी को मैं चुनौती देती हूं कि वो निष्पक्ष चुनाव कराएं। देखते हैं कि कौन जीतता है?

रोटी को पलटना जरूरी, वरना जल जाएगी : लालू यादव

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने गुरुवार को बिहार के लोगों से सरकार बदलने की अपील करते हुए कहा कि जैसे तवे पर रोटी को पलटते रहना जरूरी होता है, वरना वह जल जाती है, ठीक उसी तरह शासन में भी परिवर्तन आवश्यक है। राजद प्रमुख ने अपनी पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी तथा पुत्र और महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव के साथ मतदान किया। मतदान के बाद लालू प्रसाद ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि रोटी को तवे पर पलटना जरूरी होता है, नहीं तो वह जल जाती है। 20 साल बहुत हो गए! अब नए बिहार के निर्माण के लिए तेजस्वी की सरकार जरूरी है। लालू प्रसाद का यह वक्तव्य बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के दिन आया, जिसमें उन्होंने जनता से नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार को बदलने की अपील की।

देश में वायु प्रदूषण रोकने को न्यायिक हस्तक्षेप जरूरी

- देश में वायु प्रदूषण रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका
- दिल्ली में 22 लाख बच्चों के फेफड़े खराब होने का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के अनुरोध के साथ स्वास्थ्य विशेषज्ञ की ओर से उच्चतम न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में दिल्ली में 22 लाख बच्चों के फेफड़े खराब होने का दावा किया गया है।

याचिका में बढ़ते वायु प्रदूषण के स्तर से निपटने के लिए निरंतर और प्रणालीगत विफलता को दूर करने के लिए तत्काल न्यायिक हस्तक्षेप का अनुरोध किया गया है। याचिका समग्र स्वास्थ्य विशेषज्ञ ल्यूक क्रिस्टोफर कोटिन्हो की ओर से दायर की गई है। याचिका में केंद्र सरकार, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम), कई केंद्रीय मंत्रालयों, नीति आयोग के साथ दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र की राज्य सरकारों को पक्षकार बनाया गया है।

याचिका में कहा गया कि मौजूदा वायु प्रदूषण संकट जन स्वास्थ्य आपात स्थिति के स्तर पर पहुंच गया है जो संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत नागरिकों के जीवन और स्वास्थ्य के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है। याचिका में वायु प्रदूषण को राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित करने और समयबद्ध राष्ट्रीय कार्य योजना तैयार करने का अनुरोध किया गया है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) को 2019 में 2024 तक पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) में 20-30% की कमी के लक्ष्य के साथ शुरू हुआ था जिसे 2026 तक 40% बढ़ाया गया, पर यह अपने सामान्य उद्देश्यों को पूरा नहीं कर पाया है।

फर्जी दस्तावेज मामले में पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम की याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक मोहम्मद अब्दुल्ला आजम खान की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ चल रहे उस मामले को रद्द करने की मांग की थी, जो पासपोर्ट बनवाने के लिए नकली दस्तावेज़ों के इस्तेमाल से जुड़ा है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के 23 जुलाई के आदेश में हस्तक्षेप करने से इन्कार कर दिया। हाईकोर्ट ने रामपुर में दर्ज मामले की कार्यवाही रद्द करने का अनुरोध करने वाली खान की अर्जी खारिज कर दी थी और निचली अदालत को कानून के अनुसार मुकदमा चलाने का निर्देश दिया था। उत्तर प्रदेश का पक्ष रखने के लिए पीठ के समक्ष पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि मामले की पड़ताल पूरी हो चुकी है और अब दलीलें सुनने की तारीख तय की गई हैं। पीठ ने खान का पक्ष रखने के लिए पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से कहा, निचली अदालत को इसपर फैसला करने दीजिए। सुनवाई अदालत पर भरोसा रखें। उसको ही इसका फैसला करने दीजिए। इस चरण में हमें इसमें हस्तक्षेप क्यों करना चाहिए। पीठ ने कहा कि सुनवाई अदालत उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश से प्रभावित हुए बिना सभी मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र होगी।

दिल्ली दंगा : आरोपी ने न्यायालय से कहा- प्रदर्शन करना, उनमें भाग लेना आपराधिक मामला नहीं

दिल्ली में फरवरी 2020 में हुए दंगों से जुड़े यूएपीए मामले में आरोपी शादाब अहमद ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि विरोध प्रदर्शन करना और उनमें भाग लेना कोई आपराधिक कृत्य नहीं है। अहमद के अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने भी न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की पीठ के समक्ष अहमद की ओर से देरी के अभियोजन पक्ष के दावे का खंडन किया। लूथरा ने कहा कि वह 27 साल का है और 2016 से एनडीएस एंटरप्राइजेज जगतपुरी में सुपरवाइजर है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई 11 नवंबर के लिए तय कर दी, जब दिल्ली पुलिस दलीलें शुरू करेगी।

फिल्म 'हक' पर रोक से इन्कार, शाह बानो की बेटी की याचिका रद्द

इंदौर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने इंदौर की शाह बानो बेगम की बेटी की उस याचिका को रद्द कर दिया, जिसमें फिल्म 'हक' पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है।

हाईकोर्ट ने कहा कि याचिका में कोई ठोस आधार नहीं है और किसी की निजता या प्रतिष्ठा का अधिकार उसके जीवनकाल के बाद समाप्त हो जाता है। अदालत के इस फैसले के साथ ही 7 नवंबर (शुक्रवार) को फिल्म के प्रदर्शित होने का रास्ता साफ हो गया है। फिल्म 'हक' में यामी गौतम धर और इमरान हाशमी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सतपाल व राजिंदर ने राज्यसभा के सदस्यों के रूप में ली शपथ

नई दिल्ली, एजेंसी

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को राज्यसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों राजिंदर गुप्ता और सतपाल शर्मा को शपथ दिलाई। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता गुप्ता पंजाब से निर्वाचित हुए हैं। भाजपा नेता शर्मा जम्मू-कश्मीर से चुने गए हैं।

गुप्ता ने संसद भवन में आयोजित समारोह में पंजाबी में जबकि शर्मा ने हिंदी में शपथ ली। उद्योगपति गुप्ता पंजाब में सत्तारूढ़ 'आप' के टिकट पर जीते हैं। शर्मा भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष हैं। वह पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और इससे पहले जम्मू-कश्मीर सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। शर्मा 2014 में जम्मू पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा सदस्य चुने गए थे। शपथ ग्रहण पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह आदि मौजूद थे। दोनों सांसदों के परिवार भी उपस्थित थे।

अनिल अंबानी को पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली। ईडी ने रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी को बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले में अगले सप्ताह फिर पूछताछ के लिए बुलाया है। 66 वर्षीय उद्योगपति को 14 नवंबर को बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है।

मामला रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड द्वारा एसबीआई से 2,929 करोड़ की ऋण धोखाधड़ी से संबंधित है। ईडी ने अगस्त में अंबानी से 10 घंटे पूछताछ की थी। यह जांच सीबीआई की 21 अगस्त को दर्ज प्राथमिकी पर आधारित है।

सुलक्षणा पंडित का हार्ट अटैक से निधन

मुंबई। मशहूर अभिनेत्री और पार्श्व गायिका सुलक्षणा पंडित का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। सुलक्षणा को नानावटी अस्पताल ले जाया जा रहा था, तभी उन्होंने अंतिम सांस ली। सुलक्षणा 71 वर्ष की थीं। उनके भाई ललित पंडित ने बताया, 'शाम करीब सात बजे सुलक्षणा ने सांस लेने में तकलीफ होने की शिकायत की थी। हम उन्हें नानावटी अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनका निधन हो गया। सुलक्षणा ने 1975 में संजीव कुमार के साथ फिल्म 'उलझन' से करियर शुरुआत की और फिर राजेश खन्ना, शशि कपूर और विनोद खन्ना सहित अपने दौर के लगभग सभी शीर्ष सितारों के साथ काम किया।

पीड़िता और आरोपियों दोनों पर 5 लाख का जुर्माना

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के गंभीर दुरुपयोग के मामले में कठोर रुख अपनाते हुए कथित पीड़िता और 19 आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की है। कोर्ट ने इस प्रकरण को हितकारी प्रावधानों का घोर दुरुपयोग बताते हुए इसे कानून और राज्य के साथ छल का स्पष्ट उदाहरण माना तथा न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव की एकलपीठ ने रामेश्वर सिंह उर्फ रामेश्वर प्रताप सिंह और 18 अन्य अपीलकर्ताओं द्वारा दाखिल आपराधिक अपीलों को एक साथ सुनवाई करते हुए खारिज कर दिया, जिन्होंने आईपीसी की विभिन्न धाराओं तथा एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2)(वीए) के तहत आरोपों के सापेक्ष विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट), प्रयागराज द्वारा संज्ञान व सम्मन आदेश रद्द करने की अपील की थी।

सुनवाई के दौरान अपीलकर्ताओं ने दावा किया कि एफआईआर पीड़िता के अंगूठे के निशान से दर्ज की गई। लेकिन पीड़िता ने कोर्ट में खुलासा किया कि उसका अंगूठा "सादे कागज" पर लिया गया था और उसने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई। कोर्ट ने इस पर कड़ी नाराजगी जताई। क्योंकि तथ्यों से यह सामने आया कि अनुसूचित जाति से संबंध रखने वाली कथित पीड़िता, जिसने पूर्व में सीआरपीसी की धारा 161 और 164 के तहत अपनी शिकायत संबंधी बयान दिए और अधिनियम की वैधानिक योजना के अंतर्गत 4.5 लाख रुपये का मुआवजा प्राप्त किया था। अब स्वयं यह कह रही है कि उसने कोई एफआईआर दर्ज नहीं कराई। गत 4 नवंबर की सुनवाई में संदेह व्यक्त होने पर कोर्ट ने पीड़िता, पुलिस उपायुक्त (यमुनापार) और जांच अधिकारी को तलब किया था। सरकारी अधिवक्ता ने यह स्पष्ट किया कि शिकायत लिखित रूप में दाखिल हुई थी, उसके बयान पुलिस और मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज किए गए थे। इस पर कोर्ट ने इसे न्याय प्रक्रिया के साथ धोखाधड़ी कर सार्वजनिक धन प्राप्त करने का सुनियोजित प्रयास करार दिया। कोर्ट ने कथित पीड़िता और उसकी दो बहुओं को 20 दिनों के भीतर 4.5 लाख रुपये मुआवजा राज्य को वापस करने का निर्देश दिया, साथ ही 19 अपीलकर्ताओं पर पांच लाख रुपये का संयुक्त जुर्माना लगाते हुए उसे उच्च न्यायालय कल्याण कोष में जमा कराने का आदेश दिया।

रामलला को सुबह काढ़ा और रात्रि में पिलाया जा रहा गर्म दूध

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : प्रभु रामलला को ठंड से बचाने के लिए प्रतिदिन सुबह काढ़ा और रात्रि में गर्म दूध पिलाया जा रहा है। मंदिर में विराजमान 5 वर्षीय बालक श्री रामलला की 24 घंटे सेवा के लिए 14 पुजारी लगाए गए है।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा के मुताबिक राम मंदिर में विराजमान प्रभु श्री राम लला के भी मौसम के अनुसार उनकी दिनचर्या में बदलाव किया जाता रहा है। उनकी सेवा में लगी पुजारी दिन रात उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कार्य करते हैं। इसके तहत उन्हें अलग-अलग मौसम में अलग-अलग व्यवस्थाएं दी जाती हैं। कहा कि श्री राम जन्मभूमि में विराजमान भगवान श्री राम पर ठंड का कोई असर नहीं पड़ेगा क्योंकि रामलला अब स्थाई मंदिर में विराजमान हैं। जहां उन्हें ठंड से बचाए जाने की सभी सुविधाएं उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि रामलला के प्रेमचंद त्रिपाठी, संतोष कुमार, प्रदीप और अशोक उपाध्याय के साथ 10 नए सेवक हैं, जो ठंड, गर्मी और बरसात सभी मौसम में 24 घंटे उनकी सेवा करते है। प्रतिदिन रामलला को सुबह 4:30 बजे शंखनाद से जगाया जगाते है। गर्म पानी से स्नान अभिषेक के बाद श्रृंगार किया जाता है। रामलला को अब गर्म कपड़े पहने जा रहे हैं। सुबह 6:30 श्रृंगार आरती कर श्रद्धालुओं को दर्शन देते हैं। सुबह लगभग 9 बजे बालभोग में रामलला को प्रतिदिन रबड़ी, केसर युक्त दूध के साथ काढ़ा दिया जा रहा है। जिससे ठंड में भी उनकी स्वास्थ्य पर कोई प्रभाव न पड़े, दोपहर में खीर पूड़ी और सब्जी का प्रसाद अर्पित किया जाता है। रात्रि में शयन के दौरान गर्म दूध अर्पित किया जाता है।

हाईकोर्ट से 90 अधिवक्ताओं को मिला वरिष्ठ पदनाम

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लगभग तीन वर्षों तक लंबित प्रक्रिया के बाद 90 अधिवक्ताओं को वरिष्ठ अधिवक्ता का पदनाम प्रदान किया है। पांच नवंबर को आयोजित पूर्ण न्यायालय की बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। वरिष्ठ पदनाम प्राप्त करने वाले अधिवक्ताओं में इलाहाबाद तथा लखनऊ, दोनों पीठों में प्रैक्टिस करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल हैं। नियमानुसार यह पदनाम उन वकीलों को दिया जाता है, जो अदालत में असाधारण कौशल, उच्च आचरण और विधिक सेवा में उल्लेखनीय योगदान का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। अधिवक्ताओं का चयन न्यायाधीशों की समिति द्वारा उनकी योग्यता और अनुभव के आधार पर किया गया। पदनाम प्राप्त करने वालों में प्रमुख रूप से अजय कुमार सिंह, अखिलेश कुमार श्रीवास्तव, अलका वर्मा, अमित कृष्ण, अमित दागा, अमरेंद्र नाथ त्रिपाठी, आनंद मणि त्रिपाठी, अनुराग पाठक, अपुल मिश्रा, बशारत अली खान, बृजेश कुमार शुक्ला, बुशरा मरियम, चंद्र प्रकाश उपाध्याय, प्रदीप अग्रवाल, प्रशांत सिंह अटल, संजीव सिंह, सिद्धार्थ श्रीवास्तव, सुशील कुमार शुक्ला, श्वेताश्व अग्रवाल, तरुण अग्रवाल, और यदुकुल शिरोमणि श्रीवास्तव (वाईएस लोहित), विक्रांत राणा सहित अन्य शामिल हैं।

डीएम से मिलने पहुंची बच्ची

कानपुर। कलेक्ट्रेट में गुरुवार को लगे जनता दर्शन में एक 7 वर्ष की बच्ची ने सबका ध्यान खींच लिया। कक्षा 2 में पढ़ने वाली कीर्ति अपने पिता और परिवार के साथ जनता दर्शन में पहुंची। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की नज़र उस बच्ची पर पड़ी तो उन्होंने परिवार से आने का कारण पूछा। जब पता चला कि बच्ची का जन्मदिन है तो उन्होंने कीर्ति को जन्मदिन पर केक और गिफ्ट हैंपर दिया।

पूर्वोत्तर रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि० मण्डल यांत्रिक इंजीनियर/ईएनएचएम, फ्रेट एवं डीएम/लजं० पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा, निम्नलिखित कार्य हेतु सिंगल बिडसिस्टम आधारित खुली ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है।

निविदा सूचना संख्या एवं कार्य का नाम: 07-2025-Mech-FRT-DM, ''सप्लाई फिटमेंड एंण्ड कामिशिनिंग आफ मोडिफिकेशन इन 600 ब्रेक वान (बीवीसीएम) वाइड आरडीएसओ लेटर ref.MW/BVCM dt. 12.08.24 एट यार्ड/सिक लाईन/आरओएच गोंडा फार वन इयर अनुमानित लागत (रू0 में): ₹ 7,55,88,528.00, अग्रिम धन (रू0 में): ₹ 5,28,000.00, निविदा की अवधि– 01 वर्ष।

ई निविदा प्रपत्र अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय 02.12.2025, 15.00 बजे तक एवं यह ई–निविदा दिनॉक 02.12.2025 को 15.00 बजे के बाद खोली जायेगी। इस ई–निविदा से सम्बंधित विस्तृत जानकारी, न्यूनतम अर्हतायें तथा नियम एवं शर्ते पूर्वोत्तर रेलवे की वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई–निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से सम्बन्धित शुद्धि पत्र (यदि कोई हो) को वेबसाईट पर संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

वरि0 मण्डल यांत्रिक इंजीनियर/ ईएनएचएम,फ्रेट एवं डीएम/लजं० लखनऊ

मुजाधि/यांत्रिक–89

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे अधिसूचना सं.: 210/2025

रेल यात्री बन्धुओं के लिये आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा के लिये **बनारस–खजुराहो–बनारस** एवं **लखनऊ जं.–सहारनपुर–लखनऊ जं.** के मध्य नई **वंदे भारत गाड़ी** का संचलन किया जायेगा। इस गाड़ी के संचलन का **शुभारम्भ दिनांक 08-11-2025** को **बनारस स्टेशन** से एवं **लखनऊ जं.** स्टेशन से **उद्घाटन** विशेष गाड़ी का संचलन कर किया जायेगा। उद्घाटन विशेष गाड़ी का समय एवं ठहराव निम्नानुसार होगा।

बनारस-खजुराहो वन्दे भारत एक्सप्रेस उद्घाटन विशेष गाड़ी का ठहराव एवं संभावित समय

गाड़ी संख्या 02582 बनारस से दिनांक 08.11.2025 को

स्टेशन	गाड़ी संख्या 02582 बनारस-खजुराहो वन्दे भारत एक्सप्रेस आगमन	प्रस्थान
बनारस	--	**08:05**
वाराणसी	08:25	08:30
विन्ध्यांचल	10:00	10:02
प्रयागराज छिवकी	11:05	11:10
चित्रकुट धाम	13:10	13:12
बांदा	14:13	14:15
महोबा	15:13	15:15
खजुराहो	**16:25**	--

रेक संरचना: वन्देभारत के कुल 08 कोच।

लखनऊ जं.-सहारनपुर वन्दे भारत एक्सप्रेस उद्घाटन विशेष गाड़ी का ठहराव एवं संभावित समय

गाड़ी संख्या 02534 लखनऊ जं. से दिनांक 08.11.2025 को

स्टेशन	गाड़ी संख्या 02534 लखनऊ जं.-सहारनपुर वन्दे भारत एक्सप्रेस आगमन	प्रस्थान
लखनऊ जं.	--	**08:05**
सीतापुर	09:00	09:02
शाहजहांपुर	10:15	10:17
बरेली	11:13	11:15
मुरादाबाद	12:32	12:37
नजिबाबाद	13:50	13:52
रूढ़की	14:45	14:47
सहारनपुर	**16:00**	--

रेक संरचना: वन्देभारत के कुल 08 कोच।

मुजाधि/टी–75 मुख्य यात्री परिवहन प्रबन्धक, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

लखनऊ विकास प्राधिकरण

(ISO 14001 : 2004, ISO 9001 : 2008 प्रमाणित संस्था)

प्राधिकरण भवन, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (उ0प्र0) टोल-फ्री: 1800 1800 5000, वेबसाइट: http://www.ldalucknow.in

-: सार्वजनिक सूचना :-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की आवासीय/व्यावसायिक/रेन्ट/नजूल/इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट योजनाओं के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा उनके नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तानान्तरण/नामान्तरण किये जाने हेतु प्राधिकरण में प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत किया गया है:–

क्र सं.	मूल आवंटी का नाम	भवन/भूखण्ड संख्या	योजना का नाम	मृत्यु दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी अथवा आवेदक का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में अनापत्तिकर्ताओं के नाम	मूल आवंटी से (मृतक) का सम्बन्ध
1.	स्व0 महेश प्रसाद	भवन सं0 3/1618	सेक्टर–3, जानकीपुरम विस्तार योजना	11.07.2025	श्रीमती सुमन (पत्नी)	श्री दीपक (पुत्र), संध्या (पुत्री), विद्या (पुत्री), लक्ष्मी (पुत्री)	पत्नी, पुत्र एवं पुत्रियाँ
2.	स्व0 अनिल कुमार सिंह	भवन सं0 2/508	विराज खण्ड गोमती नगर योजना	17.11.2024	श्रीमती श्रद्धा सिंह (पत्नी)	दर्शिका सिंह	पुत्री
3.	स्व0 कमलेश गौतम	भूखण्ड सं0 5/508	विराम खण्ड गोमती नगर योजना	23.09.2022	श्री सोभित गौतम	श्रीमती दिव्या गौतम, श्रीमती सुधिदा गौतम	विवाहित पुत्रियाँ
4.	श्री इकबाल अहमद	भूखण्ड सं0 S-105	ट्रांसपोर्ट नगर योजना	05.09.2012	श्री अनफाल अहमद	वसीयत के आधार पर	पुत्र
5.	श्रीमती अफरोज जहाँ	भूखण्ड सं0 E–120	ट्रांसपोर्ट नगर योजना	10.08.2020	श्री शोएब अहमद एवं श्री सुहैल अहमद	मा0 सिविल जज जू0डि0 साउथ लखनऊ द्वारा जारी उत्तराधिकार के आधार पर	पुत्रगण

उपर्युक्त नामान्तरण के आवेदन के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से 30 दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्राधिकरण अभिलेखों में कालम–6 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं शरफुद्दीन, निवासी TADAI QALA KHARWALIYA SIDHAULI, SITAPUR 261301, Uttar Pradesh, India, यह घोषित करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम ग़लत रूप से मोहम्मद शरफुद्दीन अंसारी दर्ज है, सही नाम शरफुद्दीन है। कृपया भविष्य में पासपोर्ट रिकार्ड में इन्हीं को सही माना जाए।

सूचना

मैं सकीना, निवासी TADAI QALA KHARWALIYA SIDHAULI, SITAPUR 261301, Uttar Pradesh, India, यह घोषित करती हूँ कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम ग़लत रूप से सकीना खातून दर्ज है, सही नाम सकीना है। कृपया भविष्य में पासपोर्ट रिकार्ड में इन्हीं को सही माना जाए।

सूचना

मैं निक्की शर्मा पत्नी अनूप कुमार शर्मा निवासिनी DS-1107, LDA Colony, कानपुर रोड़, सूचित करती हूँ कि मेरी DS - 1108, LDA Colony, कानपुर रोड़ की LDA द्वारा जारी अलाटमेंट लेटर वास्तव में कहीं खो गया है, इसका अन्यत्र प्रयोग अवैधानिक होगा।

सूचना

पहले मेरा नाम MOHD SHAJIB था अब मैने बदल कर अपना नाम SHAJIB KHAN रख लिया है भविष्य में मुझे SHAJIB KHAN के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O ALEEM KHAN R/O - 152, GOTAIYYA BAGH NEAR MOSQUE, LAKHIMPUR KHERI

सूचना

मेरा नाम पहले फाईज था। अब आधार कार्ड नंबर 430271754861 में फाईज सिद्दीकी हो गया है। मुझे अब फाईज सिद्दीकी नाम से ही जाना पहचाना जाए। **फाईज सिद्दीकी पुत्र मोहम्मद फाजिल सिद्दीकी, मोहल्ला गांधीनगर उतरौला जनपद–बलरामपुर**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मैं Nur Jahan पत्नी शहाबुद्दीन निवासी–435/384, रज्जब गंज, गढ़ी पीर खाँ, ठाकुरगंज, चौक लखनऊ, उत्तर प्रदेश 226003, मेरे पासपोर्ट में त्रुटिवश मेरे नाम की स्पेलिंग Noor Jahan लिख गई हैं, बल्कि मेरे आधार अनुसार सही स्पेलिंग नाम Nur Jahan हैं, दोनों ही नाम एक ही महिला के हैं आज से मुझे Nur Jahan के नाम से जाना, पहचाना व दर्ज किया जाये।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम व जन्मतिथि पासपोर्ट में त्रुटिवश EHTISHAM व जन्मतिथि–12.08.1994 अंकित हो गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम व जन्मतिथि मो0 एहतिशाम (MOHD AHETESHAM) व जन्मतिथि–12. 08. 1995 है। अबसे मैं सभी जगह कानूनी रुप से मो0 एहतिशाम (MOHD AHETESHAM) नाम का उपयोग करूंगा और इसी नाम से जाना जाऊँगा। मो0 एहतिशाम (MOHD AHETESHAM) पुत्र ईरशाद निवासी–429/75, पन्नालाल रोड, बन्सल प्लाजा के पास, डालीगंज, निराला नगर, लखनऊ उ0प्र0–226020

सूचना

मै रामनरेश सुत साहबदीन निवासी ग्राम पूरे नेवाजी, मजरे बूबूपुर, थाना बाजार शुक्ल, परगना जगदीशपुर, तहसील मुसाफिरखाना, जिला–अमेठी उ0प्र0, मेरा पुत्र यश प्रताप उर्फ राजा का व्यवहार मेरे व परिवार के प्रति अच्छा नहीं है तथा पूरे परिवार को प्रताड़ित करता रहता है तथा किसी के भी समझाने–बुझाने का उस पर कोई असर नहीं होता है। उसके गलत चाल–चलन व आपराधिक आचरण तथा परिवार के प्रति बुरे व्यवहार के कारण मैने उससे अपना सारा सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं उत्तरदायी होगा, उससे मेरा कोई लेना–देना नहीं है।

सूचना

मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम राज बहादुर अंकित हो गया है। जबकि मेरे अन्य दस्तावेजों जैसे पैन कार्ड, आधार कार्ड आदि में मेरा सही नाम राज बहादुर मौर्या अंकित है। अत: मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम संशोधित कर राज बहादुर मौर्या लिखा व पढ़ा जाये एवं भविष्य में राज बहादुर मौर्या के नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/0–स्व0 बेचई मौर्या, नि0–7/753, सेक्टर–7, जानकीपुरम बिस्तार, लखनऊ।**

सूचना

यह कि मेरा एक मकान रानी अवंतीबाई नगर तिर्वा मे है जिसकी लंबाई 60 व चौडाई 30 फीट है। जिसके पूर्व में मकान अरविन्द, पश्चिम में रास्ता, उत्तर मे मकान माया देवी, दक्षिण में मकान कन्हैया का है। जिसका विवाद हाईकोर्ट में द्वितीय अपील संख्या 585/2014 अजयपाल सिहं आदि बनाम कमला वर्मा के नाम विचाराधीन है अगर कोई विवादित मकान खरीदता है तो सारी जिम्मेदारी उसी की होगी। **अजयपाल सिंह पुत्र रामशंकर निवासी रानी अवंतीबाईनगर तिर्वा जन. कन्नौज**

NOTICE

In the High School marksheet of my son Girish Kumar Tiwari his father's and mother's name are written as Peshkar Tiwari and Pushpa Tiwari which are wrong whereas the correct name is Peshkar Tewari and Pushpa Devi which is true. Peshkar Tewari s/o Algawoo Tiwari vill. And post Belwa Bahuta Gonda Uttar Pradesh.

अमृत विचार

शुक्रवार, 7 नवंबर 2025

यदि हम प्रश्न नहीं करेंगे, तो हम यांत्रिक जीवन जीएंगे।

–जे कृष्णामूर्ति, दार्शनिक

ममदानी की मुश्किलें

प्रख्यात फिल्म निर्देशक मीरा नायर के पुत्र और भारतीय मूल के युवा नेता ज़ोहरान ममदानी ने जब न्यूयॉर्क के मेयर पद के लिए अपनी उम्मीदवारी पेश की थी, तब से ही यह नाम न केवल अमेरिका बल्कि समूचे विश्व में चर्चा का विषय तो बना हुआ था, मगर जीत की संभावना महज एक फीसदी थी। प्रत्याशित तौर पर अरबपतियों के इस शहर में मध्यमवर्ग और वंचितों के अधिकारों की बात करने वाला यह सोशल डेमोक्रेट जीत गया। ज़ोहरान ममदानी पिछले सौ वर्षों में न्यूयॉर्क के सबसे युवा मेयर बने हैं। वे इस पद पर आसीन होने वाले पहले भारतवंशी और पहले मुस्लिम भी हैं। उन्हें 10 लाख से अधिक मत प्राप्त हुए,पिछले सात दशकों में किसी भी उम्मीदवार से अधिक। उन्होंने ट्रंप समर्थक रिपब्लिकन उम्मीदवार को 44 प्रतिशत के बड़े अंतर से हराते हुए तीसरे स्थान पर धकेल दिया। इस जीत ने न केवल अमेरिकी राजनीति में एक नई हवा भरी है, बल्कि प्रवासी समुदायों में आत्मविश्वास भरते हुए कहा, "यह शहर अप्रवासियों ने बनाया, अप्रवासियों ने चलाया और अब एक अप्रवासी के नेतृत्व में बढ़ेगा।"

उनकी पहचान एक प्रगतिशील डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट के रूप में है। उन्होंने मुफ्त बस सेवा, सार्वभौमिक चाइल्ड केयर और 2030 तक न्यूनतम मजदूरी 30 डॉलर प्रति घंटा करने जैसे महत्वाकांक्षी वादे किए हैं, लेकिन इन योजनाओं पर अरबों डॉलर का खर्च आएगा और इसके लिए उन्होंने अमीरों पर कर बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है, जिस पर विरोध के स्वर मुखर हैं, जिससे उनके सामने प्रशासनिक और राजनीतिक चुनौतियों का एक कठिन दौर शुरू होना तय है। इसी बीच पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें 'कम्युनिस्ट' करार देते हुए शहर की संघीय सहायता में कटौती और नेशनल गार्ड भेजने की धमकी दी है। यह खतरा इसलिए बड़ा है, क्योंकि न्यूयॉर्क का बजट काफी हद तक संघीय फंडिंग पर निर्भर करता है। यदि यह सहायता कम होती है, तो ममदानी की विकास योजनाएं गंभीर संकट में पड़ सकती हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी स्वयं इस समय दो हिस्सों में बंटी दिख रही है, जहां बर्नी सैंडर्स और अलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज जैसे प्रगतिशील नेता ममदानी के समर्थन में हैं, वहीं कई उदारवादी नेता चिंतित हैं कि उनकी समाजवादी नीतियां पार्टी की पारंपरिक राजनीति को कमजोर कर सकती हैं।

इसके बावजूद, ममदानी की यह विजय केवल एक चुनावी जीत नहीं है, यह उस सोच की जीत है जो सामाजिक न्याय, समान अवसर और नागरिक कल्याण को राजनीति का केंद्र बनाना चाहती है। उन्होंने यह दिखा दिया है कि जनआकांक्षाओं से जुड़ी नीतियां, यदि सच्चे इरादों से प्रस्तुत की जाएं, तो बड़े से बड़ा सत्तातंत्र भी झुका सकता है। ट्रंप के लिए ममदानी ने भविष्य के लिए किंचित कठिनाइयां पैदा तो की हैं, पर सही बात तो यह है कि ममदानी की परीक्षा अभी से शुरू हो गई है। ममदानी को न केवल अपने वादों को पूरा करना होगा, बल्कि एक विभाजित और असमानताओं से भरे शहर को एकजुट भी करना होगा। यदि वे यह कर पाते हैं, तो यह जीत न सिर्फ न्यूयॉर्क की, बल्कि उस वैकल्पिक राजनीति की भी होगी जो आज के अशांत विश्व को नई दिशा दे सकती है।

प्रसंगवश

क्रांतिगीत वंदेमातरम् को भी चाहिए न्याय

वंदेमातरम् की रचना के 150 वर्ष पूर्ण गए। देशभक्ति का स्फूरण है, उत्साह है। रोम-रोम देशभक्ति की भावना से पुलकित है। वंदेमारतरम् दरअसल सिर्फ गीत नहीं है, यह देशभक्ति का प्रेरणापुंज है, यह मंत्र है। इसके शब्द, 'बीज मंत्रों' से आच्छादित हैं। जब यह अवतरित हुआ तब से आज तक भारत की एकता, विविधता और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक बना है। गीत ने राजनीतिक दूरियां मिटा दी थीं, उत्तर से दक्षिण तक पूर्व से पश्चिम तक राष्ट्रीय एकता का संदेश और क्रांति की प्रेरणा दी। गुलामी की बेड़ियों में जकड़ी 'भारत मां' को मुक्त कराने के लिए क्रांति कर दी थी। लाखों युवाओं को क्रांति की मशाल हाथ में थमा दी थी, और वे स्वतंत्रतता का लक्ष्य लेकर निकल पड़े थे। आज उसी वंदेमातरम् को न्याय की आवश्यकता है। उसके मूल स्वरूप में स्वीकारोक्ति की आवश्यकता है।

सर्वेश कुमार सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

अंग्रेजों के क्रूर शासन में जब भारत की सांस्कृतिक और सामाजिक एकता खंडित की जा रही थी। बंगाल के सरकारी अधिकारी बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के हृदय में अंग्रेज सरकार के एक फैसले से क्षोभ उत्पन्न हो गया। उन्होंने 'भारत माता' की स्तुति में एक गीत लिखने का निश्चय किया। चट्टोपाध्याय ने सात नवंबर 1875 को वंदेमातरम् की रचना कर दी। वंदेमारम् को कांग्रेस के अधिवेशन में प्रथम बार कलकत्ता में 1896 में गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर ने गाया।

कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में 28 अक्टूबर 1937 को प्रस्तुत एक रिपोर्ट के बाद इसे खंडित कर दिया गया। कांग्रेस ने उस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया, जिसमें इसके कई महत्वपूर्ण अंशों को काट दिया गया और केवल आरंभ के दो छंद ही स्वीकार किए गए। यह सब कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति के कारण हुआ। दरअसल रामपुर के अली बंधुओं का कांग्रेस में काफी दबदबा था। कांग्रेस उन्हें देश के प्रमुख मुस्लिम नेताओं के रूप में मान्यता देती थी। इन अली बंधुओं के अनुरोध पर ही कांग्रेस ने खिलाफत आंदोलन में भाग लेने का फैसला किया था। अली बंधुओं में छोटे भाई मौलाना मोहम्मद अली जौहर कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। उनकी अध्यक्षता में आंध्र प्रदेश के काकानाडा में 28 दिसंबर 1923 से एक जनवरी 1924 तक अधिवेशन हुआ था।

अधिवेशन में परंपरागत रूप से 'वंदेमातरम्' गायन होना निश्चित था। इसके लिए प्रख्यात संगीतज्ञ, गायक पंडित विष्णु दिगंबर पुलस्कर उपस्थित हुए थे। उन्होंने जैसे ही गायन आरंभ किया तो अधिवेशन की अध्यक्षता कर रहे मौलाना मोहम्मद अली जौहर ने विरोध कर दिया। उन्होंने गायन रोकने को कहा, किंतु वे नहीं रुके और पूरा वंदेमातरम् गायन किया। क्षुब्ध होकर मौलाना जौहर मंच छोड़कर चले गए। इस विरोध पर कांग्रेस के तत्कालीन नेताओं ने स्वतंत्रता संग्राम में धार्मिक एकता बनाए रखने के लिए मौलाना जौहर की मांग पर समिति बना दी। समिति की रिपोर्ट पर वंदेमातरम् को खंडित किया गया। इसके साथ ही इसे अनिवार्य गायन से भी मुक्त कर दिया गया। यही खंडित वंदेमातरम् 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकार किया।

अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वंदेमातरम् के खंडित होने के भारत के दर्द को उजागर किया है। प्रधानमंत्री ने 31 अक्टूबर को एकता नगर (केवडिया) में सरदार पटेल की 150वीं जन्मजयंती पर कार्यक्रम में 'वंदेमातरम्' के भी 150 वर्ष पूरे होने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वंदेमातरम् के साथ वह किया जो अंग्रेज भी नहीं कर सके। यानी कि वंदेमातरम् जैसे क्रांतिगीत और अनन्य राष्ट्रभक्ति की प्रेरक प्रार्थना को खंडित कर दिया।

उत्तराखंड: थोड़ा है और बहुत की जरूरत है

अमित शर्मा

हल्द्वानी

उत्तराखंड के विकास के 25 साल के रोडमैप पर विधानसभा में सुझाव और तर्क दिए गए। पहाड़ों पर शिक्षा और स्वास्थ्य, ये दो मुद्दे आज भी पहाड़ की तरह खड़े हैं।

एक गीत के बोल हैं- थोड़ा है थोड़े की जरूरत है, लेकिन इस छोटे से पर्वतीय राज्य उत्तराखंड के लिए अभी विकास बहुत थोड़ा है और आगे अभी बहुत-बहुत-बहुत की जरूरत है। मूलभूत सुविधाओं और संसाधनों को बढ़ाने के सतत् प्रयास करने होंगे, तो राज्य में स्थायी रोजगार देने के अवसरों के साथ ही, चाहे वह निम्न या मध्यम वर्गीय नागरिक हों, आर्थिक समानता के लिए हर एक को उसकी दैनिक जरूरतों को पूरा करने की बेहतर स्थिति में लाना होगा। राज्य के विकास का 25 साल का रोडमैप कैसा होना चाहिए, उत्तराखंड विधानसभा में इस महत्वपूर्ण विषय पर सत्ता और विपक्ष के सदस्यों (विधायकों) द्वारा अपने-अपने सुझाव और तर्क भी दिए गए।

विधानसभा के इस विशेष सत्र की खूबी यह रही कि विधायकों ने अपनी बात को बिना किसी लाग-लपेट के रखा और परंपरा से हटकर सार्थक बहस की। चाहे वह शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार का मामला हो या भ्रष्टाचार का, सभी ने अपने-अपने हिसाब से विकास के रोडमैप की परिभाषा बताई। एक वरिष्ठ विधायक का यह दर्द भी सामने आया कि उत्तर प्रदेश से विभाजित होने के बाद भी उत्तराखंड की अभी तक अपना वर्क कल्चर विकसित नहीं हो पाया है।

एक विधायक ने कहा कि हमें उत्तर प्रदेश के बजाय हिमाचल प्रदेश की नीतियों का अनुसरण करना चाहिए, क्योंकि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की भौगोलिक स्थितियां और चुनौतियां लगभग एक जैसी ही रहती हैं। एक विधायक का दर्द इस तरह भी छलका कि अभी तक इस राज्य में यह तय नहीं हो पाया है कि आखिर उत्तराखंडी होने की परिभाषा क्या है।

एक वरिष्ठ विधायक को तो यह कहते भी सुना गया कि चर्चा के दौरान मैं अपने उत्तराखंडी होने का प्रमाण भी दे दूंगा। एक तरह से देखा जाए तो उत्तराखंड कई मामलों में उत्तर प्रदेश के रोड मैप पर ही चल रहा है। पहाड़-मैदान का मुद्दा अभी भी मुखर है। विडंबना यह कि उत्तराखंड की विधानसभा में ही, पहाड़-मैदान जैसे संवेदनशील मामले में, जहां मौका लगता है, सदस्य एक-दूसरे पर तीखी टिप्पणी करने से चूकते नहीं। गढ़वाल मंडल में हरिद्वार और कुमाऊं में ऊधमसिंह नगर भले ही भौगोलिक तौर पर मैदानी एरिया हैं, लेकिन मानसिक तौर पर अभी भी इन्हें मैदानी इलाका ही माना जाता है। इस सोच को निश्चित तौर पर बदलना होगा।

अब विकास की बात करें, तो पहाड़ों पर शिक्षा और स्वास्थ्य, ये दो मुद्दे आज भी पहाड़ की तरह खड़े हैं। निःसंदेह सरकार इन दोनों मुद्दों पर बहुत कुछ कर चुकने और भविष्य की योजनाओं का खाका खींचने का दावा भी कर रही है, लेकिन यह आम बात हो चली है कि पहाड़ पर अधिकांश स्वास्थ्य केंद्र रेफरल सेंटर बन चुके हैं। सरकार को इस मिथक को तोड़ना होगा और पहाड़ों पर स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करना ही होगा। शिक्षा की भी हालत सही नहीं कही जा सकती। चाहे वह मानसून का महीना हो या फिर शीतकाल, भौगोलिक और मौसमी परिस्थितियां ऐसी हैं कि उन्हें जान हथेली पर रखकर शिक्षा के मंदिर तक जाना होता है।

पहाड़ की महिलाओं का दर्द भी कम नहीं है। जीविका चलाने के लिए उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि जंगल में खतरनाक वन्यजीवों से भी सामना करना पड़ता है और दुर्भाग्य यह है कि अक्सर खबर आती है कि अमुक जिले के जंगल में बाघ या भालू ने महिला को मार डाला। जंगली जानवरों के फसलों को उजाड़ने के मामले तो अब आम बात हो गई है।

उत्तराखंड को विश्व का श्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए अभी भगीरथ प्रयास करने की जरूरत है। दरअसल, विकसित उत्तराखंड के लिए आगामी 25 साल के लिए कई महत्वपूर्ण विकास योजनाएं और मुद्दे हैं, जिन पर अहम तौर पर काम करने की आवश्यकता है। इसमें सतत् विकास कार्यों के साथ प्रदेश की आर्थिकी की निरंतरता के लिए कृषि, पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नवाचार करने होंगे।

जंगलों की आग इस राज्य की बेशकीमती वन संपदा को समूल नष्ट करने पर तुली है। अतिवृष्टि, बादल फटना, भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएं बिन बुलाए मेहमान की तरह हर साल उत्तराखंड के दर्द को बढ़ाने के लिए आतुर रहती हैं। विकास की दौड़ में वनों और पहाड़ों का सीना चीरने से कई नई चुनौतियां जन्म ले रही हैं। उच्च हिमालय को छोड़ दें, तो पहाड़ों पर हिमपात होना अब सपना हो गया है।

जलवायु परिवर्तन का ऐसा असर हो चुका है कि पता ही नहीं चल रहा है कि मौसम सर्दी का है या गर्मी का। मानव वन्यजीवों के प्राकृतिक बसेरे में घुसपैठ कर रहा है, तो बढ़ते असंतुलन से वन्यजीव शिकार की तलाश में आबादी में पहुंच रहे हैं। राज्य गठन से लेकर अभी तक एक बहुत बड़ी समस्या मूल निवास की भी सामने है, जिसका हल भी निकालना है।

यह सुखद है कि उत्तराखंड सरकार, इन चुनौतियों का सामना करते हुए देवभूमि के स्वर्णिम स्वरूप को संरक्षित रखने के लिए हर जतन कर रही है। सतत् विकास के कार्य भी हो रहे हैं और विकसित उत्तराखंड की दिशा में गंभीरता से प्रयास चल रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का उत्तराखंड विधानसभा में ऐतिहासिक अभिभाषण विधायिका को एक नई दिशा दे गया। दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सामूहिक प्रयासों से ही हम उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने की दिशा में प्रयास कर सकते हैं। चुनौतियां अभी कम नहीं हैं, इसलिए उपलब्धियों को जारी रखने के लिए सतत् विकास की मंजिल की ओर हमें सामूहिक कदमों के साथ बढ़ना होगा।

आमने

वोटरों के नाम काटने की कोशिश करने वाले भाजपा नेताओं को पेड़ से बांधकर लटका दिया जाना चाहिए। अगर कोई सचमुच वोटरों का नाम काटता है, तो फिर उसे छोड़ा नहीं जाना चाहिए।

–असीमा पात्र

तृणमूल कांग्रेस की विधायक

सामने

अगर कोई विधायक खुलेआम बीजेपी कार्यकर्ताओं को पेड़ से बांधने की धमकी देती हैं, तो क्या पश्चिम बंगाल में अब तालिबानी शासन चल रहा है? राज्य का लोकतंत्र क्या तृणमूल कांग्रेस ने चुरा लिया है?

–स्वपन पाल

बंगाल भाजपा के नेता

क्रिकेट: छोटे शहर की बेटियों का बड़ा कारनामा

विवेक शुक्ला

पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

भारतीय महिला क्रिकेट की विजयी टीम की अधिकांश खिलाड़ी छोटे शहरों या ग्रामीण इलाकों से हैं। उन्होंने बहुत संघर्ष के बाद अपना मुकाम बनाया है।

बीते दो नवंबर का वह ऐतिहासिक पल, जब नवी मुंबई के दर्शकों से खचाखच भरे डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर पहली बार महिला विश्वकप पर कब्जा जमाया। गौर करें कि इस विजयी टीम की अधिकांश खिलाड़ी छोटे शहरों या ग्रामीण इलाकों से आ रही हैं। रोहतक की शेफाली वर्मा, आगरा की दीप्ति शर्मा, धर्मशाला की रेणुका सिंह, उमा चेत्री असम के, क्रांति गौड़ मध्य प्रदेश के तथा श्री चरनी आंध्र प्रदेश के ग्रामीण इलाकों से संबंध रखती हैं। क्या यह संकेत है कि अब छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से भारत को बड़े खिलाड़ी मिलेंगे? जवाब है हां!

अगर भारतीय क्रिकेट के गुजरे दौर के पन्नों को खंगाले तो पता चलेगा कि हमारे देश की क्रिकेट का इतिहास हमेशा से बड़े महानगरों जैसे मुंबई, दिल्ली, बैंगलूरु, कोलकाता, चेन्नई के इर्द-गिर्द घूमता रहा है। छोटे शहरों से आने वाले खिलाड़ी अपवाद थे। महिला क्रिकेट में भी यही सिलसिला चला। 1980-90 के दशक में मिताली राज (हैदराबाद) या झूलन गोस्वामी (कोलकाता के उपनगर) जैसी दिग्गजों ने रास्ता दिखाया, लेकिन टीम का कोर हमेशा बड़े शहरों से ही रहा, लेकिन 2025 विश्व कप की भारतीय टीम में परिवर्तन स्पष्ट है। 15 सदस्यीय स्क्वॉड में कम से कम 10 खिलाड़ी छोटे शहरों या ग्रामीण पृष्ठभूमि से हैं।

उदाहरण के लिए, शेफाली वर्मा का संबंध रोहतक से है, जहां क्रिकेट अकादमियां सीमित हैं। शेफाली ने स्थानीय क्लब से शुरुआत की और 16 साल की उम्र में अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू किया। इसी तरह, दीप्ति शर्मा आगरा से हैं, जहां क्रिकेट का सपना देखना आसान नहीं था। दीप्ति ने घर पर ही नेट प्रैक्टिस की शुरुआत की और आज वे विश्व कप की हीरो हैं।

नई पीढ़ी की ये लड़कियां और भी प्रेरणादायक हैं। उमा चेत्री, असम के सिलचर जिले के एक छोटे से गांव से, जहां बाढ़ और गरीबी आम हैं, ने विकेटकीपिंग में अपनी छाप छोड़ी। उनकी कहानी फिल्मी लगती है। स्कूल के मैदान पर गेंद पकड़ते हुए सपने बुनना, फिर राज्य स्तर पर चयन और विश्व कप फाइनल में योगदान। मध्य प्रदेश के छतरपुर से आती हैं क्रांति गौड़, जिन्होंने खेतों के बीच गेंदबाजी सीखी। वे स्पिनर हैं और विश्व कप में अपनी किफायती गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका को परेशान किया।

श्रीचरनी आंध्र प्रदेश के एक पिछड़े क्षेत्र से संबंध रखती हैं, जहां क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर न के बराबर है। ये नाम न सिर्फ टीम की ताकत हैं, बल्कि छोटे शहरों की प्रतिभाओं का प्रमाण है। ESPN क्रिकइंफो के अनुसार, भारतीय महिला टीम के 2025 स्क्वॉड में 70 प्रतिशत खिलाड़ी गैर-महानगरीय पृष्ठभूमि से हैं, जो 2017 विश्व कप स्क्वॉड (जिसमें 40 फीसदी थे) से दोगुना है।

यह बदलाव रातों-रात नहीं हुआ। कई कारक जिम्मेदार हैं। सबसे पहले, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला क्रिकेट पर बढ़ती फोकस। 2013 के बाद से, बीसीसीआई ने घरेलू टूर्नामेंट्स जैसे सीनियर महिला ट्रॉफी और सुपर लीग में छोटे राज्यों को अधिक मौके दिए। इससे झारखंड, असम, तेलंगाना जैसे राज्यों से प्रतिभाएं उभरीं। दूसरा, डिजिटल क्रांति का योगदान। यूट्यूब, इंस्टाग्राम और टिकटॉक पर कोचिंग वीडियो उपलब्ध होने से छोटे शहरों की लड़कियां घर बैठे सीख रही हैं।

उदाहरणस्वरूप, रेणुका सिंह (हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा से) ने ऑनलाइन ट्यूटोरियल्स से स्विंग बॉलिंग सीखी। तीसरा, सरकारी योजनाएं। 'खेलो इंडिया' और 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' जैसी पहलों ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाया। असम सरकार ने उमा चेत्री जैसे खिलाड़ियों के लिए विशेष छात्रवृत्ति दी। चौथा, महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का प्रभाव। 2023 से शुरू हुई डब्ल्यूपीएल ने छोटे शहरों की लड़कियों को प्लेटफॉर्म दिया, जहां वे बड़े कोचों से सीख सकें। छोटे शहरों में सुविधाओं की कमी, जैसे अच्छे ग्राउंड, कोचिंग सेंटर या यहां तक कि सुरक्षित यात्रा अभी भी बाधा हैं। क्रांति गौड़ ने एक इंटरव्यू में कहा, "उन्हें वारंगल से हैदराबाद ट्रेन से जाना पड़ता था, लेकिन मेरे परिवार का समर्थन ही मेरी ताकत था।"

लैंगिक पूर्वाग्रह भी एक मुद्दा है। कई परिवारों में लड़कियों को क्रिकेट खेलने की अनुमति देना ही बड़ी जीत होती है। फिर भी, ये बेटियां साबित कर रही हैं कि सपने शहर की सीमा नहीं मानते। विश्व कप जीत के बाद, रोहतक में शेफाली के सम्मान समारोह में हजारों लड़कियां मैदान पर उतरीं, जो भविष्य की प्रतिभाओं का संकेत है। यह ट्रेंड सिर्फ महिला क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है। पुरुष क्रिकेट में भी छोटे शहरों से खिलाड़ी आ रहे हैं, लेकिन महिलाओं में यह ज्यादा तेजी से हो रहा है, क्योंकि क्रिकेट अब लैंगिक बाधाओं को तोड़ रहा है।

इस जीत का सामाजिक प्रभाव गहरा है। छोटे शहरों की लड़कियां अब देख रही हैं कि क्रिकेट न सिर्फ खेल है, बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण का साधन भी। विश्व कप विजेताओं को मिलने वाले इनाम और एंडोर्समेंट डील्स से परिवारों की जिंदगी बदल रही है। उमा चेत्री की मां, जो एक स्कूल टीचर हैं, अब कहती हैं, "मेरी बेटी ने गांव का नाम रोशन किया।" यह प्रेरणा लाखों लड़कियों को क्रिकेट के मैदान की ओर धकेल रही है।

सोशल फोरम

दुनिया भर में हो रही बुजुर्ग पेड़ों की मौत

पिछले दिनों 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' में एक बहुत ही ख़ूबसूरत लेख छपा। लेख बूढ़े, उम्रदराज़ दरख़्तों के बारे में था। वैसे बूढ़े, उम्रदराज़ दरख़्त- जो बहुत कद्दावर भी हों। साइंस की ज़ुबान में इन्हें एल्डरफ्लोरा और मेगाफ्लोरा कहेंगे। लेखक जेरेड फार्मर बतला रहे थे कि दुनिया में हजारों साल पुराने दरख्त मौजूद हैं, लेकिन वो धीरे-धीरे नष्ट हो रहे हैं। हमें उन्हें बचाना चाहिए। क्यों? केवल इसलिए नहीं कि वो बहुत पुराने हैं और गुजरे वक्त की एक शानदार यादगार हैं, बल्कि इसलिए भी कि उनके भीतर वैसी जेनेटिक सूचनाएं संकलित हैं, जो बेशकीमती हैं।

सुशोभित

ब्लॉगर

वे पेड़ अतीत में ऐसे अवसर पर पनपे थे, जब उनके लिए परिवेश अनुकूल था। वैसी परिस्थितियां शायद सदियों तक फिर न दोहराई जा सकें। वे अतीत और भविष्य के बीच एक पुल की तरह हैं और सबसे बड़ी बात यह कि वे अपने आसपास के इकोलॉजिकल सिस्टम को सपोर्ट करते हैं। पर्यावरणविद् मेग लोमैन ने अकारण ही वृक्षों के माध्यम से संचालित होने वाले पारिस्थितिकी-तंत्र को आठवें महाद्वीप की संज्ञा नहीं दी थी।

पेड़ बहुत मिलनसार होते हैं। यारबाश होते हैं। वे समूह में रहना पसंद करते हैं, जिन्हें हम जंगल कहते हैं, वे दरख्तों की बस्तियां हैं। कवियों और शायरों को लगता है कि पेड़ अपने पत्तों की खड़खड़ाहट से आपस में गुफ़्तगू करते हैं। हकीकत यह है कि पेड़ पत्तों नहीं जड़ों के जरिये बात करते हैं और यह सच है। पीतर वोल्लेबेन ने इसी को वुड-वाइड-वेब कहा था। जितना पुराना पेड़ होगा, उतना ही उसका कम्युनिकेशन सिस्टम पुख्ता होगा और वो अपने आसपास के नौजवान दरख्तों की बढ़त में मददगार होगा। जेरेड फार्मर इन्हें मदर-ट्री कहते हैं। ये अपने आसपास के सब्जे को पालते-पोसते हैं। आपने साल के किसी वृक्ष को अकेला नहीं देखा होगा, वो समूह में ही पनपते हैं। तनहाई में वो मर जाते हैं।

जेरेड फार्मर ने चिंता जतलाई कि बूढ़े दरख्त एक-एक कर के मर रहे हैं और किसी को फिक्र नहीं है। हाल के दिनों में दुनिया में ऐसे पूरे-पूरे जंगल जलकर खाक हो गए, जिनमें तीन हजार साल पुराने तक पेड़ थे। इनमें आग-प्रतिरोधक सेकोइआस भी शामिल थे, जो दुनिया के सबसे भीमकाय पेड़ माने जाते हैं। अकाल के दौर में फलने-फूलने वाले ग्रेट बेसिन के ब्रिस्टलकोन पाइन पेड़ भी नष्ट हो गए हैं। ये पेड़ पांच हजार साल तक जीवित रह सकते हैं।

सामयिकी

बच्चों में बढ़ रहे हैं अवसाद व खुदकुशी के मामले

हाल ही में जयपुर के एक पांच सितारा स्कूल की छठी कक्षा की छात्रा ने स्कूल की चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई आत्महत्या कई सवाल खड़े करती है। उसकी मौत इतनी दर्दनाक और रोंगटे खड़े कर देने वाली है, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। घटना के बाद छात्रा की मां स्कूल आईं। उस मां ने चीत्कार के साथ कहा कि आई किल्ड माई डॉटर। आप अंदाजा लगाने की कोशिश कीजिए कि उस मां पर क्या बीत रही होगी! वह आजीवन इस आत्म ग्लानि से कैसे उबर पाएगी। वह अपनी बेटी के मन में पनपती उस पीड़ा को भी नहीं समझ पाई, जिसका अंजाम इतना दर्दनाक निकला।

अमित बैजनाथ गर्ग

वरिष्ठ पत्रकार

असल में यह घटना कई सवालों पर सोचने के लिए मजबूर करती है। सबसे पहला सवाल तो यह है कि आखिर इतने छोटे बच्चे आत्महत्या जैसा बड़ा कदम क्यों उठा रहे हैं? दूसरा हम अपने बच्चों को कैसी शिक्षा व्यवस्था में ढाल रहे हैं। तीसरा सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर बच्चे मानसिक रूप से इतने कमजोर क्यों हो रहे हैं? ये सवाल आपस में एक-दूसरे से गहरे तक जुड़े हुए हैं। असल में आत्महत्या का प्रयास करने वाले अधिकांश बच्चे मानसिक स्वास्थ्य विकार और अवसाद से ग्रस्त हो रहे हैं।

छोटे बच्चों में आत्महत्या के प्रयास अक्सर आवेगपूर्ण होते हैं। ये प्रयास उदासी, भ्रम, क्रोध या ध्यान और अति सक्रियता संबंधी समस्याओं से जुड़े हो सकते हैं। वहीं उन पर पढ़ाई और सबसे आगे रहने का दबाव भी बना हुआ है। हमारी शिक्षा प्रणाली उन पर इतना दबाव बना देती है कि वे मानसिक अवसाद में आ जाते हैं और पढ़ाई का बोझ सहन नहीं कर पाते। यह रट्टा मार शिक्षा व्यवस्था हमारे नौनिहालों के जीवन पर भारी पड़ रही है। असल में बच्चों से लेकर युवाओं तक में आत्महत्या एक गंभीर समस्या बनी हुई है। एक अनुमान के अनुसार, 15 से 24 वर्ष की आयु के बच्चों, किशोरों और युवा वयस्कों में आत्महत्या मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण है।

किशोरों में आत्महत्या के प्रयास तनाव, आत्म-संदेह, सफलता का दबाव, वित्तीय अनिश्चितता, निराशा और नुकसान की भावनाओं से जुड़ी हो सकती है। वहीं कुछ किशोरों के लिए आत्महत्या उनकी समस्याओं का समाधान लग सकती है। आत्महत्या के विचार और प्रयास अक्सर अवसाद से जुड़े होते हैं। अवसाद के अलावा अन्य जोखिम कारक भी हैं, जैसे आत्महत्या के प्रयासों का पारिवारिक इतिहास, हिंसा के संपर्क में आना, आवेगशीलता, आक्रामक या विघटनकारी व्यवहार, हथियारों तक पहुंच, निराशा या लाचारी की भावनाएं और तीव्र हानि या अस्वीकृति।

अगर बच्चों और किशोरों की बात की जाए तो आत्महत्या के बारे में सोच रहे बच्चे और किशोर खुलेआम आत्मघाती बयान या टिप्पणियां कर सकते हैं, जैसे काश मैं मर जाता या मैं अब ज्यादा समय तक तुम्हारे लिए समस्या नहीं रहूंगा आदि। आत्महत्या से जुड़े अन्य चेतावनी संकेतों में खाने या सोने की आदतों में बदलाव। बार-बार उदासी। दोस्तों, परिवार और नियमित गतिविधियों से दूरी। शारीरिक लक्षणों के बारे में अक्सर शिकायतें होती हैं, जो अक्सर भावनाओं से संबंधित होती हैं, जैसे पेट दर्द, सिर दर्द, थकान आदि। स्कूल के काम की गुणवत्ता में गिरावट। मौत होने को लेकर चिंता आदि। आत्महत्या के बारे में सोचने वाले युवा भविष्य की योजना बनाना या उसके बारे में बात करना भी बंद कर सकते हैं। असल में अवसाद और आत्महत्या की भावनाएं मानसिक विकार हैं, जिनका इलाज संभव है। बच्चे या किशोर की बीमारी की पहचान कर उचित उपचार किया जा सकता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***

0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

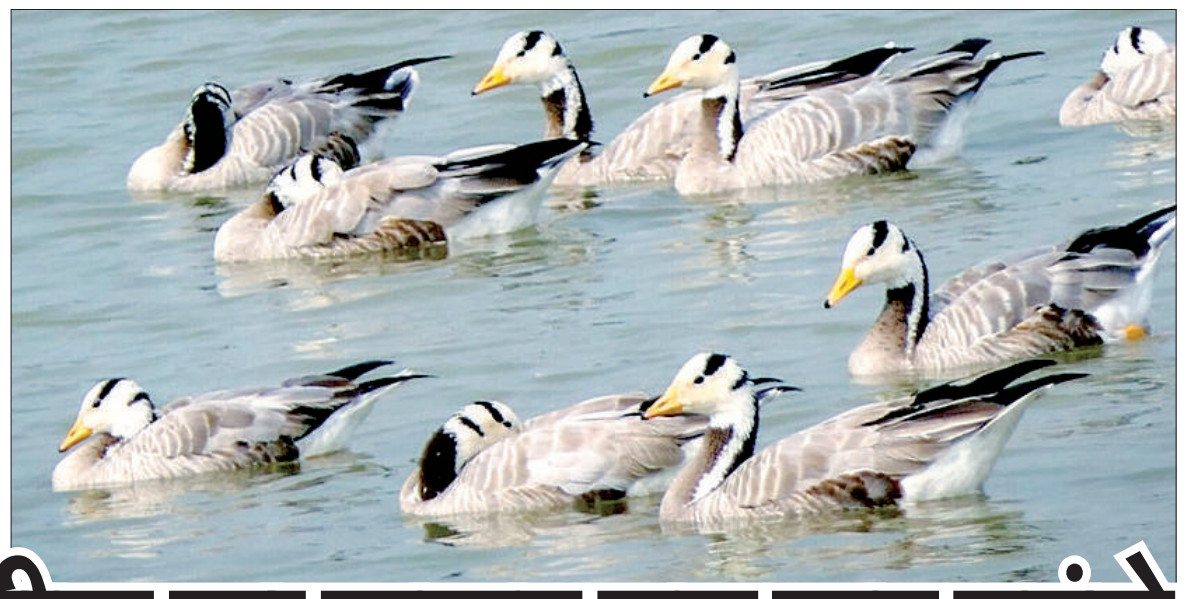

हजारों मील का सफर तय कर पहुंचे
सर्दियों के मेहमान

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के हसीन जंगल सिर्फ विदेशी पर्यटकों को ही आकर्षित नहीं कर रहें, बल्कि प्रवासी पक्षी भी अब यहां की आबो-हवा के दीवाने हो चुके हैं। हजारों मील का लंबा सफर तय कर साइबेरिया, मध्य एशिया और यूरोप में ठंड बढ़ने के साथ यह रंग-बिरंगे मेहमान (शरदकालीन प्रवासी पक्षी) तराई की गोद में बसे पीलीभीत टाइगर रिजर्व समेत आसपास की झीलों, नदियों और दलदली क्षेत्रों में नए बसेरे की तलाश में दस्तक दे चुके हैं। इन प्रवासी पक्षियों में कई ऐसे हैं, जिनकी खासियत हर किसी को हैरान कर देने वाली है। फिलहाल इन सभी ने अपना ठिकाना बनाने के बाद अब पानी में अठखेलियां और हवा में कलाबाजी कर लोगों में रोमांचित करना शुरू भी कर दिया है।

-सुनील यादव, पीलीभीत

ज्वेल ऑफ तराई कहे जाने वाले पीलीभीत टाइगर रिजर्व अपनी विशिष्ट जैव विविधिता के दम पर देश-दुनिया में टूरिज्म आइकॉन बनता जा रहा है। यहां के भारी-भरकम बाघों के बीच कई अन्य दुर्लभ स्तनधारी वन्यजीव भी हैं, जो शेड्यूल वन की श्रेणी में आते हैं। इन सबके बीच पिछले कुछ सालों से मेहमान परिंदों को भी पीलीभीत टाइगर रिजर्व की आबो-हवा रास आने लगी है। टाइगर रिजर्व के आंकड़ों के मुताबिक यहां पक्षियों की 350 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं। पक्षियों के इस अद्भुत संसार में अब दूर-दराज देशों एवं समेत देश के अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में मेहमान परिंदें भी प्रवास को आने लगे हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों के मुताबिक इन प्रवासी पक्षियों की प्रजातियों में धीरे-धीरे इजाफा भी हो रहा है।

प्रवासी पक्षियों पर लंबे समय से स्टडी करने वाली टरक्वाइज वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन सोसायटी के मुताबिक पीलीभीत टाइगर रिजर्व समेत आसपास क्षेत्र में सात समंदर पार समेत देश के विभिन्न राज्यों से 100 के अधिक प्रवासी पक्षियों की प्रजातियां प्रवास को आती हैं। यह प्रवासी पक्षी साल भर में दो बार अपनी आमद दर्ज कराते हैं। प्रवासी पक्षियों की यह आमद मानसून से पहले और मानसून के बाद होती है। पिछले माह ग्रीष्मकालीन प्रवासी पक्षियों की विदाई के साथ शरदकाल में रूस, साइबेरिया, अलास्का, सेंट्रल एशिया, लद्दाख आदि से शरदकालीन प्रवासी पक्षियों के झुंड दस्तक दे चुके हैं। तकरीबन चार से पांच माह के प्रवास के बाद यह फरवरी के अंतिम दिनों में वतन वापसी शुरू कर देते हैं। इसमें बड़ी संख्या में विदेशी पक्षी शामिल हैं, जो सात समंदर पार कर यहां टाइगर रिजर्व से सटे शारदा सागर डैम समेत अन्य झील-पोखरों में प्रवास कर रहे हैं। जंगल से सटे इलाके में 22 किमी लंबे शारदा सागर डैम में इनकी संख्या हजारों में होती है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में मुख्य रूप से बार हेडेड गूज, ग्रे लेग गूज, रेड क्रेस्टेड पोचार्ड, कामन पोचार्ड, टफटेड डक, लैपविंग, चैट, फ्लाईकेचर, कॉमन सैंडपाइपर, मालार्ड, नार्दन पिनटेल आदि प्रमुख शरदकालीन प्रवासी हैं। इसमें वल्चर, ईगल व चैट आदि कुछ दुर्लभ प्रजाति के प्रवासी पक्षी भी शामिल हैं। सोसायटी अध्यक्ष अख्तर मियां खान के मुताबिक शरदकालीन प्रवासी पक्षी संबंधित देशों में बर्फवारी और जलजमाव के चलते यहां अनुकूलन के लिए आते हैं। यहां इनको बेहतर हैवीवेट और खासा भोजन भी मिल जाता है। इन प्रवासी पक्षियों के अवैध शिकार पर रोकथाम समेत इनकी सुरक्षा को लेकर टाइगर रिजर्व प्रशासन ने शारदा सागर डैम समेत झीलों और अन्य जलाशयों की निगरानी बढ़ा दी है। सोसायटी के मुताबिक ग्रीष्मकालीन प्रवासी पक्षियों के मुकाबले सर्दी में आने वाले प्रवासी पक्षियों की संख्या पीलीभीत टाइगर रिजर्व में ज्यादा होती है। इनमें कुछ प्रवासी पक्षी ऐसे होते हैं, जिनकी खासियत को जानकर एक बारगी हर कोई हैरान रह जाएगा।

प्रवासी चिड़ियों की खासियत

- **बार हेडेड गूज-** यह प्रजाति रूस, कजाकिस्तान, मंगोलिया आदि जगहों से एक लंबा सफर तय करके हिमालय की 27 से 29 हजार फीट तक ऊंची चोटियों के ऊपर से उड़कर भारत में आते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक ये दुनिया के सबसे अधिक ऊंचाई पर उड़ने वाले पक्षी हैं। प्रवास से पहले हेडेड गूज काफी अधिक भोजन करके अपने शरीर में काफी वसा जमा कर लेते हैं, जो इन्हें लंबा सफर तय करने में खासी मदद करता है।
- **ग्रे लेग गूज-** यह प्रवासी पक्षी हिमालय पर तेज बर्फवारी के बाद पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सटे शारदा सागर डैम समेत बड़े जलाशयों में देखी जा रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक ग्रे लेग गूज घंटों बिना रुके आसमान में उड़ने की महारथ रखती है। धब्बेदार भूरे व सफेद पंखों, नारंगी चोंच और गुलाबी पैरों वाला यह प्रवासी पक्षी तापमान बढ़ने के साथ ही अपने पारंपरिक प्रवास के रास्ते से वतन वापसी करता है।
- **कॉमन पोचार्ड-** यूरोपीय देशों की स्थाई निवासी कॉमन पोचार्ड के झुंड यहां की झीलों और दलदली क्षेत्रों में बसेरा बना चुके हैं। अपने प्रवास के दौरान ये एक बड़े समूह में उड़कर आते हैं। प्रवास के दौरान जब इन्हें कोई डर महसूस होता है, तो ये तेजी से पानी पर दौड़कर उड़ान भरते हैं। भोजन की तलाश में यह पानी के अंदर दो मीटर गहराई तक चले जाते हैं।
- **फ्लाई कैचर-** शरीर से लंबी पूंछ और बेहद आर्कषक सा दिखने वाले पैराडाइज फ्लाई कैचर सर्दियों में श्रीलंका, तुर्किस्तान, मलेशिया आदि से यहां आते हैं। टाइगर रिजर्व के घने जंगलों में दस्तक देने वाले फ्लाई कैचर के शिकार का अंदाज भी कुछ खास है। ये हवा में नीचे की ओर उड़कर छोटे-छोटे कीट पतंगे, मक्खियों, तितलियां आदि कीड़ों का शिकार करते हैं। फ्लाई कैचर की सुंदरता पक्षी प्रेमियों को खासा आकर्षिक करती हैं।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में अभिलेखित पक्षी प्रजातियों में करीब 100 के आसपास प्रवासी पक्षी प्रजातियां हैं। यह संख्या हमें याद दिलाती है कि यह क्षेत्र न केवल बाघों का घर है, बल्कि हमारे पंखों वाले मेहमानों के लिए भी एक अहम ठिकाना है। हमें मिलकर सुनिश्चित करना चाहिए कि ये प्रवासी पक्षी जो दूर-दूर से आते हैं, उन्हें सुरक्षित आवास और शांति मिल सके। ताकि उनकी वार्षिक यात्राएं सदा चलती रहें।

- अख्तर मियां खान, अध्यक्ष, टरक्वाइज वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन सोसायटी

पीटीआर में वन एवं वन्यजीव संरक्षण की दिशा में बेहतर प्रयास किए जाने से सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। वन्यजीवों के साथ पक्षी प्रजातियों में भी बढ़ोतरी हुई हैं। इनमें माइग्रेटरी वर्डस भी शामिल हैं, जो हर साल ही बड़ी तादाद में यहां पहुंचती हैं। वन्यजीवों के साथ-साथ इनकी सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम किए गए हैं। माइग्रेटरी वर्डस की मौजूदगी पीटीआर और पर्यावरण दोनों के लिहाज से शुभ संकेत है।

- मनीष सिंह, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्र वाला आश्चर्यजनक ग्रह

एक ऐसा ग्रह है, जो सूर्य के आवेशित उच्च ऊर्जावान कण यानी हाई चार्ज पार्टिकल में घिरा रहता है। अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्र वाला यह ग्रह हमारे सौर मंडल के बाहर है, जो किसी भी तारे के गुरुत्वाकर्षण में बंधा हुआ नहीं है। वैज्ञानिकों ने हाल ही में इस ग्रह की जानकारियों का खुलासा किया है। पृथ्वी के सिर्फ ध्रुवों पर अक्सर सूर्य के आवेशित कणों से रंग-बिरंगी रोशनी से आसमान नहाया हुआ नजर आता है, मगर खोजे गए नए इस ग्रह के चारों ओर रंग-बिरंगे ऑरोरा नजर आते हैं। इस ग्रह का नाम सिम्प -0136 रखा गया है।

यह हमारे सौर मंडल के ग्रह बृहस्पति से भी बड़ा है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से आश्चर्यजनक कर देने वाले अनोखे ग्रह की खोज हुई। आयरलैंड के ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन के वैज्ञानिकों ने इसे खोजा। यह ग्रह हमसे 20 प्रकाश वर्ष दूर है। इसके व्यवहार को देख वैज्ञानिकों ने इस ग्रह को दुष्ट प्रकृति का ग्रह माना है। खगोलविदों ने पहली बार वर्ष 2018 में सिंप- 0136 को देखा था। गहन अध्ययन के बाद इसके ग्रह होने की पुष्टि हुई है, क्योंकि इसका किसी तारे से संबंध नहीं होने के कारण इसकी पहचान नहीं हो पा रही थी, मगर जेम्स वेब टेलीस्कोप के जरिए इसकी पुष्टि संभव हो सकी है। यह दुष्ट ग्रह बृहस्पति की तुलना में लगभग 13 गुणा अधिक विशाल है। यह बहुत गर्म ग्रह है, जिसका तापमान 1500 डिग्री सेल्सियस है। इस ग्रह के खोज का श्रेय डॉ. एवर्ट को जाता है, जिनका कहना है कि यह ग्रह प्रकाश की विभिन्न तरंग दैर्ध्य विभिन्न वायुमंडलीय विशेषताओं वाला है। इस ग्रह पर भारी मात्रा में चुंबकीय क्षेत्र फैला हुआ है, जिस कारण इसमें ऑरोरा बनते रहते हैं। यह अजूबा ग्रह है। इस तरह के ग्रह का पहली बार पता चला है। ब्रह्मांड में इस तरह के और ग्रह भी हो सकते हैं। इसकी वास्तविकता का पता चलने के बाद अधिक चुंबकीय घेरे वाले अन्य ग्रहों की खोज कर पाना आसान हो जाएगा।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

हैरान कर देने वाला है ग्रह

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे कहते हैं कि वास्तव में यह हैरान करने वाली खोज है। अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्र वाला भी कोई ग्रह हो सकता है, इसका पहले कभी किसी को कोई अहसास नहीं था। इस तरह के कुछ और ग्रह भी हो सकते हैं। अब अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्र वाले अन्य ग्रहों की खोज भी होने लगेगी।

रोचक किस्सा

जोस डेलगाडो

मैड्रिड विश्वविद्यालय के स्नातक जोस डेलगाडो को येल विश्वविद्यालय में भले ही एक प्रतिष्ठित प्रोफेसर का पद मिला हो, लेकिन इस प्रतिष्ठित संस्थान के शरीर विज्ञान विभाग में उनका शोध बेहद अजीब था, क्योंकि यह कुल मिलाकर मन पर नियंत्रण से संबंधित था। 1950 और 60 के दशक में येल में रहते हुए, डेलगाडो ने प्राइमेट्स के मस्तिष्क में इलेक्ट्रोड इम्प्लांट लगाए और एक रिमोट कंट्रोल का इस्तेमाल करके रेडियो फ्रीक्वेंसी जारी की, जिससे जानवर जटिल गतिविधियां कर पाए। बाद में, उन्होंने एक बैल के मस्तिष्क में एक इम्प्लांट लगाया और उस जानवर के साथ रिंग में उतरे और अपने ट्रांसमीटर का इस्तेमाल करके, उसे चार्ज होने से पहले ही रोक दिया। शायद सबसे ज्यादा चिंताजनक बात यह थी कि डेलगाडो ने कम से कम 25 लोगों को तार से जोड़ा था। व्यवहारिक रूप से उनके उपकरण का असर सिर्फ लोगों की आक्रामकता पर था, लेकिन वे मन पर नियंत्रण पाने के लिए लगातार प्रयास करते रहे थे। एक बार उन्होंने डरावने अंदाज में कहा था, "हमें मस्तिष्क को इलेक्ट्रॉनिक रूप से नियंत्रित करना होगा। किसी दिन सेनाओं और जनरलों को मस्तिष्क के विद्युतीय उत्तेजना से नियंत्रित किया जाएगा।"

प्राकृतिक अग्निरोधी है डीएनए

वैज्ञानिक फैक्ट

डीएनए को आमतौर पर जीवों में आनुवंशिक जानकारी के वाहक के रूप में जाना जाता है, लेकिन हाल के एक शोध ने इसकी एक बेहद दिलचस्प क्षमता का पता लगाया है। वैज्ञानिकों के अनुसार डीएनए में अग्निरोधी गुण पाए जाते हैं। जब सूती कपड़ों पर डीएनए की कोटिंग की जाती है, तो वे तेजी से आग पकड़ने के बजाय आग को रोकने का काम करते हैं।

आग रोधी होने का मुख्य कारण डीएनए की रासायनिक संरचना है। इसमें मौजूद फॉस्फेट गर्म होने पर फॉस्फोरिक अम्ल बनाता है, जो कपड़े की सतह पर एक सुरक्षात्मक परत तैयार कर देता है। यह परत आग और ऑक्सीजन के संपर्क को कम कर देती है, जिससे कपड़ा जलने से बच जाता है। वहीं नाइट्रोजन तत्व गर्म होकर अमोनिया गैस बनाता है, जो दहन प्रक्रिया को बाधित करता है और लौ को फैलने नहीं देता। चूंकि डीएनए प्राकृतिक रूप से प्राप्त होने वाला और पर्यावरण के लिए सुरक्षित पदार्थ है, इसलिए इसे एक इकोफ्रेंडली अग्निरोधक विकल्प माना जा रहा है। भविष्य में इस तकनीक का उपयोग कपड़ों, सुरक्षा उपकरणों और घरेलू वस्तुओं को अधिक सुरक्षित बनाने में किया जा सकता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	83,311.01	25,509.70
गिरावट	148.14	87.95
प्रतिशत में	0.18	0.34

सोना 1,24,700
प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,53,300
प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 7 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

गोदरेज का लाभ 21% बढ़कर 403 करोड़

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 21% बढ़कर 402.99 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजार को बताया कि गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 2024-25 की सितंबर तिमाही में 333.79 करोड़ का शुद्ध लाभ कमाया था। 2025-26 की सितंबर तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 1,950.05 करोड़ रुपये हो गई, जो गत वर्ष 1,346.54 करोड़ रुपये थी। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनियों में से है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 64% बढ़कर 8,505 करोड़ रुपये हो गई।

आर्सेलरमित्तल का लाभ 31% बढ़ा

नई दिल्ली। इस्पात एवं खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी आर्सेलरमित्तल का चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ 31.35% बढ़कर 37.7 करोड़ डॉलर हो गया। कंपनी ने पिछले साल की समान तिमाही में 28.7 करोड़ डॉलर का लाभ कमाया था। कंपनी जनवरी-दिसंबर वित्त वर्ष का अनुसरण करती है। सितंबर तिमाही में कंपनी की बिक्री 3% बढ़कर 1,565.7 करोड़ डॉलर हो गई, जो गत वित्त वर्ष की तिमाही में 1519.6 करोड़ डॉलर थी। आर्सेलरमित्तल के सीईओ आदित्य मित्तल ने कहा, बाजार की परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण हैं और शुल्क से जुड़ी बाधाएं अभी भी बनी हुई हैं, लेकिन हमें स्थिरता के संकेत दिखाई दे रहे हैं।

टेनेको क्लीन का आईपीओ 12 को

नई दिल्ली। अमेरिका स्थित टेनेको समूह की कंपनी टेनेको क्लीन एयर इंडिया लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) अभिदान के लिए 12 नवंबर को खुलेगा। कंपनी का लक्ष्य 3,600 करोड़ जुटाने का है। दस्तावेजों के अनुसार, यह पूरी तरह प्रवर्तक टेनेको मॉरीशस होल्डिंग्स लिमिटेड की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर है। इसमें कोई नए शेयर जारी नहीं किए जाएंगे। इसलिए कंपनी को आईपीओ से कोई आय प्राप्त नहीं होगी तथा जुटाई गई सारी धनराशि सीधे विक्रयकर्ता शेयरधारक को जाएगी। इस आईपीओ का मकसद केवल सूचीबद्ध होने से मिलने वाले लाभ हासिल करना है।

सेनको की बिक्री 56% बढ़कर 1,700 करोड़

मुंबई। आभूषण खुदरा विक्रेता सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स की अक्टूबर में बिक्री दिवाली और धनतेरस में मजबूत खरीदारी से सालाना आधार पर 56% बढ़कर 1,700 करोड़ रुपये से अधिक रही। कंपनी ने कहा कि मूल्य के लिहाज से सोने की बिक्री में 60 प्रतिशत और हीरे की बिक्री में 32 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई। कंपनी की सोने की बिक्री में चार प्रतिशत, हीरों की बिक्री में पांच प्रतिशत और चांदी की बिक्री में आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई।

एलआईसी का लाभ 32 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सार्वजनिक बीमा कंपनी एलआईसी का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 32 प्रतिशत बढ़कर 10,053 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई- सितंबर तिमाही में 7,621 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने गुरुवार को शेयर को दी जानकारी में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही में उसका कुल आय बढ़कर 2,39,614 करोड़ रुपये हो गई।

देश को वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत, आरबीआई से वार्ता जारी

सीतारमण ने वित्तीय संस्थानों से उद्योग जगत के लिए कर्ज प्रवाह को बढ़ाने और व्यापक बनाने का किया आग्रह

- **12वें एसबीआई बैंकिंग एंड इकॉनमिक्स सम्मेलन को केंद्रीय मंत्री ने किया संबोधित**

मुंबई, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि देश को बड़े और वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत है और इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और बैंकों के साथ बातचीत जारी है। सीतारमण ने 12वें 'एसबीआई बैंकिंग एंड इकॉनमिक्स' सम्मेलन-2025 में वित्तीय संस्थानों से उद्योग जगत के लिए कर्ज प्रवाह को बढ़ाने और व्यापक बनाने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से मांग बढ़ेगी और इससे कुल मिलाकर निवेश बढ़ेगा।

उन्होंने सलाह दी कि वित्त तक पहुंच अत्यंत महत्वपूर्ण है और एक प्रणाली-संचालित, पारदर्शी ऋण प्रक्रिया आवश्यक है। वित्त मंत्री ने कहा कि देश को कई बड़े और विश्वस्तरीय बैंकों की जरूरत है...। सरकार इस पर विचार कर रही है और काम शुरू हो चुका है। हम आरबीआई और बैंकों के साथ इस पर चर्चा कर रहे है। सरकार के इस पर कोई निर्णय लेने से पहले, बहुत सारा काम किया जाना बाकी है। इसमें आरबीआई से इस बारे में सुझाव लेना भी शामिल है कि वे बड़े बैंक कैसे बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, यह मौजूदा बैंकों से सृजित करके... सिर्फ एकीकरण द्वारा नहीं हो सकता... यह एक रास्ता हो सकता है, लेकिन आपको एक ऐसा परिवेश और माहौल की जरूरत है जिसमें ज्यादा बैंक काम कर सकें और आगे बढ़ सकें। भारत में यह परिवेश वास्तव में अच्छी तरह से स्थापित है...। सरकार ने बड़े बैंक बनाने के प्रयास में, पहले भी दो दौर का एकीकरण किया है। बैंकिंग क्षेत्र में सबसे बड़े एकीकरण के तहत सरकार ने अगस्त, 2019 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के चार बड़े विलय की घोषणा की थी। इससे उनकी कुल संख्या घटकर 12 हो गई, जो 2017 में 27 थी। 2020 में यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया और ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स का पंजाब नेशनल बैंक में विलय हुआ। सिंडिकेट बैंक का केनरा बैंक में जबकि इलाहाबाद बैंक का इंडियन बैंक में विलय किया गया।

12वें एसबीआई बैंकिंग और इकोनॉमिक्स कॉन्क्लेव 2025 में शामिल केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और एसबीआई अध्यक्ष चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी।

शाखा कर्मचारी जानें स्थानीय भाषा

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों से आग्रह किया कि वे ग्राहकों से जुड़ाव बढ़ाने को शाखा कर्मचारियों के लिए स्थानीय भाषा की जानकारी सुनिश्चित करें। ग्राहकों से जुड़ाव कम होने से क्रेडिट सूचना कंपनियों पर निर्भरता बढ़ गई है। ये कंपनियां आंकड़े अद्यतन करने में लंबा समय लेती हैं, जिससे ग्राहकों को कर्ज देने से मना कर दिया जाता है। स्थानीय भाषा न बोलने पर बैंक अधिकारियों के राजनीतिक दलों के गुस्से का सामना करने की कई घटनाओं के बाद उन्होंने यह बात कही है। मंत्री ने नियुक्ति और मानव संसाधन नीतियों में बदलाव की भी वकालत की ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि स्थानीय भाषा बोलने वाले लोगों की भर्ती की जाए और उनका बेहतर मूल्यांकन भी हो। सीतारमण ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए भर्ती करें कि शाखा में तैनात प्रत्येक कर्मचारी अपने ग्राहक को समझे और स्थानीय भाषा बोले। अगर शीर्ष प्रबंधन नहीं बोलता है, तो शाखा स्तर के अधिकारी को बोलना चाहिए।

वायदा एवं विकल्प कारोबार में खुदरा निवेशकों को शामिल होने से नहीं रोक सकती सरकार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार खुदरा विक्रेताओं को वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) खंड में कारोबार करने से नहीं रोक सकती, लेकिन ऐसे उत्पादों में पैसा लगाने से जुड़े जोखिमों के बारे में जागरूक जरूर करेगी। यह बयान सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय द्वारा निफ्टी और सेंसेक्स में साप्ताहिक डेरिवेटिव अनुबंधों को बंद करने से इन्कार करने के कुछ दिनों बाद आया है। वायदा एवं विकल्प खंड (डेरिवेटिव) पर सरकार के रुख के बारे में सीतारमण ने कहा कि सरकार 'एफएंडओ कारोबार के दरवाजे बंद करने के लिए नहीं है, लेकिन वह लोगों को डेरिवेटिव में शामिल जोखिमों के प्रति जागरूक कर सकती है। इस खंड में खुदरा विक्रेताओं को नुकसान की विभिन्न रिपोर्ट के बीच उन्होंने यह बात कही। उन्होंने एसबीआई के सम्मेलन में कहा, निवेशकों की भी जिम्मेदारी है कि वे इसमें शामिल जोखिमों को समझें। सीतारमण ने एफएंडओ खंड में खुदरा विक्रेताओं के कारोबार के मामले से निपटने के लिए सुझाव मांगे। सेबी के अध्ययन के अनुसार, वायदा और विकल्प (एफएंडओ) खंड में 91% कारोबारियों को 2024-25 में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। यह वह धनराशि थी जो जिम्मेदार निवेश और पूंजी निर्माण में योगदान दे सकती थी। सेबी ने पिछले साल नवंबर में डेरिवेटिव कारोबार में अत्यधिक सट्टेबाजी पर अंकुश लगाने के लिए उपाय पेश किए थे। वायदा अनुबंध के तहत खरीदार और विक्रेता एक पूर्व निर्धारित भविष्य की तिथि और मूल्य पर लेन-देन करने के लिए सौदा करते हैं और वे उसके लिए बाध्य होते हैं। जबकि विकल्प सौदों के तहत अनुबंध धारक को निश्चित अवधि में तय मूल्य पर परिसंपत्ति खरीदने या बेचने का अधिकार होता हैं, लेकिन बाध्यता नहीं होती।

जल्द लाएंगे टिकाऊ विमानन ईंधन नीतिः नायडू

नई दिल्ली, एजेंसी

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने गुरुवार को कहा कि सरकार बहुत जल्द ही सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) पर एक नीति लेकर आएगी। इससे कच्चे तेल के आयात को कम करने, किसानों की आय बढ़ाने और अधिक हरित रोजगार सृजित करने में मदद मिलेगी।

दिल्ली में नागर विमानन मंत्रालय और उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित 'भारत सतत विमानन ईंधन शिखर सम्मेलन' 2025 में मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि एसएएफ (सतत विमानन ईंधन) को अपनाने के लिए अधिक नवाचार, निवेश एवं सामूहिक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की जरूरत है। भारत का लक्ष्य 2027 तक विमान ईंधन में एसएएफ का 1%, 2028 तक 2% तथा 2030 तक 5% मिश्रण करना है। एसएएफ का उपयोग विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) में 'ड्रॉप-इन' ईंधन के रूप में किया जा सकता है। मंत्री ने कहा कि तेल कंपनियों के अलावा निजी कंपनियों को भी एसएएफ उत्पादन में शामिल होना चाहिए। वैश्विक स्तर पर 2040 तक एसएएफ की जरुरत 18.3 करोड़ टन होने का अनुमान है।

नायडू ने कहा कि कच्चे माल से लेकर ईंधन तक, किसानों से लेकर विमान चालकों तक तथा तलने से लेकर उड़ान भरने तक... वास्तव में किसने सोचा होगा कि समोसे तलने वाले भी इस वैश्विक विमानन आंदोलन में हिस्सा ले सकते हैं। भारत में 75 करोड़ टन से अधिक बायोमास उपलब्ध है और 21.3 करोड़ टन अधिशेष कृषि अवशेष है।

नायडू ने कहा कि सरकार बहुत जल्द एसएएफ नीति लेकर आएगी। कार्बन उत्सर्जन को कम करने के अलावा, एसएएफ किसानों की आय में 10-15% की वृद्धि करके उन्हें सशक्त बना सकता है। एसएएफ उत्पादन हमारे कच्चे तेल के आयात को हर साल पांच से सात अरब डॉलर तक कम करने के साथ मूल्य श्रृंखला में 10 लाख से अधिक हरित रोजगार सृजित करने में भी मदद कर सकता है। वैश्विक एसएएफ वर्तमान में बहुत कम है।

मंत्री ने कहा कि भारत सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है। घरेलू विमान कंपनियों ने 1,700 से अधिक विमानों के ऑर्डर दिए हैं।

- **नागर विमानन मंत्री बोले- कच्चे तेल के आयात को कम करने और हरित रोजगार सृजित में मिलेगी मदद**

सेबी मूल्यांकन संबंधी चिंताओं पर हस्तक्षेप नहीं करेगा : पांडेय

मुंबई, एजेंसी

आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में ऊंचे मूल्यांकन को लेकर उत्पन्न चिंताओं के बीच भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने स्पष्ट किया कि पूंजी बाजार नियामक इस पहलू में हस्तक्षेप नहीं करेगा।

पांडेय ने गुरुवार को कहा, हम मूल्यांकन का निर्धारण नहीं करते। यह निवेशक के आकलन पर निर्भर करता है। लेंसकार्ट के 7,200 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की कीमत बहुत अधिक रखे जाने पर चिंता जताने के कुछ दिन बाद पांडेय ने स्पष्ट किया कि सेबी इस पहलू में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। बाजार अवसरों के आधार पर मूल्य निर्धारण करने के लिए स्वतंत्र है। अतीत में भी, कई हितधारकों द्वारा मूल्यांकन संबंधी चिंताएं उठाई गई हैं। खासकर से नए युग या डिजिटल कंपनियों जैसे नाइका या पेटीएम के आईपीओ के मामले में। इस बीच, एक्सीलेंस इनेबलर्स द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पांडेय ने कंपनियों से कहा कि उन्हें पर्यावरण, सामाजिक एवं प्रबंधन (ईएसजी) प्रतिबद्धताओं के प्रति अधिक प्रामाणिक होना चाहिए। उन्होंने कहा, ईएसजी प्रामाणिक होना चाहिए, न कि ब्रांडिंग अभ्यास। पांडेय ने कहा कि इसे मापने योग्य परिणामों से जोड़ा जाना चाहिए, स्वतंत्र आश्वासन के अधीन होना चाहिए और वास्तविक बोर्ड निरीक्षण में निहित होना चाहिए। यह स्पष्ट करते हुए कि ईएसजी अब वैकल्पिक नहीं है, पांडेय ने कहा कि व्यवसाय को विनियमों को लाभ में बदलना होगा न कि एक दायित्व में, जिसका अनुपालन किया जाना आवश्यक है। पांडेय ने यह भी कहा कि कंपनियों के निदेशकों एवं वरिष्ठ प्रबंधन को साइबर जोखिम, व्यवहार विज्ञान, डेटा नैतिकता और स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी क्षमता को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के बाजार की जटिलता औपचारिक निरीक्षण की नहीं, बल्कि सूचित निर्णय की मांग करती है।

सेबी प्रमुख बोले- बाजार अवसरों के आधार पर मूल्य तय करने को स्वतंत्र

आईपीओ में भागीदारी बढ़ाने को उठाया कदम

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने आईपीओ में एंकर निवेशकों के लिए शेयर-आवंटन ढांचे में सुधार करते हुए नियमों में संशोधन किया है। इसका उद्देश्य म्यूचुअल फंड, बीमा कंपनियों और पेंशन कोष जैसे घरेलू निवेशकों की भागीदारी को व्यापक बनाना है। नियामक ने एंकर हिस्से में आरक्षित कोटा को बढ़ाकर 40% कर दिया है, जो 33 था। इसमें म्यूचुअल फंड के लिए 33और बीमा कंपनियों तथा पेंशन कोष के लिए शेष 7% है। सेबी ने 31 अक्टूबर की अधिसूचना में कहा कि यदि बीमा कंपनियों और पेंशन कोष के लिए आरक्षित 7% हिस्से को अभिदान नहीं मिलता है, तो उसे म्यूचुअल फंड को आवंटित कर दिया जाएगा।

शेयर बाजार के सेक्टर

समझदारी से करें चयन

शेयर बाजार में निवेश केवल शेयर खरीदने का खेल नहीं है, बल्कि यह समझने की कला है कि कौन-सा सेक्टर कब और क्यों अच्छा प्रदर्शन करेगा। हर सेक्टर अर्थव्यवस्था के किसी हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है- कोई तकनीक से तो कोई उपभोक्ता मांग या निर्माण से जुड़ा है। आईटी, बैंकिंग, फार्मा, एफएमसीजी, ऊर्जा, और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे प्रमुख सेक्टर भारत की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान देते हैं। इनकी समझ निवेशक को न केवल स्थिरता बल्कि उच्च रिटर्न का अवसर भी प्रदान करती है। सही सेक्टर में निवेश, समय और जोखिम के संतुलन के साथ, निवेशक की संपत्ति को बढ़ा सकती है।

सेक्टरों के कार्य

सेक्टरों का मुख्य कार्य पूंजी प्रवाह को संचालित करना, उत्पादन और सेवाओं को बढ़ाना तथा रोजगार सृजन करना है। बैंकिंग सेक्टर वित्तीय सहायता, आईटी- तकनीकी विकास, फार्मा स्वास्थ्य सेवाएं, जबकि एफएमसीजी उपभोक्ता आवश्यकताओं को पूरा करता है। ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर देश की औद्योगिक गतिविधियों को शक्ति देते हैं। कुल मिलाकर, ये सेक्टर आर्थिक विकास की गति बढ़ाने और निवेश के अवसर पैदा करने का कार्य करते हैं।

सेक्टरों की भूमिका

हर सेक्टर विशिष्ट भूमिका निभाता है। ये सेक्टर मिलकर राष्ट्र की प्रगति, निवेश वृद्धि और रोजगार सृजन को मजबूती देते हैं। इस प्रकार, सेक्टरों की भूमिका देश की आर्थिक स्थिरता और समृद्धि सुनिश्चित करना है।

विभिन्न सेक्टर

- **आईटी** (सूचना प्रौद्योगिकी) : यह सेक्टर सॉफ्टवेयर, क्लाउड, डिजिटल सेवाओं और ऑटोमेशन में अग्रणी है।
- **बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं** : इसकी कंपनियां लोन, बीमा और निवेश सेवाएं प्रदान करती हैं।
- **ऑटोमोबाइल** : वाहन निर्माण और इलेक्ट्रिक व्हीकल इनोवेशन से जुड़ा सेक्टर है, जो विनिर्माण में अपनी भूमिका निभाता है।
- **फार्मा** (फार्मास्युटिकल) : दवाओं की खोज, विकास, उत्पादन और मार्केटिंग से जुड़ा सेक्टर मंदी में भी स्थिर रहता है।
- **एफएमसीजी** : रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुएं बनाने वाली कंपनियां कम जोखिम और स्थायी मुनाफा देती हैं।
- **मेटल और एनर्जी** : इन्हें साइक्लिकल सेक्टर कहा जाता है। यह आर्थिक गतिविधियों पर निर्भर हैं।
- **इंफ्रास्ट्रक्चर और रियल एस्टेट** : देश के विकास और सरकारी परियोजनाओं से जुड़ा यह सेक्टर लंबी अवधि के निवेशकों के लिए लाभकारी है।
- **टेलीकॉम और टेक्सटाइल** : तेजी से बढ़ती तकनीक और उपभोक्ता मांग के चलते इन सेक्टरों में ग्रोथ की संभावना अधिक है।

एसबीआई फंड मैनेजमेंट में 6% बिकेगी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। एसबीआई ने गुरुवार को कहा कि उसने अपनी अनुषंगी कंपनी एसबीआई फंड मैनेजमेंट लि. में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से 6% हिस्सेदारी के विनिवेश को मंजूरी दे दी है।

एसबीआई म्यूचुअल फंड के प्रायोजकों में से एक, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लि. (एसबीआईएफएमएल) एसबीआई कार्ड्स और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के बाद सूचीबद्ध होने वाली एसबीआई की तीसरी अनुषंगी कंपनी होगी। देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने आईपीओ के माध्यम से 3,20,60,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री को मंजूरी दी है, जो (एसबीआईएफएमएल) की इक्विटी पूंजी के 6.3007 प्रतिशत के बराबर है। यह मंजूरी नियामकीय अनुमोदन पर निर्भर है। एसबीआईएफएमएल की अन्य प्रवर्तक, अमुंडी इंडिया होल्डिंग, 1,88,30,000 इक्विटी शेयरों का विनिवेश करेगी।

प्रतिस्पर्धा, भारी बारिश से सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर पांच माह के निचले स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर प्रतिस्पर्धी दबाव और भारी बारिश से अक्टूबर में पांच महीने के निचले स्तर पर आ गई। गुरुवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक सितंबर के 60.9 से अक्टूबर में 58.9 पर आ गया। यह मई के बाद से विस्तार की सबसे धीमी गति को दर्शाता है। इस नरमी के बावजूद, अक्टूबर माह का सेवा पीएमआई सूचकांक 50 के तटस्थ स्तर तथा 54.3 के अपने दीर्घकालिक औसत से काफी ऊपर रहा। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक गतिविधियों में विस्तार और 50 से कम का आशय संकुचन से है। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर अक्टूबर में घटकर 58.9 पर आ गई जो मई के बाद से विस्तार की सबसे धीमी गति को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल द्वारा 400 कंपनियों की समिति से संकलित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई के अनुसार, मांग में तेजी तथा जीएसटी राहत जैसे कारकों से परिचालन स्थितियों में सुधार हुआ।

- **अक्टूबर में घटकर 58.9 पर आया जो मई के बाद से विस्तार की सबसे धीमी गति को दर्शाता है**

मजबूत मांग से घरों की कीमतें बढ़ेंगी 5-10%

नई दिल्ली, एजेंसी

बेहतर मांग के कारण अगले कुछ वर्षों में घरों की कीमतों में सालाना पांच से 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने की संभावना है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और कोलियर्स की एक संयुक्त रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

उद्योग निकाय सीआईआई और रियल एस्टेट सलाहकार कोलियर्स इंडिया ने बृहस्पतिवार को आयोजित एक सम्मेलन में 'रियल एस्टेट 2047: बिल्डिंग इंडिया ग्रोथ फ्यूचर कॉरिडोर' शीर्षक वाली एक रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि वार्षिक बिक्री वर्तमान तीन-चार लाख इकाई से बढ़कर 2047 तक 10 लाख इकाई हो सकती है। यह रिपोर्ट सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की उप सचिव हरलीन कौर ने जारी की। बढ़ते आय के स्तर, जनसांख्यिकीय बदलाव और प्रगतिशील आवास नीतियों के कारण वार्षिक बिक्री संभावित रूप से दोगुनी होकर 2047 तक 10 लाख इकाइयों तक पहुंच सकती है। इसके अलावा, बढ़ती आय, शहरी प्रवास और प्रीमियम आवास की मांग के कारण अगले कुछ वर्षों में औसत संपत्ति की कीमतों में सालाना पांच से 10 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है।

- **भारतीय उद्योग परिसंघ और कोलियर्स की संयुक्त रिपोर्ट में दी गई जानकारी**

बैंक ऑफ इंग्लैंड ने नीतिगत दर को 4% पर स्थिर रखा

लंदन। ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक ने खुदरा मुद्रास्फीति के निर्धारित लक्ष्य से ऊपर रहने के बीच गुरुवार को अपनी नीतिगत ब्याज दर को 4% पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया।

बैंक ऑफ इंग्लैंड की नौ-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का नीतिगत दर को स्थिर रखने का निर्णय अपेक्षा के अनुरूप ही है। कुछ अर्थशास्त्रियों का कहना था कि केंद्रीय बैंक ब्याज दर में 0.25% अंक की कटौती कर सकता है। एमपीसी का यह फैसला नजदीकी बहुमत से लिया गया। समिति ने यथास्थिति बनाए रखने के पक्ष में मत दिया जबकि चार सदस्य कटौती करना चाह रहे थे। गवर्नर एंड्रू बेली ने कहा, दरें धीरे-धीरे नीचे की ओर जाएंगी। अगली कटौती से पहले यह तय करना जरूरी है कि मुद्रास्फीति दो प्रतिशत के लक्ष्य की दिशा में स्थिर रूप से लौट रही है।

व्यापार वार्ता | चार-दिवसीय दौरे पर गए गोयल ने न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मैकक्ले के साथ कर रहे समीक्षा

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते को जल्द देंगे अंतिम रूप : गोयल

रोटोरुआ (न्यूजीलैंड), एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत तेजी से आगे बढ़ रही है और इसे जल्द ही अंतिम रूप देने की उम्मीद है। न्यूजीलैंड के चार-दिवसीय दौरे पर आए गोयल एफटीए पर जारी बातचीत में हुई प्रगति की मेजबान देश के व्यापार मंत्री टॉड मैकक्ले के साथ समीक्षा कर रहे हैं।

गोयल ने कहा, हम बहुत जल्द एफटीए को अंतिम रूप देने जा रहे हैं। दोनों पक्ष एक-दूसरे की संवेदनशीलताओं का सम्मान कर रहे हैं। व्यापार वार्ता में लगी दोनों देशों की टीमें अधिकांश मुद्दों पर सहमति बना चुकी हैं। कुछ ही बिंदु रह गए हैं और उन पर चर्चा जारी है। सहयोग की भावना के साथ अधिकांश मुद्दों का समाधान हो चुका है। वार्ता कल भी जारी रहेगी और हमें उम्मीद है कि काफी प्रगति होगी। न्यूजीलैंड के साथ 1.5 अरब डॉलर के मौजूदा द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने में एफटीए की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री ने कहा कि यह समझौता व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा। पिछले एक साल में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 10% तक बढ़ा है। मैकक्ले ने कहा कि यह समझौता कृषि प्रौद्योगिकी, विज्ञान और नवाचार के क्षेत्रों में भी सहयोग को बढ़ावा देगा। दोनों पक्ष वार्ता में बहुत अच्छी प्रगति कर रहे हैं।

रोटोरुआ में अपने समकक्ष टॉड मैक्ले के साथ केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल।

पेरू के साथ व्यापार समझौते पर अगले दौर की वार्ता जनवरी 2026 में होने की संभावना

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण अमेरिकी देश पेरू के बीच अगले दौर की वार्ता अगले साल जनवरी में राष्ट्रीय राजधानी में हो सकती है। वाणिज्य मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पेरू के साथ नौवें दौर की वार्ता पांच नवंबर को लीमा में संपन्न हुई। पेरू महत्वपूर्ण खनिजों का एक प्रमुख उत्पादक है जो इलेक्ट्रॉनिक, मोटर वाहन और सौर ऊर्जा क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण कच्चा माल है। मंत्रालय ने कहा, चर्चा में प्रस्तावित समझौते के प्रमुख अध्यायों पर ठोस प्रगति देखी गई जिसमें वस्तुओं एवं सेवाओं का व्यापार, उत्पत्ति के नियम, व्यापार में तकनीकी बाधाएं, सीमा शुल्क प्रक्रियाएं, विवाद निपटान और महत्वपूर्ण खनिज शामिल हैं। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वाणिज्य विभाग में संयुक्त सचिव एवं समझौते के मुख्य वार्ताकार विमल आनंद कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा, दोनों पक्ष जनवरी, 2026 में नयी दिल्ली में प्रस्तावित अगले दौर की वार्ता से पहले लंबित मुद्दों के समाधान के लिए अंतर-सत्रीय बैठकें आयोजित करने पर सहमत हुए। इस बीच, भारत और चिली ने 27-30 अक्टूबर को सैंटियागो में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के लिए तीसरे दौर की वार्ता भी पूरी कर ली है। मंत्रालय ने कहा, पेरू और चिली से भारत का बढ़ता व्यापारिक संबंध, लाभकारी एवं व्यापक आर्थिक सहयोग ढांचे के माध्यम से लातिनी अमेरिकी क्षेत्र के साथ मजबूत साझेदारी बनाने पर उसके रणनीतिक रूप से ध्यान देने की बात को दर्शाता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिका के डिकिंसन कॉलेज को पूर्व छात्र ने दो करोड़ डॉलर दान किया

हैरिसबर्ग। अमेरिका में पेंसिल्वेनिया के कार्लिस्ले स्थित डिकिंसन कॉलेज को उसके पूर्व छात्र सैमुअल जी. रोज़ ने क्षेत्र के मूलनिवासियों के इतिहास और संस्कृति पर केंद्रित एक कला एवं शिक्षा केंद्र विकसित करने के लिए 2 करोड़ डॉलर दान किया है। डिकिन्सन कॉलेज के 242 साल के इतिहास में यह सबसे बड़ा दान है। इसके साथ ही रोज की ओर से दिया गया अब कुल दान 10 करोड़ डॉलर हो गया है। इस दान से निवासियों के भविष्य के लिए जिम थॉर्प केंद्र का निर्माण किया जाएगा। शिक्षा एवं कला केंद्र में रोज के नाम से एक गैलरी होगी, जिसमें आदिवासी संस्कृति और कला का प्रदर्शन होगा। यह गैलरी कॉलेज के कला संग्रह को और समृद्ध करेगी तथा उसके शैक्षणिक कार्यक्रमों को बेहतर बनाएगी।

दक्षिण अफ्रीका में जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे ट्रंप

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। ट्रंप ने बुधवार को मियामी में 'अमेरिका बिजनेस फोरम' में कहा, मैं नहीं जा रहा हूं। दक्षिण अफ्रीका में जी-20 की बैठक है। दक्षिण अफ्रीका को जी-20 में ही नहीं होना चाहिए क्योंकि वहां जो हुआ है वह बहुत बुरा है। मैंने उन्हें बता दिया है कि मैं नहीं आ रहा हूं। मैं वहां अपने देश का प्रतिनिधित्व नहीं करने वाला। दक्षिण अफ्रीका ने एक दिसंबर 2024 को एक साल के लिए जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की थी और वह 22 और 23 नवंबर को जोहानिसबर्ग में समूह के नेताओं की शिखर बैठक की मेज़बानी करेगा। यह पहली बार है जब जी-20 शिखर सम्मेलन अफ्रीकी धरती पर आयोजित किया जाएगा।

बांग्लादेशी कलाकारों ने 18 साल बाद पाकिस्तान के कराची में प्रस्तुति दी

कराची। बांग्लादेशी कलाकारों की 18 साल बाद पाकिस्तान में प्रस्तुति ने दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। ये कलाकार कराची कला परिषद में आयोजित विश्व सांस्कृतिक महोत्सव में भाग ले रहे हैं। बांग्लादेशी दल में कई कलाकार हैं, जिनमें कुछ हिंदू कलाकार भी हैं। बुधवार रात शिरीन जवाद की मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व 'बांग्लादेश आर्ट वीक' की संस्थापक निहारिका मुमताज कर रही हैं। उन्होंने कहा, लगभग 18 साल बाद पाकिस्तान में बांग्लादेशी कलाकारों के लिए यह अवसर हमारी सांस्कृतिक विविधता को यहां के लोगों के सामने प्रस्तुत करने का शानदार मौका है।

दक्षिण कोरिया को विदेशी दुल्हनें पसंद 71% पुरुषों ने की दूसरे देशों में शादी

सियोल। दक्षिण कोरिया में बहुसांस्कृतिक विवाहों की संख्या लगातार तीसरे वर्ष बढ़ी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से दक्षिण कोरियाई पुरुषों और विदेशी दुल्हनों के बीच होने वाले विवाहों की वजह से दर्ज की गई है।

आंकड़ों के अनुसार 2024 में दक्षिण कोरिया और विदेशी नागरिकों के बीच 21,450 विवाह हुए। यह संख्या 2023 की तुलना में पांच फीसदी अधिक है। दक्षिण कोरियाई पुरुषों का विदेशी महिलाओं से शादी करने का प्रतिशत 71.2 रहा, जबकि विदेशी पुरुषों से दक्षिण कोरियाई महिलाओं के बीच हुए विवाह का प्रतिशत 18.2 प्रतिशत रहा। इसके अलावा, 10.6 प्रतिशत विवाह ऐसे थे, जिनमें जीवनसाथी पहले किसी दूसरे देश के नागरिक थे, लेकिन अब दक्षिण कोरिया की नागरिकता ले चुके हैं।

- **हर साल बढ़ रहा है आंकड़ा, 18% महिलाओं ने भी तलाशे विदेशी पति**

इन अंतर्राष्ट्रीय विवाहों में दूल्हे की औसत उम्र 37 वर्ष और दुल्हन की 30 साल की रही है। विदेशी दुल्हनों में वियतनामी महिलाओं की हिस्सेदारी सबसे अधिक 26.8 प्रतिशत रही। चीन से आई दुल्हनों का प्रतिशत 15.9 रहा जो इस मामले में दूसरा स्थान है। थाई दुल्हनें 10 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर हैं। दक्षिण कोरियाई महिलाओं से विवाह करने वाले विदेशी पुरुषों में अमेरिकी 7.0 प्रतिशत, चीनी 6.0 प्रतिशत और वियतनामी 3.6 प्रतिशत रहे।

भारत समेत कई देशों की चुनौती

हिंद-प्रशांत क्षेत्र विवाद

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हिंद महासागर और पश्चिम तथा मध्य प्रशांत महासागर शामिल हैं जो अफ्रीका के पूर्वी तट से अमेरिका के पश्चिमी तट तक फैला है। इस क्षेत्र में मेडागास्कर से ओशिनिया तक का समुद्री विस्तार शामिल है। जलडमरूमध्य और तटीय जल भी शामिल हैं जो दोनों महासागरों को जोड़ते हैं। हिंद-प्रशांत विवाद चीन के बढ़ते आधिपत्य और दक्षिण चीन सागर पर उसके दावों से जुड़ा है, जो इसे दुनिया का सबसे संघर्षपूर्ण क्षेत्र बनाता है। चीन सैन्य शक्ति बढ़ा रहा है, जो इस क्षेत्र से जुड़े कई देशों के लिए बड़ी चुनौती है, क्योंकि इससे समुद्री व्यापार मार्गों के लिए खतरा पैदा होता है। इस चुनौती का मुकाबला करने के लिए अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने क्वाड जैसे गठबंधन बनाया है। भारत सागर और एक्ट ईस्ट नीतियों के माध्यम से अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है।

महत्व और विवाद की पृष्ठभूमि

- हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक व्यापार का एक बड़ा हिस्सा संभालता है, जिसमें दुनिया का 40% से अधिक व्यापार और भारत का लगभग 80% व्यापार इसी क्षेत्र से होता है।
- चीन ने दक्षिण चीन सागर पर प्रभुत्व जमाने के लिए सैन्य बल का इस्तेमाल किया है और वियतनाम, फिलीपींस जैसे देशों के विवादित द्वीपों पर कब्जा भी किया है।
- चीन का दक्षिण चीन सागर में बढ़ता सैन्यीकरण और आक्रामक विदेश नीति अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए खतरा है, इससे अमेरिका और सहयोगी देश चिंतित हैं।

चीन की चुनौतीपूर्ण गतिविधियां

- चीन अपनी नौसैनिक शक्ति बढ़ाने के साथ अपनी उपस्थिति को हिंद महासागर तक फैला रहा है, जो उसकी रणनीतिक और आर्थिक पहुंच मजबूत करता है।
- चीन के क्षेत्रीय दावे जैसे कि दक्षिण चीन सागर में नाइन-डैश लाइन बाकी सभी देशों के लिए चुनौती हैं और समुद्री व्यापार मार्गों पर नियंत्रण का एक प्रयास हैं।
- चीन क्षेत्र के अन्य देशों को प्रभावित करने के लिए आर्थिक ताकत के इस्तेमाल के साथ अमेरिका के सहयोगियों के प्रति अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा है।

चीन को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रयास

- क्वाड भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका का शक्तिशाली गठबंधन है जो चीन का मुकाबला करने और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए है।
- ऑकस ऑस्ट्रेलिया, यूके और यूएस का गठबंधन है, यह सुरक्षा साझेदारी भी चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए प्रयास कर रही है।
- इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क भी चीन की हिंद-प्रशांत में प्रभुत्व जमाने के लिए खिलाफ वैकल्पिक आर्थिक ढांचा प्रदान करता है।

इनके लिए खतरा : चीन के सैन्य दबाव के कारण ताइवान बड़े खतरे में, फिलीपींस, वियतनाम और आसियान देशों को समुद्री व्यापार मार्गों और संप्रभुता का डर। चीन के साथ पहले से सीमा विवाद में उलझे भारत के लिए सामरिक और आर्थिक चुनौती।

भारत की ओर से उठाए गए कदम

- सागर नीति के तहत हिंद-प्रशांत में भारत की सुरक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की पहल की गई है।
- एक्ट ईस्ट नीति भारत को पूर्वी और दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ अपने संबंध मजबूत करने में मदद करती है।
- भारत क्वाड का एक सक्रिय सदस्य है, यह गठबंधन भी क्षेत्र में क्षेत्रीय सुरक्षा और सहयोग के लिए महत्वपूर्ण है।
- इंडो-पैसिफिक में भारत अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है, हिंद महासागर क्षेत्र के बाहर भी उपस्थिति बढ़ाई है।

हमने अपनी संप्रभुता का एक हिस्सा खो दिया... ममदानी की जीत पर ट्रंप

डेमोक्रेट नेता का उड़ाया मजाक, बोले- न्यूयॉर्क में कुछ हो सकता है भयानक

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी का मजाक उड़ाते हुए उनका नाम ही नहीं लिया, इसके बजाय कहा कि 'जो भी उनका नाम है'। ट्रंप ने दावा किया कि अब अमेरिकी जनता को वामपंथ और कॉमन सेंस के बीच में से एक को चुनना होगा।

फ्लोरिडा के मियामी में बुधवार को 'अमेरिका बिजनेस फोरम' को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि जब वह पिछले साल पांच नवंबर को दूसरी बार राष्ट्रपति चुने गए तब अमेरिकी जनता ने अपनी संप्रभुता बहाल की थी लेकिन मंगलवार को मेयर चुनाव के साथ उसका कुछ हिस्सा खो दिया है। यह बयान उस समय आया जब एक दिन पहले भारतीय मूल के डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट जोहरान ममदानी को न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम और दक्षिण एशियाई मेयर के रूप में चुना गया।

ट्रंप ने चेतावनी दी, आप देखना, न्यूयॉर्क में क्या होता है, भयानक... मैं उम्मीद करता हूं कि ऐसा न हो, लेकिन आप देखोगे। उन्होंने कहा, '...और वह ममदानी या जो भी उनका नाम है, सोचते हैं कि पुरुषों का महिलाओं के खेलों में खेलना बहुत शानदार है। ट्रंप ने पहले भी चेतावनी दी थी कि ममदानी की जीत न्यूयॉर्क सिटी के लिए पूरी तरह आर्थिक और सामाजिक तबाही लेकर आएगी। उन्होंने कहा, मंगलवार के नतीजों के बाद, अब अमेरिकी जनता के सामने चुनाव बहुत साफ है हमारे पास दो विकल्प हैं : वामपंथ या कॉमन सेंस। उन्होंने दोहराया कि उनके नेतृत्व में अमेरिका किसी भी रूप में साम्यवादी देश नहीं बनेगा।

जोहरान ममदानी ने टीम के साथ यूनिस्फीयर के सामने लोगों को संबोधित किया।

> अगर कोई डोनाल्ड ट्रंप की ओर से देश को धोखा देने के जवाब में उन्हें हराने का तरीका दिखा सकता है तो वह न्यूयॉर्क है जिसने मुझे शिखर पर पहुंचाया। अगर किसी तानाशाह को डराने का कोई तरीका है तो वह उन्हीं परिस्थितियों को खत्म करना है जिन्होंने ट्रंप को सत्ता हासिल करने में मदद की। - **जोहरान ममदानी, अपने विजयी भाषण में**

ट्रंप बोले- मुझ पर गुस्सा दिखाएंगे तो सफल नहीं होंगे

ट्रंप ने बुधवार को ही मियामी में दिए एक साक्षात्कार में ममदानी के विजयी भाषण को 'बहुत गुस्से से भरा' बताया और कहा कि ममदानी ने अपनी शुरुआत ही गलत तरीके से की है और अगर वह वाशिंगटन के प्रति सम्मान नहीं रखेंगे तो उनके सफल होने की कोई संभावना नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, हां, मुझे लगा कि यह बहुत गुस्से वाला भाषण था, निश्चित रूप से मेरे खिलाफ गुस्सा झलक रहा था। मेरा मानना है कि उन्हें मेरे प्रति अच्छा व्यवहार करना चाहिए। आप जानते हैं, बहुत सी चीजें जो उनके पास आती हैं, उन्हें मंजूरी देने वाला मैं ही हूं। तो उन्होंने शुरुआत ही गलत दिशा में की है।

भारतीय अमेरिकियों ने कहा- यह जीत प्रवासियों के उज्ज्वल भविष्य की आशा

न्यूयॉर्क। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्यों ने ममदानी की ऐतिहासिक जीत को इस बात का संकेत बताया कि प्रवासी समुदाय अमेरिका में नई पहचान बना रहा है। न्यूयॉर्क स्थित शैक्षिक एवं सांस्कृतिक संस्था 'द कल्चर ट्री' की सीईओ अनु सहगल ने कहा, पिछली रात एक नए युग की शुरुआत जैसी थी। न्यूयॉर्क को भारतीय मूल का पहला मेयर मिलने के बाद हम इस शहर की पहचान, अपनापन और सत्ता को देखने के नजरिए में बदलाव देख रहे हैं। सहगल ने कहा कि ममदानी के विजय भाषण में नेहरू का जिक्र और धूम फिल्म के गीत के साथ समापन, हमारे समुदाय के लिए खास मायने रखता है। दक्षिण एशियाई समुदाय के नेता दिलीप चौहान ने कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी हुई कि एक दक्षिण एशियाई-अमेरिकी सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पित होकर शहर के विकास का वादा कर रहा है। उन्होंने एक उज्ज्वल भविष्य की आशा जगाई है। 'इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट फंड' नामक सामुदायिक संगठन ने कहा कि मंगलवार के चुनाव परिणामों ने यह साबित किया है कि चाहे वह सिटी काउंसिल हो, मेयर का पद या कोई राज्य स्तरीय पद, दक्षिण एशियाई-अमेरिकी अब इस देश के राजनीतिक भविष्य का हिस्सा हैं।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान गिराए गए थे 8 विमान : ट्रंप

न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध के दौरान आठ विमान मार गिराए गए थे। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि ये विमान किस देश के थे।

ट्रंप ने बुधवार को फ्लोरिडा के मियामी में 'अमेरिका बिजनेस फोरम' को संबोधित करते हुए भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष के दौरान मार गिराए गए विमानों की संख्या सात के बजाय आठ बताई। अब तक वह कहते रहे हैं कि संघर्ष के दौरान सात विमान मार गिराए गए थे। ट्रंप ने कहा कि आठ महीनों में उन्होंने कोसोवो और सर्बिया तथा कांगो और रवांडा सहित आठ युद्धों को समाप्त कर दिया, जो लंबे समय से जारी थे। ट्रंप ने 10 मई को सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि भारत और पाकिस्तान वाशिंगटन की मध्यस्थता में देर रात तक चली बातचीत के बाद पूर्ण और तत्काल संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं। इसके बाद से वह 60 से अधिक बार यह दावा दोहरा चुके हैं।

फिलीपींस में तूफान से 241 की मौत, देश में आपातकाल

लिलोन में पति, तीन बच्चों और माता-पिता के लापता होने के बाद बिलखती एक महिला।

मनीला, एजेंसी

- **अचानक आई बाढ़ में डूबने से हुईं ज्यादातर मौत, 127 लोग लापता**

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने तूफान कालमेगी के कारण देश के मध्य प्रांतों में 241 से ज्यादा लोगों की मौत होने और कई के लापता होने के बाद बृहस्पतिवार को आपातकाल की घोषणा कर दी। फिलीपींस में इस साल आई यह सबसे भीषण प्राकृतिक आपदा है।

तूफान कालमेगी के कारण ज्यादातर लोगों की मौत अचानक आई बाढ़ में डूबने से हुई, जबकि 127 लोग लापता बताए गए हैं। इनमें से अधिकतर मध्य प्रांत सेबू के निवासी हैं। यही प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यह उष्णकटिबंधीय चक्रवात बुधवार को द्वीपसमूह से गुजरने के बाद दक्षिण चीन सागर की ओर बढ़ गया। तूफान के प्रकोप से लगभग 20 लाख लोग प्रभावित हुए, जबकि 5.6 लाख से अधिक ग्रामीण विस्थापित हो गए, इनमें से लगभग 4.5 लाख लोगों को आपातकालीन आश्रयों में शरण लेनी पड़ी।

यूक्रेन ने रूस की प्रमुख रिफाइनरी पर किया ड्रोन हमला

कीव। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उसने लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम ड्रोन से रूस के वोल्गोग्राद क्षेत्र स्थित प्रमुख तेल शोधन संयंत्र (रिफाइनरी) को निशाना बनाया है।

यूक्रेन के मुताबिक, तीन महीने में इस तेल शोधन संयंत्र पर यह उसका दूसरा हमला है। रूस ने हमले की पुष्टि नहीं की है। हालांकि, स्थानीय गवर्नर ने कहा कि ड्रोन हमले से क्षेत्र में एक औद्योगिक संयंत्र में आग लग गई। यूक्रेन के अफसरों ने कहा कि हमला बुधवार को किया गया था। यह तेल शोधन कारखाना रूस के दक्षिणी संघीय जिले में ईंधन और लुब्रिकेंट का सबसे बड़ा उत्पादक है। कारखाने से सालाना 1.5 करोड़ टन कच्चे तेल का प्रसंस्करण होता है, जो रूस की कुल शोधन क्षमता का लगभग 5.6 प्रतिशत है।

बांग्लादेश: जबरन गायब करने के दोषियों को मिलेगी मौत की सजा

ढाका, एजेंसी

- **अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना पर शिकंजा और कसने की मंशा**

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने बृहस्पतिवार को एक मसौदा अध्यादेश को मंजूरी दी, जिसमें 'जबरन गायब किए जाने' जैसे अपराध के दोषियों को मौत की सजा का प्रावधान किया गया है। अध्यादेश ऐसे समय आया है जब अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और 15 सेवारत सैन्य अधिकारियों के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराधों को लेकर मुकदमा चल रहा है।

अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने मसौदे को मंजूरी दिए जाने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह कानून 'तथाकथित अयनाघर' जैसे गुप्त निरुद्ध केंद्रों की स्थापना को अपराध बनाता है और अदालतों को आरोप दायर होने के 120 दिनों के भीतर मुकदमा चलाने के लिए बाध्य करता है। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन की स्वीकृति के बाद यह अध्यादेश संभवतः 15 सैन्य अफसरों, हसीना और अपदस्थ सरकार में उनके कई सहयोगियों पर लागू किया जाएगा, इनमें पूर्व पुलिस प्रमुख भी शामिल हैं।

हाफिज के संगठन के कार्यालय पहुंचे पाकिस्तान के मंत्री

लाहौर। पाकिस्तान के एक मंत्री ने बृहस्पतिवार को पंजाब में हाफिज सईद के प्रतिबंधित संगठन जमात-उद-दावा के राजनीतिक चेहरे पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग के कार्यालय का दौरा किया और उसके नेताओं से मुलाकात की।

राज्य मंत्री सीनेटर तलाल चौधरी लाहौर से 130 किमी दूर फैसलाबाद स्थित लीग हाउस गए, जहां लीग के नेताओं ने उनका स्वागत किया। उनके दौरे को सईद के राजनीतिक संगठन को शहबाज सरकार द्वारा आधिकारिक संरक्षण के रूप में देखा जा रहा है।

अमेरिकी टैरिफ से संकट में भारतीय समुद्री खाद्य उद्योग

कोच्चि, एजेंसी

अमेरिका के नए टैरिफ के बाद भारत का समुद्री खाद्य (सीफूड) निर्यात क्षेत्र गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इस झटके ने उद्योग जगत और नीति-निर्माताओं को मूल्य संवर्धन, तकनीकी नवाचार और बाजार विविधीकरण की दिशा में प्रयास करने के लिए प्रेरित किया है ताकि देश की निर्यात आय को बचाया जा सके।

ये मुद्दे कोच्चि स्थित सेंट्रल मरीन फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट में आयोजित चौथे 'इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन मरीन इकोसिस्टम्स' नाम से हुई संगोष्ठी में प्रमुख रूप से उभरे। इसमें 'मरीन प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी' के चेयरमैन डॉ. राम मोहन ने बताया कि अप्रैल से सितंबर 2025 के बीच अमेरिका को भारत का सीफूड निर्यात लगभग छह फीसदी कम हुआ है। लेकिन चीन, वियतनाम और थाईलैंड जैसे एशियाई बाजारों में निर्यात में तेज़ वृद्धि देखी गई है। यह इस बात का संकेत है कि भारतीय निर्यातक नए बाजारों की ओर रुख कर रहे हैं।

- **टैरिफ लगने के बाद छह फीसदी कम हुआ कारोबार भारतीय निर्यातकों ने किया नए बाजारों का रुख**

वैश्विक बाजार में जगह बनाएं

विशेष एक्वाकल्चर जोन घोषित करने और मुक्त व्यापार समझौता तेजी से आगे बढ़ाने की मांग की गई ताकि वैश्विक बाजार में भारत की स्थिति सुधारी जा सके। सीफूड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि एजे थरकन ने कहा कि अमेरिका अब तक भारतीय झींगा का सबसे बड़ा बाजार रहा है लेकिन नए टैरिफ ने व्यापार को प्रभावित किया है।

तकनीक आधारित स्टार्ट अप और नवाचार को बढ़ावा दे भारत

सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. जॉर्ज निनन ने कहा कि समय आ गया है कि भारत सीफूड सेक्टर में तकनीक आधारित स्टार्टअप्स और नवाचार को बढ़ावा दे। उन्होंने शोधकर्ताओं, उद्योग और नीति निर्माताओं के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत पर बल दिया ताकि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिके रह सकें। इस पर भी जोर दिया गया कि भारत को अब सिर्फ कच्चा समुद्री माल भेजने की बजाय रीप्रोसेसिंग और वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट्स जैसे ब्रेडेड स्क्विड रिंग्स (ब्रेड से बनने वाले फिश पकौड़े), सुरिमी आइटम्स (फिश केक, फिश बॉल्स जैसी चीजें), रेडी-टू-ईट फिश फिलेट्स पर ध्यान देना चाहिए। वर्तमान में भारत का वैल्यू-एडेड सीफूड निर्यात 74.2 करोड़ डॉलर का है। यह चीन, वियतनाम, थाईलैंड, इक्वाडोर और इंडोनेशिया जैसे देशों की तुलना में बहुत कम है।

कैमरून : 92 वर्षीय पॉल बिया ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली

याओंडे। कैमरून के नेता 92 वर्षीय पॉल बिया ने पिछले महीने हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद बृहस्पतिवार को सात साल के नए कार्यकाल के लिए फिर से शपथ ली।

इस चुनाव को उनके विपक्षी प्रतिद्वंद्वी ने संवैधानिक तख्तापलट बताया है। संसद में विश्व के सबसे बुजुर्ग राष्ट्रपति ने कैमरूनवासियों के विश्वास के प्रति वफादार रहने का वादा किया तथा एक एकजुट, स्थिर और समृद्ध देश के लिए कार्य करने की शपथ ली। कैमरून की शीर्ष अदालत ने 27 अक्टूबर को बिया को 53.66 प्रतिशत मतों के साथ चुनाव में विजेता घोषित किया था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 7 नवंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वितीया 11.05 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

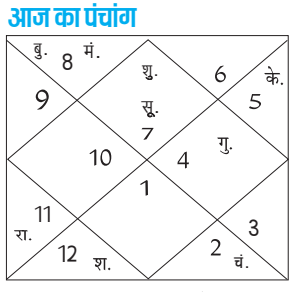

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- रोहिणी 8 नवंबर 00.23 तक तत्पश्चात मृगशिरा।

मेष आज दोपहर के बाद स्थितियों में सुधार आएगा, किंतु बिना पढ़े व गंभीर विश्लेषण के किसी डील पर निर्णय न लें। नौकरीपेशा लोगों को अतिरिक्त काम करना पड़ सकता है। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर कुछ लापरवाह हो सकते हैं।

वृष आज का दिन काफी अच्छा रहेगा। अपने किसी शौक को करियर के रूप में चुन सकते हैं। बड़े आर्थिक निवेश के लिए समय अनुकूल है। वैवाहिक जीवन अत्यंत सुखद रहेगा। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

मिथुन आज व्यापार में स्थितियां उलझती हुई प्रतीत होंगी। परिवार में धन को लेकर समस्या हो सकती है। घर के किसी सदस्य की अस्वस्थता आपको परेशान कर सकती है। समय के अनुसार अपने व्यवहार में परिवर्तन लाने का प्रयास करें।

कर्क आज अधिक आदर्शवादी होने से भी नुकसान होने की संभावना है। किसी के भी सामने अपनी प्रशंसा स्वयं अपने मुख से न करें। आपकी व्यवहार कुशलता की सर्वत्र प्रशंसा होगी। एक साथ दो मामलों को निपटाना पड़ सकता है।

सिंह आज होटल कारोबारियों को कुछ तकनीकी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। उधार दिया हुआ धन वापस मिल सकता है। करियर को लेकर अत्यंत गंभीर रहेंगे। सहकर्मी आपकी अत्यधिक सहायता करेंगे।

कन्या आज आपके व्यवहार में आए परिवर्तन के कारण लोग अचरज में आ सकते हैं। स्फूर्ति और सकारात्मक ऊर्जा के लिए व्यायाम अवश्य करें। आपके काम धीमी गति से पूरे होंगे। अपनी गलती का ठीकरा दूसरों पर न फोड़ें।

तुला आज नए कार्यों में धन निवेश की योजना बनाएंगे। कारोबारी यात्राओं के लिए दिन शुभ नहीं है। घर में बिजली के उपकरण खराब हो सकते हैं। ऐसे मुद्दों से दूर रहें, जिनके विषय में आपके पास कम जानकारी है।

वृश्चिक आज दिन शांतिपूर्वक और बिना तनाव के रहने वाला है। मीडिया से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। आपके सभी कार्य समय पर हो जाएंगे। विवाहित जोड़े किसी रोमांटिक टूर के लिए जा सकते हैं। व्यवसाय में नए अनुबंध हो सकते हैं।

धनु आज व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी। परिवार में किसी उत्सव को लेकर असमंजस हो सकती है। अविवाहितों को विवाह के उत्तम प्रस्ताव मिल सकते हैं। दैनिक वेतनभोगियों की अटकी हुई पेमेंट वापस मिल सकती है।

मकर आज आपको हाल में ही शुरू किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रेम संबंध रोमांटिक रहेंगे। समय का सदुपयोग करें। घर का वातावरण काफी अच्छा रहेगा। किसी भी काम को कल पर न टालें। संतान के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें।

कुंभ आज व्यापारियों को नकदी की कमी का सामना करना पड़ सकता है। दिखावे में धन खर्च होगा। कानूनी मामलों को लेकर सावधान रहें। कारोबारियों की आय में कमी होने की संभावना है। आप दूसरों के झगड़ों को सुलझाने में सफल रहेंगे।

मीन आज कार्यक्षेत्र में उच्चाधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आने के योग बन रहे हैं। लोग आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ने वाली है। मन में नए और क्रिएटिव विचार उत्पन्न हो सकते हैं।

सुडोकू - 153

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1				2				
		4	5					6
2			8					
	1			6			2	
	9						1	
	5			3				
5					2	8		
3					1	9		
6			3					4

सुडोकू - 152 का हल

6	7	1	4	8	5	2	3	9
8	2	4	9	1	3	6	5	7
9	5	3	2	6	7	8	1	4
5	4	6	3	7	8	1	9	2
7	1	9	5	2	6	3	4	8
3	8	2	1	9	4	5	7	6
2	9	7	8	5	1	4	6	3
1	3	8	6	4	9	7	2	5
4	6	5	7	3	2	9	8	1

मुझे खुद से ज्यादा हनुमान जी पर विश्वास है। जब भी मैं किसी मुश्किल स्थिति में होती हूं तो मैं उनका नाम लेती हूं और मुझे लगता है कि मैं उससे उबर सकती हूं। मुझे उन पर बहुत भरोसा है। मैंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जय श्री राम लिखा है।

-दीप्ति शर्मा

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, शुक्रवार 7 नवंबर 2025

हाईलाइट

एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप ट्रॉफी दौरा आज से

नई दिल्ली। प्रतिष्ठित पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप ट्रॉफी शुक्रवार से शुरू होने वाले देशव्यापी दौरे के दौरान भारत के 20 शहरों का दौरा करेगी। यह दौरा शुक्रवार को हॉकी इंडिया शताब्दी समारोह के दौरान खेल मंत्री मनसुख मांडविया, तमिलनाडु के उप मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, एफआईएच अध्यक्ष दातो तैयब इकराम, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की, महासचिव भोला नाथ सिंह और कोषाध्यक्ष सेकर जे मनोहरन की उपस्थिति में आधिकारिक तौर पर शुरू होगा। इन 20 शहरों में चंडीगढ़, अमृतसर, लखनऊ, जम्मू, पुणे और हैदराबाद भी शामिल हैं।

आरसीबी ने रंगराजन को महिला टीम का कोच नियुक्त किया

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गुरुवार को तमिलनाडु के पूर्व स्पिनर मालोलन रंगराजन को अगले साल होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के चौथे सत्र से पहले अपनी महिला टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया। रंगराजन ल्यूक विलियम्स की जगह लेंगे, जिन्हें 2024 में मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। आरसीबी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किया पिछले छह वर्षों से विभिन्न भूमिकाओं में आरसीबी के सहयोगी स्टाफ के प्रमुख सदस्य रहे मालोलन रंगराजन को अब आगामी डब्ल्यूपीएल के लिए मुख्य कोच नियुक्त किया गया है।

इंटर मिलान का विजय अभियान जारी बार्सिलोना ने ड्रॉ खेला

मिलान। इंटर मिलान ने कजाकिस्तान के क्लब कैरात को 2-1 से हराकर चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा, लेकिन बार्सिलोना को क्लब ब्रुग ने ड्रॉ पर रोक दिया। जबकि एर्लिंग हालैंड ने गोल करने का क्रम जारी रखा जिससे मैनचेस्टर सिटी ने बोरूसिया डॉर्टमुंड पर 4-1 से जीत हासिल की। पिछले वर्ष की उपविजेता इंटर के लिए लुटारो मार्टिनेज और कार्लोस ऑगस्टो ने प्रत्येक हाफ में एक गोल किया, जिससे वह इस प्रतियोगिता में बायर्न म्यूनिख और आर्सेनल के साथ चार मैचों में चार जीत हासिल करने वाली तीसरी टीम बन गई है। बार्सिलोना ने क्लब ब्रुग के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ रहे मैच में तीन बार पिछड़ने के बाद वापसी की। बेल्जियम में खेले गए इस मैच में बार्सिलोना को वापसी दिलाने में लामिन यामल का अहम योगदान रहा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू व कप्तान हरमनप्रीत कौर विश्व कप ट्रॉफी के साथ। एजेंसी

आप से युवा पीढ़ी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होगी : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रपति भवन में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम से मुलाकात की। जिसमें कप्तान हरमनप्रीत कौर ने उन्हें सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली टीम जर्सी भेंट की।

राष्ट्रपति मुर्मू ने टीम को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी और कहा कि खिलाड़ियों ने सिर्फ इतिहास ही नहीं रचा है बल्कि वे युवा पीढ़ी के लिए आदर्श भी बन गई हैं। राष्ट्रपति के कार्यालय से जारी एक बयान में उनके हवाले से कहा गया कि युवा पीढ़ी विशेषकर लड़कियां इस उपलब्धि से जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगी। मुर्मू ने भविष्य में भी इस टीम के भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर रखने का भरोसा जताया और खिलाड़ियों के क्रिकेट सफर में आई मुश्किलों पर कहा कभी-कभी तो खिलाड़ियों को नींद भी नहीं आई होगी। लेकिन उन्होंने सभी चुनौतियों का सामना किया। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड पर जीत के बाद लोगों को पूरा भरोसा था कि मैच में उतार-चढ़ाव के बावजूद हमारी बेटियां ही जीतेंगी।मुर्मू ने कहा कि इन खिलाड़ियों की सफलता में उनकी कड़ी मेहनत, कौशल, पक्के इरादे और उनके परिवारों के अलावा क्रिकेट प्रेमियों के प्यार और आशीर्वाद का हाथ रहा। राष्ट्रपति ने टीम की हर सदस्य को बधाई दी। उन्होंने कहा देश और विदेश में लाखों भारतीय इस जीत का जश्न मना रहे हैं। संयोजन में भी भारत की छवि दिखी क्योंकि सभी खिलाड़ी अलग इलाकों और अलग पृष्ठभूमि से आती है। खिलाड़ी अलग-अलग इलाकों, अलग-अलग सामाजिक पृष्ठभूमि और अलग-अलग परिस्थितियों का प्रतिनिधित्व करती हैं। पर वे एक टीम हैं 'इंडिया'। यह टीम भारत को सबसे अच्छी तरह प्रदर्शित करती है। उन्होंने कहा कि सात बार की विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराकर भारतीय टीम ने देशवासियों का अपनी काबिलियत पर भरोसा और मजबूत किया।

राष्ट्रपति भवन में मौजूद विश्व कप विजेता महिला क्रिकेट टीम व अन्य स्टाफ। एजेंसी

- भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने राष्ट्रपति से मुलाकात कर अपने हस्ताक्षर वाली जर्सी भेंट की

भारत को टी-20 सीरीज में 2-1 से बढ़त

अक्षर, शिवम व वाशिंगटन ने की शानदार गेंदबाजी, चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया 48 रनों से परास्त

कैरारा (गोल्ड कोस्ट), एजेंसी

- भारत के 168 रनों का पीछा करते हुए आस्ट्रेलियाई टीम 119 रनों पर सिमटी

अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर की उम्दा गेंदबाजी से भारत ने बृहस्पतिवार को यहां चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से हराकर पांच मैच की श्रृंखला में 2-1 की बढ़त बनाई। भारत के 168 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की टीम वाशिंगटन सुंदर (तीन रन पर तीन विकेट), अक्षर पटेल (20 रन पर दो विकेट) और शिवम दुबे (20 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 18.2 ओवर में 119 रन पर सिमट गई।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान मिचेल मार्श (30) ही 30 रन के आंकड़े को छू पाए। नाथन एलिस (21 रन पर तीन विकेट) और एडम जंपा (45 रन पर तीन विकेट) ने इससे पहले अंतिम ओवरों में भारत को लगातार झटके दिए जिससे एक समय दो विकेट पर 121 रन बनाकर अच्छी स्थिति में दिख रही मेहमान टीम आठ विकेट पर 167 रन ही बना सकी। भारत की तरफ से सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल 39 गेंद में चार चौकों और एक छक्के से 46 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। अभिषेक शर्मा (28), शिवम दुबे (22) और कप्तान सूर्यकुमार यादव (20) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे। अक्षर ने अंत में 11 गेंद में नाबाद 21 रन बनाकर भारत का स्कोर 160 रन के पार पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को भारतीय गेंदबाजों ने लगातार दबाव में रखा। मैथ्यू शॉर्ट (25) ने अर्शदीप सिंह (22 रन पर एक विकेट) पर चौके के साथ खाता खोला और फिर इस तेज गेंदबाज के अगले ओवर में भी छक्का और चौका मार। मार्श ने भी जसप्रीत बुमराह (27 रन पर एक विकेट) और अर्शदीप पर चौके मारे। अक्षर ने शॉर्ट को पगबाधा करके इस साझेदारी को तोड़ा।

मैदानी अंपायर ने उन्हें आउट नहीं दिया था लेकिन डीआरएस लेने पर उन्हें अपना फैसला बदलना पड़ा क्योंकि गेंद विकेटों से टकरा रही थी। जोश इंग्लिस (12) ने आते ही बुमराह पर दो चौके मारे जिससे ऑस्ट्रेलिया ने पावर प्ले में एक विकेट पर 48 रन बनाए। मार्श 21 रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब वरुण चक्रवर्ती (26 रन पर एक विकेट) की गेंद पर लांग ऑफ पर अभिषेक ने उनका मुश्किल कैच टपका दिया।

वाशिंगटन सुंदर को बधाई देते कप्तान सूर्यकुमार यादव। एजेंसी

अक्षर ने इंग्लिस को बोल्ड किया जबकि मार्श भी दुबे की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में अर्शदीप को कैच दे बैठे जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 70 रन हो गया। पिछले मैच में अर्धशतक जड़ने वाले टिम डेविड (14) ने दुबे पर लंबा छक्का जड़ा लेकिन अगली गेंद को हवा में लहराकर मिड ऑफ पर सूर्यकुमार के हाथों लपके गए। अर्शदीप ने जोश फिलिप (10) को शॉर्ट मिडविकेट पर चक्रवर्ती के हाथों कैच कराके ऑस्ट्रेलिया को पांचवां झटका दिया। ग्लेन मैक्सवेल (02) ने एक रन के साथ 15वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया के रनों का शतक पूरा किया लेकिन अंतिम गेंद पर बोल्ड हो गए। ऑस्ट्रेलिया को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 65 रन की दरकार थी। सूर्यकुमार ने 17वें ओवर में श्रृंखला में पहली बार गेंद वाशिंगटन को थमाई और उन्होंने लगातार गेंदों पर मार्कस स्टोइनिस (17) और जेवियर बार्टलेट (00) को आउट करने के बाद अपने अगले ओवर में जंपा (00) को गिल के हाथों कैच कराके भारत की जीत सुनिश्चित की।

हालात के अनुकूल ढलना जीत की कुंजी : सूर्यकुमार

कैरारा : भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आस्ट्रेलिया पर चौथे टी20 मैच में 48 रन से मिली जीत के लिये बल्ले और गेंद से अपने खिलाड़ियों के चतुराई भरे खेल को श्रेय दिया। भारत ने 167 रन बनाने के बावजूद जीत दर्ज करके पांच मैचों की श्रृंखला में 2.1 से बढत बना ली है। सूर्यकुमार ने जीत के बाद कहा मुझे लगता है कि बल्लेबाजों को इसका श्रेय जाना चाहिए। शुभमन और अभिषेक ने जिस तरह से शुरुआत की, उन्हें पता था कि यह 200 या 220 रन वाला विकेट नहीं है। उन्होंने चतुराई से खेला। बल्लेबाजों की तरफ से यह पूरा टीम प्रयास था।

भारत विश्व स्तरीय टीम है : मार्श

आस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने कहा 167 का स्कोर बुरा नहीं था। हम फिनिश लाइन तक नहीं जा सके। भारतीय टीम को इसका पूरा श्रेय जाता है जो विश्व स्तरीय टीम है। एशेज श्रृंखला को देखते हुए आस्ट्रेलिया ने टीम में काफी बदलाव किए थे। प्रमुख खिलाड़ी टी20 श्रृंखला के आखिरी दो मैच छोड़कर इंग्लैंड के खिलाफ एशेज की तैयारी में लग गए।

भारत

167/8 (20 ओवर)

अभिषेक शर्मा का डेविड बो जंपा	28
शुभमन गिल बो एलिस	46
शिवम दुबे बो एलिस	22
सूर्यकुमार का डेविड बो बार्टलेट	20
तिलक वर्मा का इंग्लिस बो जंपा	05
जितेश शर्मा पगबाधा बो जंपा	03
वाशिंगटन का कुनहेमन बो एलिस	12
अक्षर पटेल नाबाद	21
अर्शदीप का फिलिप बो स्टोइनिस	00
वरुण चक्रवर्ती नाबाद	01

गेंदबाजी : इवारशुइस 4-0-31-0, बार्टलेट 4-0-26-1, एलिस 4-0-21-3, स्टोइनिस 4-0-41-1, जंपा 4-0-45-3

ऑस्ट्रेलिया

119/10 (18.2 ओवर)

मिचेल मार्श का अर्शदीप बो दुबे	30
मैथ्यू शॉर्ट पगबाधा बो अक्षर	25
जोश इंग्लिस बो अक्षर	12
टिम डेविड का सूर्यकुमार बो दुबे	14
फिलिप का चक्रवर्ती बो अर्शदीप	10
स्टोइनिस पगबाधा बो वाशिंगटन	17
ग्लेन मैक्सवेल बो चक्रवर्ती	02
बेन इवारशुइस बो बुमराह	05
बार्टलेट का एवं बो वाशिंगटन	00
नाथन एलिस नाबाद	02
एडम जंपा का गिल बो वाशिंगटन	00

गेंदबाजी : अर्शदीप 3-0-22-1, बुमराह 4-0-27-1, चक्रवर्ती 4-0-26-1, अक्षर 4-0-20-2, दुबे 2-0-20-2, वाशिंगटन 1.2-0-3-3

टी-20 विश्व कप का फाइनल होगा अहमदाबाद में

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के आयोजन स्थलों की सूची में अहमदाबाद, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई को जगह दी है। फाइनल अहमदाबाद में खेला जाएगा। एकदिवसीय विश्व कप 2023 का भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच फाइनल भी अहमदाबाद में खेला गया था जो एक लाख से अधिक दर्शकों की क्षमता के साथ दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है। विश्व कप 2023 भारत में 10 स्थलों पर खेला गया था। बेंगलुरु का नाम अंतिम रूप से चयनित स्थलों की सूची में नहीं है।

आईसीसी फरवरी-मार्च में होने वाली इस प्रतियोगिता का पूर्ण कार्यक्रम अगले हफ्ते घोषित करेगा। टूर्नामेंट के सात फरवरी को शुरू होने की संभावना है जबकि फाइनल आठ मार्च को हो सकता है। टी20 विश्व कप का श्रीलंका सह मेजबान होगा जो भारत के साथ इंतजाम के तहत पाकिस्तान के लिए तटस्थ स्थल होगा। श्रीलंका में कैंडी और कोलंबो सहित तीन स्थलों पर मुकाबलों का आयोजन होगा। भारत स्वदेश में होने वाले विश्व कप में गत चैंपियन के रूप में उतरेगा। टीम ने पिछले साल जून में बारबडोस में पिछले टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। पाकिस्तान अगर फाइनल में पहुंचता है तो खिताबी मुकाबला श्रीलंका में होगा।

जुरेल के शतक से भारत ए ने बनाए 255 रन

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते ध्रुव जुरेल। एजेंसी

बेंगलुरु, एजेंसी

- दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच का पहला दिन

ध्रुव जुरेल के शानदार शतक की मदद से भारत ए ने शीर्षक्रम की नाकामी से उबरते हुए दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच के पहले दिन बृहस्पतिवार को 255 रन बनाए।

पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर भारत ए ने सात विकेट 126 रन पर गंवा दिए थे, लेकिन जुरेल (नाबाद 132) और कुलदीप यादव (20) ने आठवें विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी की। जुरेल ने 175 गेंदों में 12 चौकों और चार छक्कों की मदद से 126 रन की पारी खेली जबकि कुलदीप ने अपनी पारी में 87 गेंदों का सामना किया। जुरेल ने आफ स्पिनर प्रेनेलान सुब्रायेन को लांग आन पर शानदार छक्का जड़ा। इसके बाद इसी गेंदबाज को स्लॉग स्वीप पर छक्का लगाया। उन्होंने वान वूरेन की गेंद पर एक रन लेकर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में चौथा शतक पूरा किया। पिछली सात पारियों में यह उनका तीसरा शतक है। उन्होंने आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ लखनऊ में और वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में शतक बनाया था।

27वीं अखिल भारतीय कुमार सुरेंद्र सिंह इंटर स्कूल शूटिंग चैंपियनशिप-2025 में स्वर्ण पदक विजेता उत्तर प्रदेश की महिला यूथ खिलाड़ी।

उप्र ने इंटर स्कूल शूटिंग चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

बरेली : नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) की ओर से चेन्नई में आयोजित 27वीं अखिल भारतीय कुमार सुरेंद्र सिंह इंटर स्कूल शूटिंग चैंपियनशिप-2025 में उत्तर प्रदेश की महिला यूथ टीम ने स्वर्ण पदक जीत लिया। प्रतियोगिता का आयोजन 27 अक्टूबर से 4 नवंबर तक किया गया था। इसमें देशभर के युवा निशानेबाजों ने हिस्सा लिया।

उत्तर प्रदेश राज्य राइफल संघ लखनऊ ने इस जीत को राज्य में निशानेबाजी के बढ़ते स्तर और युवा एथलीटों के समर्पण को बताया है। ये जानकारी टीम मैनेजर विशाल विश्वकर्मा ने दी।

प्रमुख उपलब्धियां

(एस006.177 पीप साइट एयर राइफल (एनआर) यूथ वीमेन) : उत्तर प्रदेश की टीम ने कुल 1166.0-0x के प्रभावशाली स्कोर के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। टीम के व्यक्तिगत स्कोर इस प्रकार रहे : वृंदा महाजन : 393.0-0x, देवीना गर्ग : 387.0-0x, ईशानवी केसरवानी : 386.0-0x

फिडे शतरंज विश्व कप में विदित तीसरे दौर में, निहाल सरीन बाहर

पणजी (गोवा), एजेंसी

ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने बृहस्पतिवार को यहां फिडे शतरंज विश्व कप के दूसरे दौर में अर्जेंटीना के 12 वर्षीय ओरो फॉस्टिनो पर जीत दर्ज की जबकि निहाल सरीन यूनान के ग्रैंडमास्टर कौरकोलोस-आर्डिटिस स्टेमैटिस से हारकर बाहर हो गए।

केरल के ग्रैंडमास्टर निहाल को इस टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने की उम्मीद थी, लेकिन स्टेमैटिस ने लगातार उन पर दबाव बनाया जिससे इस भारतीय ने कई मौके मिलने के बावजूद बाजी गंवा दी।

भारत को दिन में दूसरा सबसे बड़ा झटका अरविंद चितम्बरम के हारने से मिला जो हमवतन के वेंकटरमनन से पराजित हो गए।

ग्रैंडमास्टर गुजराती ने कुछ मुश्किलों के बाद अंतिम 64 चरण में जगह बनाई। उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए फॉस्टिनो के खिलाफ पहला गेम ड्रॉ कराया जबकि दूसरे में जीत दर्ज की।

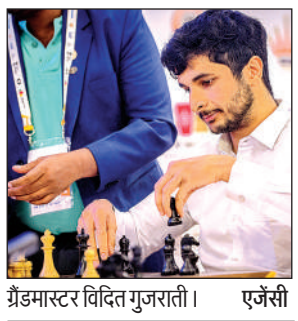

ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती। एजेंसी

नाराज नेपोमनियाच्ची ने होटल से चेकआउट किया

पणजी (गोवा) : रूस के ग्रैंडमास्टर इयान नेपोमनियाच्ची ने बृहस्पतिवार को फिडे विश्व कप से बाहर होने के तुरंत बाद अपने होटल से चेकआउट किया और यहां टूर्नामेंट की परिस्थितियों पर असंतोष व्यक्त करके विवाद खड़ा कर दिया। भारतीय ग्रैंडमास्टर दिप्तायन घोष से 0.5-1.5 से हारकर इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता से बाहर होने के तुरंत बाद दो बार के विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर नेपोमनियाच्ची ने हार के एक घंटे के भीतर ही अपने होटल से चेकआउट कर दिया। यह पांच वर्षों में पहली बार है जब मौजूदा विश्व ब्लिट्ज़ चैंपियन नेपोमनियाच्ची कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से बाहर होंगे।

गर्व की बात | पहले लड़कों की टीम में खेलती थीं, छतरपुर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्कालीन सचिव ने बदल दी जिंदगी

जो लोग ताना कसते थे, वही आज प्रशंसा कर रहे : क्रांति

नई दिल्ली, एजेंसी

लड़कों की टीम में एक खिलाड़ी कम पड़ गया और ऐसे में उनके पास कोई विकल्प नहीं था और उन्होंने आखिर उसे अपनी टीम में शामिल कर दिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ का क्रिकेट में यह पहला कदम था। इससे पहले वह मध्य प्रदेश के अपने गांव धुवारा में दूर से ही लड़कों को खेलते हुए देखती थी और कभी कभार जब गेंद उनके दरवाजे पर पहुंच जाती तो उसे वापस लड़कों के पास फेंक देती थी।

गौड़ ने गुरुवार को यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात से ठीक पहले पीटीआई वीडियो से कहा मुझे तो यह भी नहीं पता था कि महिला क्रिकेट टीम भी है। यहीं से क्रिकेट में मेरा सफर शुरू हुआ था। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने हाल में समाप्त हुए महिला वनडे विश्व कप में में 18.55 की औसत से नौ विकेट लिए जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ मैच में तीन विकेट लेना भी शामिल था।

उन्होंने कहा मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है क्योंकि यह मेरा पहला विश्व कप था और अब हम विश्व चैंपियन हैं। यह मेरे, मेरे परिवार और पूरे देश के लिए गर्व की बात है। क्रांति की कहानी स्टेडियम की दूधिया रोशनी और कैमरों से कहीं दूर शुरू हुई। वह ज्यादातर दूर से ही कुछ लड़कों को खेलते हुए देखती थी और जब भी गेंद उसके दरवाजे पर आती, तो वह उसे वापस फेंक देती थी। एक दिन अचानक उन्हें तब अंतिम एकादश में जगह मिल गई, जब लड़कों को एक खिलाड़ी की जरूरत थी। क्रांति ने कहा मेरे घर के आगे एक मैदान था जिस पर लड़के खेला करते थे और मैं दूर से ही उन्हें खेलते हुए देखती थी। जब मैंने उनके साथ खेलना शुरू किया, तो वे मुझे सिर्फ एक क्षेत्ररक्षक के तौर पर खिलाते थे, लेकिन धीरे-धीरे मैंने भी खेलना सीख लिया।

उन्होंने राजीव बिल्थरे का जिक्र करते हुए कहा तब मैंने एक लेदर बॉल टूर्नामेंट खेला और राजीव सर से मिली। राजीव बिल्थरे छतरपुर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव भी थे और उन्हें क्रांति की गेंद की रफ्तार काफी प्रभावशाली लगी थी। उन्होंने कहा उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट भी खेलना चाहती हूं। मुझे नहीं पता था कि लड़कियों की अंतर्राष्ट्रीय टीम भी है और फिर वह मुझे अपनी अकादमी में ले गए।

मेरे छोटे से गांव में लड़कियों को खेलने की नहीं थी इजाजत

क्रांति ने कहा मैं एक छोटे से गांव से हूं, इसलिए वहां लड़कियों को खेलने की इजाजत नहीं थी। मेरे परिवार से कहा जाता था कि तुम उसे लड़कों के साथ क्यों खेलने देते हो। तब मैंने सोचा कि एक दिन मैं अपने प्रदर्शन पर सबको तालियां बजाने पर मजबूर कर दूंगी। उन्होंने कहा और जो लोग मुझे और मेरे परिवार को ताना मारते थे, वे अब हमारी सराहना कर रहे हैं। अब महिला टीम भी बेहतर हो रही है और विश्व कप जीतने के बाद यह बहुत आगे जाएगी।